बालाघाट
मंगलवार 24 नवम्बर 2026
कार्तिक शुक्ल 15 विक्रम संवत 2083
वर्ष 17, अंक 63
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com



गुरूनानक जयंती

खास खबर

ध्रुव राठी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ 2018 के मानहानि मामले में गैर-जमानती वारंट जारी किया। यह मामला विकास सांकृत्यायन उर्फ विकास पांडे ने दर्ज कराया था। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अनम रईस खान ने यह आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 3 दिसंबर को होगी। यह मामला मई 2018 में ध्रुव राठी की ओर से बनाए गए एक वीडियो से जुड़ा है। इस वीडियो में उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा की सूचना एवं प्रौद्योगिकी सेल ने विकास पांडे को रिश्वत देने की कोशिश की थी। राठी ने इस वीडियो को अपने ट्विटर हैंडल पर भी साझा किया था। उस समय दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल ने भी इस वीडियो को रीट्वीट किया था। इसके बाद विकास पांडे ने ध्रुव राठी और अरविंद केजरीवाल- दोनों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था।

विधायक रेखा पात्रा वेंटिलेटर पर, हालत गंभीर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हिंगलगंज से भाजपा विधायक रेखा पात्रा की हालत गंभीर है। उन्हें कोलकाता के एक निजी अस्पताल में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। मेडिकल रिपोर्ट में जहर की आशंका जताई गई है। रेखा शनिवार को अपने घर पर अचानक बीमार पड़ गई थीं। उन्हें पहले स्थानीय अस्पताल और फिर बशीरहाट सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल ले जाया गया। हालत में सुधार नहीं होने पर रविवार को कोलकाता शिफ्ट किया गया। मेडिकल सूत्रों के मुताबिक, वह बेहोश हैं और उनकी आंखें भी नहीं खुली हैं। रेखा पात्रा 2024 में संदेशखाली आंदोलन के दौरान चर्चा में आई थीं। 26 मार्च 2024 को पीएम मोदी ने रेखा से फोन पर बातचीत की थी। मोदी ने कहा था- रेखा, आपने संदेशखाली में बहुत बड़ी लड़ाई लड़ी है। आप एक तरह से शक्ति स्वरूपा हैं।

पश्चिम बंगाल का नाम पश्चिम बंग होगा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर पश्चिम बंग किया जाएगा। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को इसका ऐलान किया। 9 दिसंबर को विधानसभा में प्रस्ताव रखा जाएगा। विधानसभा का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर से शुरू होगा। यह फैसला मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। बैठक के बाद सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि विधानसभा से प्रस्ताव पारित होने के बाद इसे मंजूरी के लिए केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा। देश में अब तक 6 राज्यों के नाम बदल चुके हैं। आखिरी बार 2026 में केरल का नाम बदलकर केरलम किया गया था। पश्चिम बंगाल का नाम 'पश्चिम बंग' करने के पीछे भाजपा का मुख्य तर्क राज्य की ऐतिहासिक पहचान को बनाए रखना है। 1947 में बंगाल के बंटवारे के बाद इसका पश्चिमी हिस्सा भारत में रहा और पश्चिम बंगाल राज्य बना।

कुछ ना कहना



पीएम मोदी और बालेन शाह की मुलाकात में हुए आठ समझौते

नेपाल के बिना हमारे धाम और राम अधूरे - मोदी

–भारत की ओर से 15 हजार करोड़ रुपये की मदद का ऐलान
–पीएम बालेन्द्र शाह बोले– भारत से रिश्ते हिमालय की तरह मजबूत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारत और नेपाल के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त बयान में मोदी ने नेपाल के लिए 15 हजार करोड़ भारतीय रुपये की मदद का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के संबंध साझा इतिहास, संस्कृति और आस्था पर आधारित हैं। भगवान राम और माता सीता दोनों देशों की साझा सभ्यता के प्रतीक हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने 2018 की अपनी जनकपुर यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि नेपाल के बिना हमारे धाम अधूरे हैं और नेपाल के बिना हमारे राम भी अधूरे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के लोगों के बीच सदियों पुराने आत्मीय संबंध हैं, जिन्हें और मजबूत करना दोनों देशों की प्राथमिकता है। वहीं, नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने भारत के साथ संबंधों को नई ऊंचाई देने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के रिश्ते हिमालय की तरह मजबूत और समुद्र की तरह विशाल हैं। दोनों देशों के लोग एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।



आठ समझौतों से बढ़ेगा सहयोग

भारत और नेपाल के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए आठ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें फॉरेंसिक विज्ञान, पुलिस प्रशिक्षण, प्रशासनिक अधिकारियों के प्रशिक्षण, आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा, सैटेलाइट संचार, शहरी विकास, स्वास्थ्य सेवाओं तथा पशुपालन और मत्स्य पालन से जुड़े समझौते शामिल हैं। फॉरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में गुजरात के गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय और नेपाल पुलिस के अपराध जांच विभाग के बीच शिक्षा एवं शोध में सहयोग होगा। वहीं, भारत के राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय और नेपाल की राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के बीच पुलिस प्रशिक्षण को लेकर समझौता हुआ है।

मिलकर करेंगे काम

नेपाली सरकारी अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए भारत के नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस और नेपाल के एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज मिलकर काम करेंगे। इसके अलावा इसरो और नेपाल के सूचना एवं संचार मंत्रालय के बीच दक्षिण एशिया सैटेलाइट के उपयोग के लिए सैटेलाइट संचार नेटवर्क विकसित करने पर सहमति बनी है।

कांडला और पारादीप तक पहुंच

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत नेपाल को गुजरात के कांडला और ओडिशा के पारादीप बंदरगाहों तक पहुंच उपलब्ध कराएगा। इससे नेपाल को दूसरे देशों के साथ व्यापार करने में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि भारत के साथ व्यापार और निवेश के बेहतर अवसर नेपाल की अर्थव्यवस्था को नई ताकत देंगे।

संपर्क को करेंगे और मजबूत

मोदी ने दोनों देशों के बीच सड़क और सीमा संपर्क को मजबूत करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड और नेपाल के बीच धारचूला में सड़क पुल का उद्घाटन किया गया है। इसके साथ ही बनबसा में एकीकृत जांच चौकी की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से उत्तराखंड और नेपाल के बीच व्यापार तथा लोगों की आवाजाही आसान होगी। बिहार और उत्तर प्रदेश समेत भारत के कई राज्यों को नेपाल से जोड़ने वाली सड़क, रेल और सीमा संपर्क परियोजनाओं को भी तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। दोनों प्रधानमंत्रियों की वार्ता में व्यापार, निवेश, ऊर्जा, परिवहन और बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। आठ समझौतों के साथ दोनों देशों ने आपसी संबंधों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, तकनीक और आर्थिक विकास जैसे क्षेत्रों में विस्तार देने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

गोधरा अग्निकांड के दोषी पाड़ा की सजा निलंबित

-मेडिकल आधार पर इरफान सिराज को सुप्रीम कोर्ट से जमानत, 31 में 11 को अबतक जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को गोधरा ट्रेन अग्निकांड के दोषी इरफान सिराज पाड़ा की सजा निलंबित कर दी। कोर्ट ने उसे मेडिकल आधार पर जमानत दी है। गुजरात सरकार ने उसकी मेडिकल स्थिति पर आपत्ति नहीं जताई। इरफान को 2025 में भी समय से पहले रिहाई की मांग पर राज्य सरकार से विचार कराने के लिए, अंतरिम पैरोल मिली थी। इस मामले में कुल 31 लोग दोषी ठहराए गए थे। इनमें से अब तक 11 को जमानत मिल चुकी है।



27 फरवरी 2002 को साबरमती एक्सप्रेस के S-6 कोच में आग लगने से 58 लोगों की मौत हो गई थी। ट्रेन में अयोध्या से लौट रहे कारसेवक सवार थे। इस घटना के बाद गुजरात में सांप्रदायिक दंगे भड़क गए थे। मार्च 2011 में ट्रायल कोर्ट ने इस मामले में 31 लोगों को दोषी ठहराया था। इनमें 11 को फांसी और बाकी 20 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। 63 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया गया था। 2017 में गुजरात हाईकोर्ट ने 11 दोषियों की फांसी की सजा को उम्रकैद में बदल दिया था। बाकी 20 दोषियों की उम्रकैद की सजा बरकरार रखी थी। दोषियों की अपील 2018 से सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

2022 से अब तक 10 दोषियों को जमानत मिली

13 मई 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने दोषी अब्दुल रहमान धंतिया उर्फ कंकड़ी उर्फ जंबूरी को छह महीने की अंतरिम जमानत दी थी। उसकी पत्नी को अंतिम चरण का कैंसर था और उसकी बेटियां मानसिक रूप से दिव्यांग थीं। 11 नवंबर 2022 को कोर्ट ने उसकी जमानत 31 मार्च 2023 तक बढ़ा दी थी। दिसंबर 2022 में एक अन्य दोषी फारूक को जमानत दी गई। कोर्ट ने उसके मामले में इस बात पर विचार किया था कि वह 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुका है और पैरोल करने में उसकी भूमिका थी। इसके बाद 21 अप्रैल 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने 8 अन्य दोषियों को जमानत दी थी। इनमें अब्दुल सत्तार इब्राहिम गद्दी असला, बूनस अब्दुल हक समोल, मोहम्मद हनीफ अब्दुल्ला मौलवी बादाम, अब्दुल रऊफ अब्दुल मजीद ईसा उर्फ धेसली, इब्राहिम अब्दुलरज्जाक अब्दुल सत्तार समोल उर्फ भानी, अयूब अब्दुल गनी इस्माइल पटालिया, सोहेब यूसुफ अहमद कलंदर और सुलेमान अहमद हुसैन उर्फ टाइगर पीर मुसलमान शामिल हैं।

कानून की समझ पर सवाल- सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के जज को लगा दी फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के एक सत्र न्यायाधीश के कामकाज के तरीके पर गहरी नाराजगी जताकर उन्हें कड़ी फटकार लगा दी है और बाहुबली की तरह व्यवहार न करने की नसीहत दी है। यह मामला तब सामने आया जब जज ने एक पुलिस अधिकारी को कोर्ट के आदेश के बावजूद एफआईआर दर्ज न करने पर तभी दोषी ठहराकर जुर्माना लगा दिया, इस उन्होंने अदालत की मौजूदगी में किया गया अपराध माना लिया था।

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने न्यायिक अधिकारी की याचिका पर सुनवाई कर उनकी कानून की बुनियादी समझ और कोर्टरूम के रवैये पर गंभीर सवाल उठाए। सुनवाई के दौरान, जस्टिस बागची ने सत्र न्यायाधीश की कार्यशैली पर सख्त टिप्पणी कर कहा कि उनकी कानून की समझ वाकई वेहद निराशाजनक है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर चिंता जाहिर की कि जज ने जिस आक्रामक तरीके से एक पुलिस अधीक्षक (एसपी) को तलब कर उसी दिन उन्हें दोषी भी ठहरा दिया।

शीर्ष अदालत ने निचली अदालत के इस तरीके पर सवाल उठाकर पूछा कि क्या सत्र न्यायाधीश ने अपने कानूनी अधिकार क्षेत्र में रहकर काम किया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता जज के वकील से स्पष्ट शब्दों में कहा कि ये अपने मुवक्किल को समझाएं कि वे बाहुबली की तरह बर्ताव करना बंद करें और न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करें।

जस्टिस बागची ने सत्र न्यायाधीश को नसीहत दी कि उन्हें पहले अदालत की अवमानना के दायरे और कानूनी प्रावधानों को ठीक से समझना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 384 और पुरानी सीआरपीसी (सीआरपीसी) की धारा 345 का हवाला देकर दोनों स्थितियों का अंतर स्पष्ट किया। सुप्रीम कोर्ट ने समझाया कि एक जज को तभी तुरंत दंडात्मक कार्रवाई करने का अधिकार है, जब अदालत की कार्यवाही के दौरान या जज की सीधी मौजूदगी में कोर्टरूम के अंदर कोई गंभीर बाधा डाली जाए, जैसे किसी को थप्पड़ मारना या कार्यवाही में जानबूझकर बाधा डालना। इसके विपरीत, शीर्ष न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अगर कोई अधिकारी कोर्टरूम के बाहर दिए गए किसी आदेश का पालन नहीं करता है, तब वह अदालत के सामने किए गए अपराध की श्रेणी में नहीं आता। इसतरह के मामलों में कार्रवाई करने के लिए कानून में एक अलग प्रक्रिया और निर्धारित नियम बनाए गए हैं, जिनका पालन करना अनिवार्य है।

संवैधानिक संस्थाओं की नहीं, उनके फैसलों की आलोचना करें- सीजेआई

धर्मशाला। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा है, लोकतंत्र में नागरिकों को संवैधानिक संस्थाओं के फैसलों की आलोचना करने का पूरा अधिकार है, उन्हें संस्थाओं को निशाना बनाने से बचना चाहिए। फैसलों और उन्हें लेने वाली संस्थाओं के बीच अंतर नहीं करने की प्रवृत्ति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए नुकसानदायक है। इससे संवैधानिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास कमजोर हो सकता है।

सीजेआई सूर्यकांत रविवार को हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा बेहद जरूरी है। किसी फैसले से असहमति होने पर आलोचना की जानी चाहिए, न कि पूरी संस्था की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना चाहिए।

समारोह में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, राज्यपाल कविंदर गुप्ता, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस गुरमीत सिंह संधावालिया और कुलपति सत प्रकाश बंसल मौजूद थे ।

वांटेड आरोपी कजाकिस्तान से लाया गया

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने हत्या के मामले में वांटेड आरोपी आशीष कुमार को कजाकिस्तान से भारत वापस लाने में सफलता हासिल की है। इंटरपोल रेड नोटिस के तहत वांछित आशीष कुमार को सोमवार को भारत लाया गया। दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचने पर, हरियाणा पुलिस ने उसे अपनी हिरासत में ले लिया। आशीष कुमार हरियाणा में दर्ज एक हत्या के मामले में वांटेड था। मामला नवंबर 2025 का है, जब एक शादी समारोह के दौरान मृतक और आरोपी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद जब मृतक समारोह स्थल से अपनी गाड़ी में वापस जा रहा था, तभी आशीष कुमार ने अपने साथियों के साथ मिलकर रास्ते में उसकी गाड़ी को जबरन रुकवा लिया। आरोप है कि इसके बाद सभी ने मिलकर मृतक पर बेरहमी से हमला किया। इस हमले में उसे गंभीर चोटें आईं, जिसके चलते उसकी मौत हो गई।

पति की मौत के बाद दूसरी शादी, फिर भी पत्नी को मिलेगा दुर्घटना मुआवजा

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने दुर्घटना मुआवजे को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि पति की सड़क हादसे में मौत के बाद पत्नी यदि दूसरी शादी कर लेती है, तब भी उसका दुर्घटना मुआवजा पाने का कानूनी अधिकार समाप्त नहीं होता। केवल पुनर्विवाह के आधार पर पत्नी के मुआवजे के दावे को खारिज नहीं किया जा सकता।

यह मामला पंचमहल जिले के रिंडवाणा गांव के पास हुए सड़क हादसे से जुड़ा है। 4 फरवरी, 2009 को ट्रक की टक्कर से कमलेश पटेलिया की मौत हो गई थी। इसके बाद उनकी पत्नी कमलाबेन ने मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी) में मुआवजे के लिए याचिका दायर की थी। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने 29 सितंबर, 2017 को कमलाबेन के पक्ष में मुआवजा मंजूर किया था। इस फैसले को चुनौती देते हुए बीमा कंपनी ने गुजरात हाईकोर्ट में अपील दायर की। कंपनी की दलील थी कि कमलाबेन ने पति की मृत्यु के बाद दूसरी शादी कर ली है, इसलिए उन्हें मुआवजा नहीं दिया जाना चाहिए।

न्यायिक अधिकारियों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त -

काम करने के बजाय सुविधाओं पर ध्यान दें रहे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक अधिकारियों द्वारा लगातार सेवा संबंधी सुविधाओं और सेवानिवृत्ति लाभों के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को तल्ख टिप्पणी कर कहा कि न्यायिक अधिकारी काम करने के बजाय अपनी मांगों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने निचली अदालतों में न्यायिक अधिकारियों की उपलब्धता और कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ केरल में वकालत के काम से जुड़े उम्मीदवारों के लिए निर्धारित सीधी भर्ती कोटे के तहत जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित मामले की सुनवाई कर रही थी, जब ये टिप्पणियां की गईं।

मौखिक टिप्पणी में सीजेआई ने कहा, अब ये कुछ ज्यादा ही मांगें करने लगे हैं। हर मामले में न्यायिक अधिकारी आवेदन दाखिल कर कहते हैं कि हमें यह सुविधा दी जाए। वे अदालतों में काम क्यों नहीं करते? हमें पता है कि वे कितने मामलों का निपटारा करते हैं और दिनभर क्या करते रहते हैं। उन्होंने अदालतों के कामकाजी समय के दौरान उनकी अनुपस्थिति पर सवाल उठाकर कहा, आप सुबह 10 बजे अदालत जाइए, वहां कोई नहीं मिलेगा। वे अपने कक्ष में बैठकर कॉफी पी रहे होते हैं। जैसे हमें पता ही नहीं है कि वहां क्या हो रहा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने जोर दिया कि न्यायिक अधिकारी चौबीसों घंटे केवल यही सोचते रहते हैं कि उन्हें कौन-कौन सी सुविधाएं और सेवा संबंधी लाभ मिल रहे हैं, या उनकी सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाई जा रही है या नहीं। उन्होंने दुख जाहिर किया कि बाहर लोग कतारों में इंतजार कर रहे होते हैं, लेकिन उनके मामलों की सुनवाई नहीं होती। सर्वोच्च न्यायालय ने सेवा शर्तों, भत्तों और अन्य सुविधाओं से जुड़ी मांगों को बार-बार उठाने की कड़ी आलोचना की और न्यायिक अधिकारियों को काम पर ध्यान केंद्रित करने की नसीहत दी।

वोटर लिस्ट से नाम हटाने के खिलाफ दायर अपीलों को दें प्राथमिकता- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में एसआईआर से जुड़ी अपीलों को सुनवाई कर रहे ट्रिब्यूनलों को निर्देश दिया कि वे मतदाता सूची से नाम हटाए जाने को चुनौती देने वाली मतदाताओं की याचिकाओं को प्राथमिकता दें, जबकि नाम जोड़े जाने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई फिलहाल टाल दें। सीजेआई सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने ट्रिब्यूनलों से कहा कि वे नाम हटाए जाने को चुनौती देने वाली अपीलों को, नाम जोड़े जाने को चुनौती देने वाली अपीलों से आगे करें और नाम हटाए जाने से जुड़ी अपीलों को प्राथमिकता दें।

प्रथम श्रेणी अपीलों को प्राथमिकता

लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, पीठ ने अपने आदेश में कहा, दूसरी श्रेणी की अपीलों (नाम जोड़े जाने से जुड़ी) में कोई जल्दबाजी नहीं है, इसलिए इन अपीलों को फिलहाल के लिए टाला जा सकता है। पहली श्रेणी की अपीलों (नाम हटाए जाने से जुड़ी) को अंतिम निपटारे के मामले में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। पीठ ने ट्रिब्यूनलों को यह भी निर्देश दिया कि नाम हटाए जाने से जुड़ी अपीलों में, कोलकाता नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आने वाले मतदाताओं के मामलों को प्राथमिकता दी जाए, क्योंकि वहां जल्द ही निकाय चुनाव होने वाले हैं।

ट्रिब्यूनल की संख्या बढ़ाई जाए

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को यह भी निर्देश दिया कि वह कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से पश्चिम बंगाल एसआईआर से जुड़ी अपीलों की सुनवाई करने वाले अपीलीय न्यायाधिकरणों की संख्या बढ़ाए। शीर्ष अदालत उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें राज्य में एसआईआर से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए गठित ट्रिब्यूनलों के समक्ष अपीलों के निपटारे की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और तेज करने की मांग की गई थी।

अश्लील वीडियो रिकॉर्डिंग मामला- प्रज्वल रेवन्ना को हाईकोर्ट से राहत

-चार्जशीट समय पर दाखिल नहीं होने के आधार पर डिफॉल्ट बेल का हकदार माना

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने पूर्व जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना को अश्लील वीडियो रिकॉर्डिंग मामले में राहत दी है। अदालत ने स्टेप्टूटरी बेल की याचिका खारिज करने वाले स्पेशल कोर्ट के आदेश को रद्द करते हुए कहा कि जांच एजेंसी निर्धारित समय सीमा में चार्जशीट दाखिल नहीं कर सकी। ऐसे में रेवन्ना डिफॉल्ट बेल पाने के हकदार हैं। हालांकि, इस फैसले के बावजूद उनके जेल से बाहर आने की संभावना नहीं है, क्योंकि वह एक अलग रेप मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद उम्रकैद की सजा काट रहे हैं।

जस्टिस एम. नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने यह आदेश दिया। प्रज्वल रेवन्ना फिलहाल बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में बंद हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले उनके कुछ आपत्तिजनक वीडियो सामने आए थे। इसके बाद वह कई आपराधिक मामलों में आरोपी बनाए गए।

घरेलू कामगार से रेप मामले में उम्रकैद

रेवन्ना को 2 अगस्त 2025 को बेंगलुरु की स्पेशल कोर्ट ने 47 वर्षीय घरेलू कामगार से रेप के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। अदालत ने उन पर 11 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था और यह राशि पीड़िता को मुआवजे के रूप में देने का निर्देश दिया था। यह मामला क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि रेवन्ना ने उसके साथ दो बार रेप किया और इस दौरान



घटनाओं की रिकॉर्डिंग भी की।

पेन ड्राइव से सामने आए थे वीडियो

2024 के लोकसभा चुनाव से पहले एक पेन ड्राइव में मौजूद आपत्तिजनक वीडियो सामने आने के बाद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ आरोप सार्वजनिक हुए थे। इसके बाद उनके खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए। हाईकोर्ट के ताजा आदेश से उन्हें एक मामले में डिफॉल्ट बेल का कानूनी अधिकार मिला है, लेकिन दूसरे मामले में उम्रकैद की सजा के चलते उनकी रिहाई नहीं हो सकेगी।

गिरते जलस्तर के चलते रबी में धान का रकबा घटाने की तैयारी

इस बार 25 हजार हेक्टेयर में ही खेती का अनुमान, जिला प्रशासन ने नहरों और तालाबों से रबी धान की सिंचाई पर लगाई रोक, दो वर्षों में 45 हजार से घटकर 37 हजार हेक्टेयर पर पहुंचा रकबा, इस बार फिर 10 हजार हेक्टेयर की कमी की संभावना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में धान की खेती किसानों की प्रमुख आजीविका का आधार रही है। यहां के किसान खरीफ के साथ-साथ रबी सीजन में भी बड़े पैमाने पर धान की फसल लेते आए हैं। जिले की मिट्टी में नमी और अनुकूल परिस्थितियों के चलते किसानों को रबी में भी धान का अच्छा उत्पादन मिलने की उम्मीद रहती है। यही वजह है कि लंबे समय से जिले के कई क्षेत्रों में किसान खरीफ के बाद रबी सीजन में भी धान की खेती को प्राथमिकता देते रहे हैं। हालांकि अब गिरते भूजल स्तर और गर्मी के दिनों में उत्पन्न होने वाली पेयजल समस्या को देखते हुए जिला प्रशासन और कृषि विभाग ने रबी में धान का रकबा सीमित करने की दिशा में कदम उठाए हैं। प्रशासन की इस नीति का असर अब खेती के आंकड़ों में भी दिखाई देने लगा है और लगातार दूसरे वर्ष रबी धान के क्षेत्रफल में कमी दर्ज की गई है।



दरअसल, जिले के अनेक ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में किसान पारंपरिक रूप से रबी सीजन में धान की फसल लगाते हैं। कुछ क्षेत्रों में जंगली जानवरों और पशुओं से फसलों को होने वाले नुकसान के कारण भी किसान चना, गेहूं तथा अन्य फसलों की अपेक्षा धान की खेती को अधिक सुरक्षित विकल्प मानते हैं। इसके अलावा स्थानीय जमीन में मौजूद नमी के कारण उन्हें कम सिंचाई में भी धान की फसल तैयार होने की उम्मीद रहती है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में जल स्रोतों के नीचे जाने और गर्मी के दौरान पेयजल संकट की स्थिति बनने से रबी में अधिक पानी की खपत वाली धान की खेती को लेकर चिंता बढ़ी है। कई बार रबी धान की फसल पानी की कमी से प्रभावित हुई और किसानों को नुकसान का सामना करना पड़ा। इसके बाद जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन ने रबी सीजन में धान की खेती को हतोत्साहित करना शुरू किया। प्रशासन और संबंधित विभाग का मानना है कि रबी में धान की खेती के लिए बड़े पैमाने पर पानी की आवश्यकता होती है। ऐसे में नहरों और तालाबों में उपलब्ध पानी का उपयोग धान की सिंचाई में करने के बजाय जल स्रोतों को सुरक्षित रखना जरूरी है, ताकि गर्मी के महीनों में ग्रामीणों और शहरी आबादी को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े। इसी को ध्यान में रखते हुए किसानों को नहरों और तालाबों के माध्यम से रबी धान की सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। कृषि विभाग किसानों को चना, गेहूं सहित अन्य कम पानी में तैयार होने वाली फसलों की ओर प्रोत्साहित कर रहा है। विभाग का मानना है कि फसल चक्र में बदलाव और कम पानी वाली फसलों को अपनाने से भूजल स्तर पर पड़ने वाले दबाव को कम किया जा सकता है। आंकड़ों पर नजर डालें तो रबी सीजन में धान की फसल का रकबा लगातार घट रहा है। वर्ष 2024-25 में जिले में लगभग 46 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में रबी सीजन में धान की फसल लगाई गई थी। इसके बाद वर्ष 2025-26 में यह क्षेत्रफल घटकर लगभग 37 हजार हेक्टेयर रह गया। अब वर्ष 2026-27 के लिए कृषि विभाग का अनुमान है कि रबी धान का रकबा करीब 10 हजार हेक्टेयर और कम हो सकता है। इस अनुमान के अनुसार इस बार जिले में लगभग 25 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में ही रबी धान की खेती होने की संभावना है। यदि यह अनुमान सही साबित होता है तो पिछले दो वर्षों की तुलना में रबी धान के क्षेत्रफल में बड़ी गिरावट दर्ज होगी। इस संबंध में कृषि विभाग के उपसंचालक फूलसिंह मालवीय ने दूरभाष पर चर्चा के दौरान बताया कि पिछले कुछ वर्षों से लगातार गिरते जलस्तर को देखते हुए विभाग और जिला प्रशासन ने रबी सीजन में धान की खेती को लेकर नियंत्रण की नीति अपनाई है। नहरों और तालाबों से मिलने वाले पानी का उपयोग रबी धान की सिंचाई के लिए नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि किसानों को पहले से ही इस संबंध में जानकारी देकर कम पानी वाली फसलें लगाने की सलाह दी जा रही है। मालवीय के अनुसार वर्तमान में भले ही जलस्तर की स्थिति बेहतर दिखाई दे रही हो, लेकिन मई-जून के दौरान पानी का स्तर काफी नीचे चला जाता है। इसका सीधा असर पेयजल उपलब्धता पर पड़ता है और आम नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन किसानों के पास सिंचाई के स्वयं के साधन उपलब्ध हैं और उन्हें विश्वास है कि वे अपनी फसल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था कर सकते हैं, वे सीमित क्षेत्र में रबी धान की खेती कर सकते हैं। हालांकि विभाग की प्राथमिकता जल संरक्षण और कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों को बढ़ावा देना है। उन्होंने जिले के किसानों से अपील की कि वे रबी सीजन में अधिक से अधिक चना, गेहूं और अन्य कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों का उत्पादन करें। इससे एक ओर पानी की बचत होगी, वहीं दूसरी ओर किसानों को बेहतर उत्पादन और आर्थिक लाभ के अवसर भी मिल सकेंगे। रबी धान के रकबे में लगातार आ रही कमी अब जिले की खेती के स्वरूप में बदलाव का संकेत दे रही है। हालांकि जल संरक्षण के लिए प्रशासन की पहल जरूरी है, लेकिन किसानों के सामने फसल चयन, उत्पादन और आमदनी का सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है। ऐसे में कम पानी वाली फसलों के प्रति किसानों का भरोसा बढ़ाने के लिए कृषि विभाग को केवल धान की खेती सीमित करने की सलाह तक ही नहीं, बल्कि वैकल्पिक फसलों के बेहतर बीज, तकनीकी मार्गदर्शन और उपज के उचित बाजार की व्यवस्था पर भी ध्यान देना होगा। तभी जल संरक्षण के साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को संतुलित रखा जा सकेगा।

सरेखा के तीन वार्डों में अवैध शराब के कारोबार को लेकर रहवासियों ने एसपी के नाम सौंपा ज्ञापन

वार्ड क्रमांक 5, 30 और 31 में कच्ची-पक्की शराब की बिक्री पर रोक लगाने की मांग , महिलाओं की समिति करेगी निगरानी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के उपनगरीय क्षेत्र सरेखा के वार्ड क्रमांक 5, 30 और 31 में कथित तौर पर लंबे समय से चल रहे अवैध शराब के कारोबार को लेकर अब रहवासियों का आक्रोश सामने आने लगा है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि संबंधित स्थानों पर खुले तौर पर कच्ची और पक्की शराब की बिक्री की जा रही है, लेकिन पूर्व में शिकायत और ज्ञापन सौंपे जाने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। कार्रवाई के अभाव में अवैध शराब बेचने वालों के हौसले बुलंद हैं और इसका खामियाजा मोहल्ले के रहवासियों, विशेषकर महिलाओं और युवाओं को भुगतना पड़ रहा है। इसी समस्या को लेकर सोमवार 23 नवंबर को तीनों वार्डों के रहवासी और महिलाएं पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे तथा एसपी के नाम ज्ञापन सौंपकर अवैध शराब बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।



ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि वार्ड क्रमांक 31 सरेखा में एक व्यक्ति द्वारा कथित तौर पर अपने घर से सुबह से देर रात तक कच्ची और पक्की शराब की बिक्री की जा रही है। वहीं वार्ड क्रमांक 5 के कहरा मोहल्ले में एक महिला द्वारा महुआ की कच्ची शराब बेचे जाने का आरोप लगाया गया है। रहवासियों का कहना है कि इन गतिविधियों के कारण क्षेत्र में दिनभर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है और आए दिन विवाद की स्थिति निर्मित होती है। जब आसपास के लोग शराब बिक्री का विरोध करते हैं तो संबंधित लोगों द्वारा कथित तौर पर मारपीट पर उतारू होने जैसी स्थिति बनाई जाती है। इससे मोहल्ले में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। क्षेत्रवासियों ने ज्ञापन में यह भी कहा है कि अवैध शराब की बिक्री का सबसे अधिक दुष्प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है। नशे की उपलब्धता बढ़ने से युवाओं के स्वास्थ्य और भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है, वहीं क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल रहा है। शराबियों की महफिल और असामाजिक तत्वों की मौजूदगी के कारण महिलाओं को रास्ते से गुजरने में परेशानी और असहजता का सामना करना पड़ता है। रहवासियों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। ऐसे में लोगों ने पुलिस प्रशासन से केवल औपचारिक कार्रवाई के बजाय नियमित निगरानी और सख्त कदम उठाने की मांग की है। वार्ड क्रमांक 5 की पार्षद लोहिना पंचेश्वर और वार्ड क्रमांक 30 के पार्षद प्रवीण मदनकर ने बताया कि अलग-अलग वार्डों में नशे और अवैध शराब बिक्री की समस्या को लेकर रहवासी लंबे समय से परेशान हैं। उन्होंने मांग की कि पुलिस नियमित रूप से इन क्षेत्रों में भ्रमण करे और अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर कार्रवाई करे। पार्षदों ने बताया कि महिलाओं की एक समिति भी बनाई गई है, जिसके सदस्य वार्डों में भ्रमण कर ऐसी गतिविधियों पर नजर रखेंगे। यदि कहीं विवाद या आपत्तिजनक स्थिति सामने आती है तो पुलिस को सूचना देकर कार्रवाई में सहयोग किया जाएगा। ज्ञापन के माध्यम से वार्डवासियों ने शराब के अवैध कारोबार के साथ-साथ जुआ, सट्टा और अन्य अनैतिक गतिविधियों पर भी अंकुश लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि एक ओर शासन नशामुक्ति अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है, वहीं दूसरी ओर मोहल्लों में कथित तौर पर अवैध शराब की बिक्री जारी रहना इन प्रयासों को कमजोर कर रहा है। अब देखना होगा कि पुलिस प्रशासन इस शिकायत को कितनी गंभीरता से लेते हुए संबंधित स्थानों की जांच और कार्रवाई करता है। रहवासियों ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और महिलाओं के लिए निर्भय आवागमन का माहौल बनाने के लिए अवैध शराब और अन्य असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी रोक जरूरी है।

नाबालिग का अपहरण और दुष्कर्म करने के आरोप में युवक गिरफ्तार- जेल भेजा

परसवाड़ा थाना क्षेत्र की घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार युवक मोहित पिता सुखलाल मर्सकोले 20 वर्ष ग्राम बड़गांव बैगा टोला निवासी है जिसे न्यायालय के आदेश पर न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 वर्षीय नाबालिग लड़की के परिवार में मां, दादा, दो छोटी बहनें और दो छोटे भाई हैं। दोनों बहनें अपनी बुआ के घर रहकर पढ़ाई कर रही हैं। यह नाबालिग लड़की अपनी मां, दोनों भाई और दादा के साथ घर में रहती है और उसने पढ़ाई छोड़ दी है।इसी वर्ष गर्मी के समय जब यह नाबालिग लड़की अपनी बुआ की बेटी के साथ कुर्रेड़ मेला गई थी।तब इसकी पहचान मोहित नाम के लड़के से हुई थी। तब से मोहित और यह लड़की बातचीत करने लगे थे। बताया गया है कि मोहित ने इस लड़की से कई बार शादी करने के लिए कहा था किंतु वह उससे शादी नहीं करना चाहती थी और मना कर देती थी। एक बार उसने लड़की की मां के सामने भी शादी करने की बात कही थी। तब लड़की की मां ने अभी शादी की उम्र नहीं हुई है कहकर मना कर दिया था।18 नवंबर 2026 की रात जब यह लड़की खाना खाने के बाद रात्रि 8 बजे अपने घर के पास बर्रा में शौच के लिए गई थी तभी रास्ते में मोहित उसे मिला। आरोप है कि मोहित ने इस नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर शादी करने का झांसा देकर अपने साथ अपने गांव बड़गांव में एक घर में ले गया और रात में वहीं रुका। वहीं मोहित ने इस नाबालिग लड़की के साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। मोहित ने जान से मार डालने की धमकी दी थी। जिसके कारण वह चिल्ला नहीं सकी।दूसरे दिन सुबह 5 बजे मोहित ने इस लड़की को अपने घर की पाटन पर ले जाकर बंद कर दिया था। सुबह 8 बजे इस लड़की की मां और पड़ोसी के साथ उसे ढूंढते हुए मोहित के घर आए तब उनके साथ यह लड़की अपने घर पहुंची और घटना के संबंध में बताया।

पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज

इस लड़की द्वारा की गई रिपोर्ट पर परसवाड़ा पुलिस ने मोहित मर्सकोले के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 351(3), 64(1), 87, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 3/4 के तहत अपराध दर्ज किया।अपराध दर्ज करने के तुरंत बाद ही परसवाड़ा पुलिस ने मोहित मर्सकोले को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया और उसे बैहर की न्यायालय में पेश कर दिया। जहां से मोहित को न्यायालय के आदेश पर न्यायिक अभिरक्षा में जेल बैहर भिजवा दिया गया है।

घरेलू विवाद में सास ने बहू के साथ की मारपीट

परसवाड़ा पुलिस ने दर्ज किया मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के चलते सास द्वारा बहू के साथ गाली-गलौज और मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता शांताबाई बारेकर 33वर्ष की शिकायत पर परसवाड़ा पुलिस ने उसकी सास अरुणलता पति सिद्धूलाल बारेकर निवासी परसवाड़ा के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शांताबाई बारेकर मजदूरी का काम करती है। उसका अपनी सास अरुणलता के साथ घरेलू मामलों को लेकर विवाद चल रहा था। बताया गया है कि 22 नवंबर को शाम करीब 4:30 बजे उसकी सास अरुणलता घर में चिल्लाते हुए कहने लगी कि वह खेती का काम संभाले, घर का काम देखे या फिर कर्ज की जिम्मेदारी उठाए। इसी दौरान वह अपनी बहू शांताबाई को गाली देने लगी।शांताबाई ने जब सास को गाली देने से मना किया तो आरोप है कि अरुणलता ने उसके साथ मारपीट कर दी। घटना के बाद शांताबाई ने परसवाड़ा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।शिकायत के आधार पर परसवाड़ा पुलिस ने सास अरुणलता पति सिद्धूलाल बारेकर के विरुद्ध गाली-गलौज और मारपीट के आरोप में अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा मामले की विवेचना की जा रही है।

टीएल बैठक में कलेक्टर आदित्य सिंह ने की समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा

जन शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर आदित्य सिंह की अध्यक्षता में सोमवार 23 नवम्बर को जिला स्तरीय टीएल (समय-सीमा) बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों में लंबित समय-सीमा प्रकरणों, सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम नागरिकों की समस्याओं का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में सुनिश्चित करें। शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा औपचारिकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में संयुक्त कलेक्टर सुधीर जैन सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।



जन विश्वास अभियान के शिविरों में शिकायतों का वास्तविक निराकरण करें

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले शिविरों की तैयारियों एवं उनमें प्राप्त होने वाली शिकायतों के निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिविरों में प्राप्त आवेदनों पर केवल औपचारिक कार्रवाई कर खानापूर्ति न करें, बल्कि प्रत्येक शिकायत का संतोषजनक एवं वास्तविक निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि इसके लिए सभी तहसीलदार एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नियमित रूप से ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करें और आमजन की समस्याओं की समझकर उनका समाधान करें। आगामी 27 नवंबर को बिरसा विकासखंड के एक ग्राम में जन इसके मद्देनजर सभी संबंधित अधिकारियों को बिरसा विकासखंड के उन गांवों का विशेष रूप से भ्रमण करने के निर्देश दिए गए हैं, जहां सीएम हेल्पलाइन की अधिक शिकायतें लंबित हैं।

सीएम हेल्पलाइन में लापरवाही पर तहसीलदार का वेतन रोकने के निर्देश

बैठक में सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के निराकरण की विभागवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को लंबित शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में संतोषजनक प्रगति नहीं पाए जाने पर खैरलांजी तहसीलदार का वेतन रोकने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाएगी।

100 नक्सल प्रभावित गांवों में बढ़ाया जाएगा दुग्ध उत्पादन

कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे 100 गांवों में दुग्ध उत्पादन को गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने इन गांवों में दुग्ध उत्पादन की संभावनाओं को चिकित्सित करने के लिए नए मिल्क रूट निर्धारित करने की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इससे ग्रामीणों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी। बैठक में अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित लंबित मामलों में आवश्यक प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर पात्र आवेदकों को नियमानुसार नियुक्ति प्रदान करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने, जन शिकायतों के निराकरण और समय-सीमा के प्रकरणों के निपटारे में पूरी गंभीरता बरतें। आम नागरिकों को शासकीय कार्यालयों में अनावश्यक परेशानी न हो और उनकी समस्याओं का समय पर समाधान हो, यह सभी अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

अब रविवार को भी खुलेगा वारासिवनी मुख्य डाकघर का आधार सेवा केंद्र

प्रत्येक रविवार सुबह 8 से शाम 4 बजे तक मिलेगी आधार नामांकन एवं अपडेट की सुविधा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डाक विभाग ने महत्वपूर्ण पहल की है। अब वारासिवनी मुख्य डाकघर के आधार सेवा केंद्र में प्रत्येक रविवार को भी आधार संबंधी सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इस दौरान केंद्र सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक खुला रहेगा।

डाक विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, वारासिवनी मुख्य डाकघर अंतर्गत आधार सेवा केंद्र में प्रत्येक रविवार को आधार एनरोलमेंट एवं अपडेशन का कार्य किया जाएगा। इस सुविधा से नौकरीपेशा एवं व्यस्त नागरिकों को विशेष लाभ मिलेगा। अब उन्हें आधार संबंधी कार्यों के लिए कार्यदिवसों में समय निकालने की आवश्यकता नहीं होगी। डाक विभाग की इस पहल से क्षेत्र के नागरिकों को आधार संबंधी सेवाएं प्राप्त करने में सुविधा होगी। आमजन वारासिवनी मुख्य डाकघर पहुंचकर रविवार को भी उपलब्ध आधार सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय अधीक्षक डाकघर के दूरभाष नंबर 07632-247574 पर संपर्क किया जा सकता है।

सर्रा एवं आवा की मंडई में प्रशासनिक टीम ने किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में मंडई एवं मेलों के दौरान आम नागरिकों की सुरक्षित और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में लांजी तहसीलदार श्री संजय बारस्कर के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने 23 नवंबर को ग्राम सर्रा एवं आवा में आयोजित मंडई स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक टीम ने मंडई स्थल पर खाद्य सामग्री, पेयजल, स्वास्थ्य, विद्युत एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। संबंधित दुकानदारों एवं आयोजन से जुड़े लोगों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए, ताकि मंडई में आने वाले ग्रामीणों एवं आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। तहसीलदार श्री बारस्कर ने खाद्य सामग्री तैयार करने एवं विक्रय करने वाले दुकानदारों की विशेष रूप से स्वच्छता का ध्यान रखने तथा खाद्य पदार्थों में गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि खाद्य सामग्री तैयार करने में किसी भी स्थिति में एक्सपायरी डेट की सामग्री का उपयोग नहीं किया जाए। साथ ही खाद्य पदार्थों को सुरक्षित एवं स्वच्छ तरीके से तैयार कर विक्रय करने की हिदायत दी गई। प्रशासनिक टीम ने पेयजल, विद्युत एवं सुरक्षा व्यवस्था को भी दुरुस्त रखने तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रशासन का उद्देश्य मंडई में आने वाले लोगों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना और किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को रोकने के लिए आवश्यक सावधानियां सुनिश्चित करना है।

श्री गोपाल स्मृति एग्रो (प्रा.लि.) बालाघाट द्वारा उत्पादित 'जम्बूनीर' एडेड मिनरल (वाटर) बाटलिंग प्लांट के लिये वितरक नियुक्त किया जाना है जिस हेतु जिले के सभी तहसीलों से इच्छुक व्यापारी संपर्क करें।
कार्या. वार्ड नं. ३३
मोतीनगर, बालाघाट
संपर्क सूत्र
9425447638, 9770674420

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

धान खरीदी शुरू होने से पहले ही व्यवस्था पर हड़ताल का ताला ?

समर्थन मूल्य पर उपज बेचने खरीदी केंद्रों की राह देख रहे किसान, इधर सहकारी समिति कर्मचारियों ने खोला मोर्चा, वर्षों से लंबित करोड़ों के भुगतान और अन्य मांगों को लेकर महासंघ अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जनपद पंचायत के सामने शुरू किया धरना,की जमकर नारेबाजी, मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का किया ऐलान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में धान खरीदी का इंतजार कर रहे किसानों की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही है।एक ओर किसान अपनी मेहनत से तैयार धान की उपज को समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए खरीदी केंद्र शुरू होने की राह देख रहे हैं, वहीं दूसरी ओर धान उपार्जन व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी माने जाने वाले सहकारी समिति कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन की राह पर उतर आए हैं। मध्यप्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ के बैनर तले जिले के सहकारी समिति कर्मचारियों ने से लंबित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। कर्मचारियों ने जनपद पंचायत के सामने धरना प्रदर्शन करते हुए शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और स्पष्ट कर दिया कि जब तक उनकी वर्षों से लंबित मांगों का निराकरण नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं होगा।



समितियों में ताला जड़, हड़ताल पर बैठे कर्मचारी

धान खरीदी के ऐन पहले कर्मचारियों की इस हड़ताल ने किसी की उपार्जन व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। दरअसल, सहकारी समितियों के माध्यम से ही किसानों की धान खरीदी से जुड़ी महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं संचालित होती हैं। ऐसे में कर्मचारियों के काम बंद करने से खरीदी केंद्रों का संचालन प्रभावित होने की आशंका है। इसका सीधा खामियाजा उन किसानों को भुगतना पड़ सकता है, जो अपनी उपज बेचकर आर्थिक जरूरतों को पूरा करने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। पहले ही मौसम की मार, फसल में बीमारी और उत्पादन प्रभावित होने जैसी चुनौतियों से जूझ चुके किसानों के सामने अब धान बेचने को लेकर नई परेशानी खड़ी होती दिखाई दे रही है। हालांकि कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर आंदोलन को मजबूरी बता रहे हैं।

वर्षों से मांगों पर आश्वासन, अब आर-पार की लड़ाई

मध्यप्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ का कहना है कि समितियों के कर्मचारी लंबे समय से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर शासन और प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराते आ रहे हैं। इस संबंध में कई बार ज्ञापन सौंपे गए, अधिकारियों को पत्र लिखे गए और बैठकों के माध्यम से समस्याओं से अवगत कराया गया,लेकिन अब तक कर्मचारियों की समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। महासंघ के अनुसार, वर्ष 2021-22, 2022-23 और 2023-24 में समितियों द्वारा संपादित किए गए कार्यों का करोड़ों रुपये का भुगतान अब तक लंबित है। इसके अलावा वर्ष 2025-26 के उपार्जन कार्य का प्रासंगिक व्यय, कमीशन और डाटा ऑपरेटरों के वेतन का भुगतान भी नहीं किया गया है। कर्मचारियों का आरोप है कि शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं और उपार्जन व्यवस्था का संचालन समितियों के माध्यम से कराया जाता है, लेकिन जब भुगतान की बात आती है तो उनकी समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जाता है। यही वजह है कि अब कर्मचारियों ने आर-पार की लड़ाई लड़ने का निर्णय लिया है।

मोती गार्डन की बैठक के बाद कलेक्टर को सौंपा था ज्ञापन

ज्ञात हो कि हड़ताल से पहले मध्यप्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ द्वारा नगर के मोती गार्डन में आवश्यक बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में जिले की विभिन्न सहकारी समितियों से जुड़े पदाधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए थे। बैठक में लंबित भुगतान, कमीशन, डाटा ऑपरेटरों के वेतन सहित धान उपार्जन के दौरान आने वाली व्यवस्थागत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई थी। इसके बाद महासंघ की ओर से कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मांगों का शीघ्र निराकरण करने की मांग की गई थी। महासंघ ने प्रशासन को बताया था कि इस संबंध में पूर्व में 9 सितंबर, 15 अक्टूबर और 23 अक्टूबर को भी पत्राचार किया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई। कर्मचारियों का कहना था कि पूर्व में प्रशासन द्वारा 15 नवंबर 2026 तक समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया गया था। निर्धारित समय-सीमा गुजरने के बाद भी मांगें पूरी नहीं होने पर कर्मचारियों ने आंदोलन का रास्ता अपनाया गया है।

बारदाने से लेकर परिवहन तक, उपार्जन व्यवस्था पर उठाए सवाल

सहकारी समिति कर्मचारियों ने केवल लंबित भुगतान ही नहीं, बल्कि धान उपार्जन के दौरान सामने आने वाली व्यवस्थागत खामियों को लेकर भी नाराजगी जताई है। महासंघ का आरोप है कि खरीदी केंद्रों पर 40 किलोग्राम से कम वजन वाले बारदाने उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे खरीदी प्रक्रिया के दौरान कर्मचारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं खरीदी गई धान का परिवहन निर्धारित 72 घंटे के भीतर नहीं हो पाता। परिवहन में देरी के चलते खरीदी केंद्रों में धान का भंडारण बढ़ता जाता है और जगह की कमी सहित अन्य समस्याएं पैदा होती हैं। इसके अलावा धान की शर्टिंग होने पर उसकी वसूली कर्मचारियों से किए जाने पर भी महासंघ ने आपत्ति जताई है। कर्मचारियों का कहना है कि उपार्जन व्यवस्था में होने वाली खामियों और अव्यवस्थाओं की जिम्मेदारी कर्मचारियों पर डाल दी जाती है, जबकि व्यवस्थागत कमियों को दूर करने की दिशा में गंभीरता नहीं दिखाई जाती।

जनपद पंचायत के सामने धरना, मांगें पूरी होने तक आंदोलन

लंबे समय से लंबित मांगों का निराकरण नहीं होने के बाद सहकारी समिति कर्मचारियों ने सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है।कर्मचारियों ने जनपद पंचायत के सामने धरना प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी जाहिर की। इस दौरान शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। कर्मचारियों ने एकजुट होकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद करते हुए कहा कि वर्षों से काम करने के बावजूद उन्हें अपने ही कार्यों का भुगतान प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। महासंघ का स्पष्ट कहना है कि अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा। जब तक लंबित भुगतान सहित अन्य मांगों पर ठोस निर्णय लेकर उनका निराकरण नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

धान खरीदी पर संकट, केंद्रों तक उपज लेकर कैसे पहुंचेंगे किसान ?

जिले में धान खरीदी का सीजन किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। बालाघाट धान उत्पादन के लिए प्रदेश में अपनी अलग पहचान रखता है और बड़ी संख्या में किसान अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए सहकारी समितियों पर निर्भर रहते हैं। किसानों को उम्मीद रहती है कि खरीदी शुरू होते ही वे अपनी उपज बेचकर अगली फसल की तैयारी, कृषि ऋण और घरेलू जरूरतों को पूरा कर सकेंगे। लेकिन इस बार खरीदी शुरू होने के पहले ही सहकारी समिति कर्मचारियों की हड़ताल ने चिंता बढ़ा दी है। यदि कर्मचारियों का आंदोलन लंबा खिंचता है तो खरीदी केंद्रों पर पंजीयन, स्लाट बुकिंग कार्य, तौल, दस्तावेजी प्रक्रिया और अन्य कार्य प्रभावित हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। वहीं खुले बाजार में मजबूरी में कम कीमत पर धान बेचने की आशंका भी किसानों की चिंता बढ़ा सकती है।

प्रशासन के सामने दोहरी चुनौती

एक तरफ सहकारी समिति कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं, तो दूसरी तरफ किसानों को समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने का इंतजार है। ऐसे में जिला प्रशासन के सामने दोहरी चुनौती खड़ी हो गई है। प्रशासन को जहां कर्मचारियों की नाराजगी दूर कर उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेना होगा, वहीं दूसरी ओर धान खरीदी व्यवस्था को समय पर शुरू कराने की भी जिम्मेदारी है। यदि जल्द ही इस मामले में कोई समाधान नहीं निकलता है तो जिले के हजारों किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन कर्मचारियों की मांगों पर क्या रुख अपनाता है और धान खरीदी की शुरुआत से पहले इस गतिरोध को समाप्त करने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं। फिलहाल किसान समर्थन मूल्य पर अपनी उपज बेचने की राह देख रहे हैं और सहकारी समिति कर्मचारी अपनी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने के फैसले पर अड़े हुए हैं।

जिले के सरकारी स्कूलों में बालिकाओं को सिखाए जा रहे आत्मरक्षा के गुर

रानी लक्ष्मीबाई योजना के तहत माध्यमिक से हायर सेकेंडरी स्तर तक प्रशिक्षण शुरू, 77 ब्लैक बेल्ट कराटे प्रशिक्षकों का चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालिकाओं को शिक्षा के साथ आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने के उद्देश्य से जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालयों और हायर सेकेंडरी स्कूलों में आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। राज्य शिक्षा केंद्र और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के तहत रानी लक्ष्मीबाई योजना एवं स्वयं सिद्धा योजना के माध्यम से संचालित इस पहल में छात्राओं को विपरीत परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा करने के तरीके सिखाए जा रहे हैं। कक्षा छठवीं से आठवीं तथा कक्षा नौवीं से बारहवीं तक अध्ययनरत बालिकाओं को अलग-अलग स्तर पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके लिए जिला एवं विकासखंड स्तर पर चयनित प्रशिक्षकों को विद्यालयों में जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में आत्मरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ उनमें साहस, आत्मविश्वास और संकट के समय उचित निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना है। जिला शिक्षा केंद्र के जिला परियोजना अधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक के मार्गदर्शन में विकासखंड स्तर पर विकासखंड स्रोत समन्वयकों और विद्यालय प्राचार्यों के माध्यम से प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। इस वर्ष भी पिछले वर्षों की तरह विद्यालयों में नियमित पढ़ाई के साथ बालिकाओं को कराटे और आत्मरक्षा की तकनीकों का अभ्यास कराया जा रहा है। प्रशिक्षण के लिए ब्लैक बेल्ट धारक तथा राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पदक अर्जित कर चुके योग्य प्रशिक्षकों का चयन किया गया है। जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के माध्यम से जारी प्रशिक्षकों की सूची के अनुसार जिले में लगभग 77 ब्लैक बेल्ट कराटे प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण कार्य के लिए चयनित किया गया है। जिला खेल अधिकारी राहुल बरेसा के मार्गदर्शन में चयनित प्रशिक्षकों को विभिन्न शासकीय माध्यमिक विद्यालयों और हाई स्कूलों में प्रशिक्षण की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं स्वयं सिद्धा योजना के तहत मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जिले में पिछले तीन वर्षों से बड़ी संख्या में बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण देने का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य में जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के मार्गदर्शन में ब्लॉक युवा समन्वयक संतोष पारधी की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। विकासखंड कटंगी की शासकीय कन्या माध्यमिक शाला में ब्लॉक युवा समन्वयक संतोष पारधी के नेतृत्व और प्रधान पाठक एम. भलावी के मार्गदर्शन में लगभग 100 बालिकाएं आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। यहां प्रशिक्षिका विनीता उईके द्वारा छात्राओं को विभिन्न तकनीकों का अभ्यास कराया जा रहा है। इसी तरह लालबर्रा के शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा तथा शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल जाम में भी लगभग 100 बालिकाएं प्रशिक्षण ले रही हैं। यहां ब्लॉक युवा समन्वयक लव कुमार नागपुरे और विद्यालयों के प्राचार्यों के माध्यम से प्रशिक्षण गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसके अलावा शासकीय हाई स्कूल बिरसोला में कराटे प्रशिक्षक संतोष पारधी के नेतृत्व में प्रशिक्षिका डाली माहुरकर और नेहा झाड़े छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखा रही हैं। ग्राम गरा में प्रशिक्षिका विधि राउत, ग्राम चरेगांव में प्रशिक्षिका मोना तेलासकर और प्रशिक्षक शुभम मनेश्वर के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वहीं कुमारी हाई स्कूल तथा ग्राम समनापुर-उकवा में प्रशिक्षक अनिल सावनकर और जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग से जुड़ी उर्वशी चौधरी द्वारा बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। विद्यालयों में संचालित यह प्रशिक्षण केवल शारीरिक अभ्यास तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य छात्राओं को अपने प्रति सजग बनाना और किसी भी आपात परिस्थिति में घबराने के बजाय आत्मविश्वास के साथ उसका सामना करने के लिए तैयार करना है। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के माध्यम से बालिकाओं को आत्मरक्षा की बुनियादी तकनीकों का अभ्यास कराया जा रहा है। जिले के विभिन्न विकासखंडों में शुरू हुई इस पहल से छात्राओं को पढ़ाई के साथ अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक और सक्षम बनने का अवसर मिल रहा है।



श्री गुरु नानक देव जी का 557वॉ प्रकाश पर्व आज

फूलों से सजा गुरुद्वारा, आज शबद-कीर्तन से गूंजेगा शहर, पूर्व संध्या पर निकली कीर्तन रैली, गुरुद्वारे में बच्चों ने दी प्रस्तुतियां, पर्व विशेष पर सुबह से देर रात तक होंगे विभिन्न धार्मिक आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व मंगलवार, 24 नवंबर को नगर सहित जिले में श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। प्रकाश पर्व को लेकर पिछले कई दिनों से नगर में धार्मिक आयोजनों का सिलसिला जारी है।प्रतिदिन निकाली जा रही प्रभात फेरियों, शबद-कीर्तन और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से गुरु नानक देव जी के विचारों और उनके मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रकाश पर्व की पूर्व संध्या पर सोमवार को गुरुद्वारा साहिब में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया,वहीं मंगलवार को विशेष दीवान, अखंड पाठ साहिब, शबद-कीर्तन, अरदास और गुरु के अटूट लंगर सहित अनेक आयोजन होंगे। जहां सुबह से लेकर देर रात तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन कर पूर्ण श्रद्धा व निष्ठा के साथ प्रकाश पर्व का समापन किया जाएगा।

प्रभात फेरियों से बना रहा भक्तिमय माहौल

प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में 16 नवंबर से नगर के अलग-अलग क्षेत्रों में प्रभात फेरियां निकाली जा रही हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को भी प्रभात फेरी के माध्यम से श्रद्धालुओं ने गुरु नानक देव जी का स्मरण किया। इन प्रभात फेरियों में बड़ी संख्या में सिख समाज के महिला-पुरुष और बच्चे शामिल होकर भजन-कीर्तन करते हुए वाहे गुरु का जाप कर रहे हैं। जिससे नगर में पिछले कुछ दिनों से सुबह के समय धार्मिक उत्साह और भक्ति का वातावरण बना हुआ है।



पूर्व संध्या पर गुरुद्वारे में सजा धार्मिक दीवान

सोमवार शाम गुरुद्वारा साहिब में रहरास साहिब के पाठ के साथ शाम के दीवान की शुरुआत हुई। इसके बाद संगत द्वारा शबद-कीर्तन प्रस्तुत किए गए। जहां रागी जत्थे द्वारा कीर्तन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर गुरु नानक जी का अटूट लंगर लुटाया गया। वहीं बच्चों के लिए भी गुरु नानक देव जी के जीवन और शिक्षाओं पर आधारित धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें बच्चों ने पाठ, शबद-कीर्तन और गायन की प्रस्तुतियां दीं।

सुबह अमृत वेला से शुरू होंगे आयोजन, विशेष कीर्तन समागम भी

मंगलवार 24 नवंबर को प्रकाश पर्व के अवसर पर सुबह 4 बजे अमृत वेला से धार्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ होगा। सुबह 8 बजे श्री अखंड पाठ साहिब की संपूर्णता होगी।सवा 8 से 9:30 बजे तक शबद-कीर्तन किया जाएगा। इसके पश्चात सुबह 10:30 बजे से विशेष कीर्तन समागम आयोजित होगा। इसमें बालाघाट के हजूरी रागी जत्थे व बच्चों द्वारा भी शबद कीर्तन की प्रस्तुति दी जाएगी। दोपहर में दीवान की संपूर्णता के पश्चात चाय-नाश्ते की सेवा और गुरु का अटूट लंगर होगा।

शाम को दीवान, आरती और फूलों की वर्षा से होगा समापन

प्रकाश पर्व के दिन शाम 6 बजे से रहरास साहिब का पाठ, शाम 7 से 8 बजे तक संगत द्वारा शबद-कीर्तन तथा रात 8 से 9:30 बजे तक रागी जत्थे द्वारा कीर्तन किया जाएगा। इसके बाद रात 9:30 से 11 बजे तक पुन: रागी जत्थे द्वारा गुरबाणी कीर्तन होगा। रात 11:15 बजे आरती एवं फूलों की वर्षा के साथ धार्मिक कार्यक्रमों की संपूर्णता होगी। इसके पश्चात गुरु का अटूट लंगर बरताया जाएगा।

गुरु नानक देव जी का संदेश देता है समानता और मानवता की सीख

बताया गया कि गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन और उपदेशों के माध्यम से समाज को एकता, समानता, प्रेम, भाईचारे और मानव सेवा का संदेश दिया। उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता की सेवा करने की सीख दी। उनका संदेश ‘एक ओंकार सत नाम’ जपो, किरत करो और वंड छको’ आज भी समाज को सही दिशा दिखाता है। प्रकाश पर्व के अवसर पर आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों के माध्यम से गुरु महाराज के इन्हीं विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सेवादार व अन्य पदाधिकारियों सदस्यों द्वारा समस्त सामाजिक बंधुओं और धर्मप्रेमियों से प्रकाश पर्व के सभी आयोजनों में शामिल होकर गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

रिहायशी इलाके से गुजर रहे परिवर्तित मार्ग पर स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग

वार्ड क्रमांक 3 के रहवासियों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज निर्माण के चलते शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। इसके तहत वाहनों की आवाजाही के लिए वार्ड क्रमांक 3 से होते हुए बैहर चौकी की ओर जाने वाला परिवर्तित मार्ग निर्धारित किया गया है। अब इस मार्ग से लगातार वाहनों की आवाजाही होने के कारण आसपास के रहवासियों को दुर्घटना की आशंका सताने लगी है। रिहायशी क्षेत्र से गुजरने वाले इस मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग को लेकर 23 नवंबर को वार्डवासियों ने जिला कलेक्टर आदित्य सिंह के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में रहवासियों ने बताया कि रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के कारण परिवर्तित यातायात मार्ग वार्ड क्रमांक 3 के रिहायशी इलाके से होकर गुजर रहा है। इस मार्ग पर स्थानीय लोगों, बच्चों और बुजुर्गों की आवाजाही भी बनी रहती है। ऐसे में यदि वाहनों की रफ्तार नियंत्रित नहीं की गई तो कभी भी गंभीर दुर्घटना हो सकती है। वार्डवासियों ने आशंका जताई कि सड़क पर वाहनों का दबाव बढ़ने के साथ तेज गति से आवागमन होने पर किसी अप्रिय घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। इसलिए मार्ग पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करना जरूरी है। रहवासियों ने कलेक्टर से मांग की है कि बैहर चौकी की ओर जाने वाले इस परिवर्तित मार्ग पर तीन से चार स्थानों पर स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं, ताकि वाहन चालक रिहायशी क्षेत्र में धीमी गति से वाहन चलाएं। इसके साथ ही मार्ग का चौड़ीकरण भी कराया जाए, जिससे वाहनों के आवागमन में सुविधा हो और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। वार्डवासियों का कहना है कि ओवरब्रिज निर्माण के दौरान इस मार्ग का उपयोग बढ़ गया है, इसलिए प्रशासन को यातायात सुरक्षा के इंतजामों पर तत्काल ध्यान देना चाहिए। ज्ञापन सौंपने के दौरान लियाकत अली, नवाब शेख, आकिब मलिक, अबरार खान, फरहान खान, शरीफ शेख, नक्की शेख और अनवर सहित अन्य वार्डवासी उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशासन से जल्द आवश्यक कार्रवाई कर मार्ग पर स्पीड ब्रेकर निर्माण और सड़क चौड़ीकरण कराने की मांग की है।



आस-पास की खबरें

खमरिया में मृगनयनी छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खमरिया के बाजार चौक में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर सार्वजनिक कार्तिक पूर्णिमा मेला समिति के तत्वाधान में 24 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में सार्वजनिक कार्तिक पूर्णिमा मेला समिति खमरिया के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर खमरिया बाजार चौक में दिन-रात के मेले के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्तिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से मृगनयनी छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें गायक-गायिका एवं साथी कलाकारों के द्वारा सुमधुर स्वरों में छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील समिति अध्यक्ष अमित डहरवाल, उपाध्यक्ष लक्की चौहान, शिवदीप चोपड़े, संजय चौधरी, सचिव कैलाश सहारे, दुर्गेश चाकोले, शिवा खरोले, कोषाध्यक्ष अजय चाकोले, लक्की चौधरी, सोनू चौहान, सहसचिव योगेश केकती, अमित पुसाम, अनिल टेंभरे, संदेश डहरवाल, गुलाबसिंह चौधरी, लालचंद खरोले, शेखर चाकोले, पिंटू चौधरी, उमाशंकर सहारे, उमेश चौधरी, स्नेहिल वाघाड़े, संरक्षक सरपंच श्रीमती 'योति अनिल टेंभरे, उपसरपंच योगराज पटले, शिवप्रसाद शर्मा, नेतलाल चौहान, भोजराम वाघाड़े, राधेलाल गाते, टोलीराम रोकड़े, लोचनसिंह धुर्वे, अनुप पटले, डालीराम नागोसे, ज्ञानीराम पारधी, रामादिन डहरवाल, रमेश नागोसे, घनश्याम पुसाम, ज्ञानसिंह इड़पांचे, किरण मेश्राम, रामेश्वर चौरे, भवनेश पारधी, बाबूलाल येसने सहित अन्य ग्रामीणजनों ने की है।



रमपुरी में दिन-रात का मेला आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी. दूर ग्राम पंचायत रमपुरी में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर ग्राम स्थित स्कूल ग्राउण्ड में 24 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में सार्वजनिक मेला उत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया की प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर दिन-रात के मेले के अवसर पर क्षेत्रीयजनों के स्वस्थ मनोरंजन के लिए 24 नवंबर को रात 9 बजे से न्यू सोन तरिया छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील आयोजक समिति के पदाधिकारियों सहित ग्रामीणजनों ने की है।

सामाजिक एनीमेटरों(व्हीएसए)ने सीईओं को सौंपा ज्ञापन





बिना विज्ञापन, परीक्षा और साक्षात्कार के नई भर्ती कराने का आरोप, रोक लगाने की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

ग्राम पंचायतों में शासन की मनरेगा सहित अन्य योजनाओं के तहत होने वाले निर्माण कार्यों, स्कूलों में बन रहे मध्यान्ह भोजन सहित अन्य कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण (भौतिक, मौखिक सत्यापन तथा आय-व्यय दस्तावेजों का परीक्षण) करने वाले ग्राम सामाजिक एनीमेटरों (व्हीएसए) ने नई भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग को लेकर सोमवार को जनपद पंचायत कार्यालय पहुंचकर सीईओं को ज्ञापन सौंपा। वहीं मांगे पूरी नही होने पर धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। ज्ञापन के माध्यम से लालबर्रा विकासखंड में पदस्थ ग्राम सामाजिक एनीमेटरों ने जिला सामाजिक संपरीक्षा समिति जिला पंचायत बालाघाट पर गंभीर आरोप लगाये हैं। उनका कहना है कि विगत वर्षों से जमीनी स्तर पर कार्यरत अनुभवी मनरेगा एनीमेटरों की उपेक्षा की जा रही है। एनीमेटरों के अनुसार उन्हें न तो पूरे वर्ष नियमित रोजगार मिल पा रहा है और न ही वित्तीय वर्ष 2024-25 का मानदेय अभी तक प्राप्त हुआ है, इसके बावजूद बिना विज्ञापन, बिना परीक्षा और बिना साक्षात्कार के नये व्हीएसए के चिन्हांकन व भर्ती की प्रक्रिया चलाई जा रही है। वहीं एनीमेटरों ने यह भी आरोप लगाया कि वे पिछले 6 वर्षों से अधिक समय से शासन के निर्धारित मापदंडों के अनुरूप कार्य कर रहे हैं, लेकिन समय पर मानदेय नहीं मिल रहा है। अब बिना किसी पारदर्शी प्रक्रिया, विज्ञापन, परीक्षा या साक्षात्कार के सीधे मनोनयन किये जाने से मौजूदा अनुभवी और सक्रिय एनीमेटरों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। ग्राम सामाजिक एनीमेटरों (व्हीएसए) ने प्रशासन से नई भर्ती प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाये जाने, लंबित मानदेय का निराकरण किये जाने और वर्तमान में कार्यरत एनीमेटरों का भविष्य सुरक्षित किये जाने की मांग की है। साथ ही चेतावनी भी दी है कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्यवाही नहीं हुई और नई भर्ती नहीं रोकी गई, तो जिला स्तर पर सभी ग्राम सामाजिक एनीमेटर अनिश्चितकालीन हड़ताल एवं धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। जिसकी समस्त जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस अवसर पर ग्राम सामाजिक एनीमेटर (व्हीएसए) उपस्थित रहे।

नियम विरूध्द हो रही भर्ती - इंद्रिका

ग्राम सामाजिक एनीमेटर (व्हीएसए) श्रीमती इंद्रिका डोंगरवार ने बताया कि हम लोग 5-6 वर्षों से पंचायत में मनरेगा सहित अन्य योजना से होने वाले कार्यों का भौतिक, मौखिक सत्यापन तथा आय-व्यय दस्तावेजों का परीक्षण करने का कार्य करते आ रहे है और लालबर्रा विकासखण्ड में 14 लोगों की टीम कार्यरत है। इतने वर्षों के अनुभव के बावजूद हम लोगों को वर्ष भर काम नही मिल पा रहा है एवं समय पर मानदेय भी नही मिलता है। श्रीमती डोंगरवार ने बताया कि प्रशासन के द्वारा हम लोगों को वर्ष का काम न देने एवं भुगतान की समस्या के बीच बिना विज्ञापन, परीक्षा/साक्षात्कार के नई भर्ती की जा रही है जो गलत है। इस तरह से नियम विरूध्द ग्राम सामाजिक एनीमेटर की भर्ती की जा रही है, जिसका विरोध कर रहे है, हमारी मांग है कि पूर्व में नियुक्त लोगों से ही कार्य करवाये और वर्ष पर काम दे।

मांगे पूरी नही होने करेगें धरना प्रदर्शन - तेजेश्वरी

श्रीमती तेजेश्वरी बंसोड़ ने बताया कि ग्राम सामाजिक एनिमेटर के रूप में हम लोग कार्य कर रहे है, पूर्व में हम लोग कठिन परीक्षा उत्तीर्ण किये थे, उसके बाद हमारी नियुक्ति हुई है और हम लोग अपना कार्य ईमानदारी से करते है। लेकिन वर्षभर काम नही मिलता है एवं समय पर मानदेय भी नही मिलता है ऐसी स्थिति में जीविकापार्जन करने में परेशानी होती है। श्रीमती बंसोड़ ने बताया कि समग्र शिक्षा अभियान और पीएम आवास जैसी योजनाओं के ऑडिट होने वाले हैं, जिनमें शासन द्वारा एमएसडब्ल्यू फाइनल की डिग्री मांगी गई है, जो कुछ लोगों के पास है और पीएम आवास के संबंध में भोपाल जाकर भी चर्चा की गई थी। जहां संपरीक्षा समिति ने उन्हें ही लेने की बात कही थी, लेकिन इसके बावजूद भर्ती नहीं ली जा रही है और दूसरे नये व्हीएसए की भर्ती जिला सामाजिक संपरीक्षा समिति बालाघाट के द्वारा बिना विज्ञापन, परीक्षा/साक्षात्कार के भर्ती कर रही है, जिस पर रोक लगाने की मांग को लेकर सीईओं को ज्ञापन सौंपा गया है। हमारी मांग है कि इस भर्ती पर रोक लगाने एवं नियमानुसार भर्ती करें एवं पुराने एनीमेटर को यथावत रखे, उक्त मांगे पूरी नही होने पर धरना प्रदर्शन करने बाध्य होगें।

क्षेत्र में गुलाबी ठंड की हुई दस्तक

मार्केट में सज गई गर्म कपड़ों की दुकानें



पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में मौसम साफ होते ही गुलाबी ठंड की दस्तक हो चुकी है। वहीं धीरे-धीरे ठंड बढ़ने की बात कही जा रही है परन्तु वर्तमान समय में दोपहर के समय धुप लग रही है एवं शाम होते ही ठंड अपना असर दिखाना प्रारंभ कर रही है जो सुबह तक बनी रहती है। ठंड से बचने के लिए लोग गर्म कपड़ों का उपयोग करने लगे है और मार्केट में गर्म कपड़ों की भी दुकाने सज चुकी है। जहां क्षेत्रीयजन पहुंचकर गर्म कपड़ों की खरीदी भी कर रहे है एवं क्षेत्र में सुबह-शाम ठंड का अहसास भी हो रहा है। इस तरह क्षेत्र में गुलाबी ठंड ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है, ऐसे मौसम में दिन में दोपहर के समय को छोड़कर हल्की गुलाबी ठंड का अहसास हो रहा है। वहीं शाम के ढलने के बाद से ही ठंड अपना असर दिखाना प्रारंभ कर रही है। क्षेत्र में शाम होते ही शीतलहर के चलने से ठंड लगना प्रारंभ हो जाता है और ठंड से बचने के लिए लोग अब गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे है। आपको बता दे कि क्षेत्र में एक सप्ताह पूर्व ठंड का असर कम था लेकिन गत दिवस बे-मौसम बारिश होने के साथ ही बदलीनुमा मौसम बना रहता था किन्तु मौसम साफ होने के बाद धीरे-धीरे ठंड बढ़ने लगी है। ठंड के कारण लोग अब शाम के बाद गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे है। वहीं क्षेत्र में ठंड के असर को देखते हुए मार्केट में व्यापारियों द्वारा गर्म कपड़ों की दुकानें सजा ली गई है। जिसमें ऊनी, मखमली व अन्य वेरायटियों से निर्मित स्वेटर, टोपा, मफलर व जैकेट सहित गर्म कपड़े नई डिजाईनों में उपलब्ध है। जिन्हें लोगों के द्वारा अपनी आवश्यकताओं के अनुसार खरीदी की जायेगी। व्यापारियों की माने तो गर्म कपड़ों का बाजार अभी जोर नहीं पकड़ पाया है, आगामी 10-15 दिनों में ठंड पूरे शबाब पर रहेगी जिसके बाद गर्म कपड़ों की खरीददारी तेजी से होगी।

महाविद्यालय में तम्बाकू नियंत्रण पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन





पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सोमवार को नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में "तम्बाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान" एवं नशा मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत संयुक्त रूप से तम्बाकू नियंत्रण संबंधी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य सुमन बरवा की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ, जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को तम्बाकू के सेवन से होने वाले दुष्परिणाम के बारे में अवगत करवाते हुए लोगों को तम्बाकू नियंत्रण के प्रति जागरूक करने प्रेरित किया गया। वहीं महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य सुमन बरवा द्वारा नशा मुक्त की शपथ विद्यार्थियों को दिलाई गई। सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र डॉ. देवराज चौरे ने तम्बाकू एवं तम्बाकू उत्पादों के उपयोग पर प्रतिबंध संबंधी पालन सुनिश्चित करने का विद्यार्थियों से आव्हान किया। सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम ने विद्यार्थियों को छात्र जीवन पर पड़ने वाले नशे के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी देते हुए स्वस्थ जीवन शैली के लिए आवश्यक उपाय साझा किये।

कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती अनिभा शरणागत के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नरेश सीलखे, श्रीमती संध्या भलावे, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, डॉ. आशा कारे, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, वेंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, निशांत तलवरे, कु. सोनम हरिनखेड़े एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय की आवश्यक बैठक 25 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित जनपद पंचायत के सभाकक्ष में 25 नवंबर को दोपहर 2 बजे से इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय की आवश्यक बैठक आहुत की गई है। चर्चा में इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय के जिलाध्यक्ष डॉ. विरेन्द्रसिंह गहरवार ने बताया कि आयोजित बैठक में लालबर्रा क्षेत्र के ऐतिहासिक, पुरातात्विक महत्व के अवशेषों का अवलोकन सहित अन्य बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की जायेगी।

साथ ही यह भी बताया कि 31 दिसंबर के पूर्व लालबर्रा में बिखरे पुरातात्विक महत्व के अवशेषों का कार्य पूर्ण करना है, उसके उपरांत लालबर्रा के पुरातत्व स्थलों के संबंध में ज्ञानवर्धक पुस्तिका प्रकाशित कर 27 फरवरी 2027 को इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महाभव्य अनुष्ठान 25 वाँ (रजत जयंती) में विमोचित होगा। आयोजित बैठक में ऐतिहासिक पुरातात्विक महत्व के स्थलों के सरपंचों/सचिवों, ग्राम पंचायत खिर्री, रानीकुठार, मिरेगांव, बोरी, घटोलगांव, नेवरगांव (ला.), पाथरशाही सहित अन्य जनप्रतिनिधियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय के जिलाध्यक्ष डॉ. विरेन्द्रसिंह गहरवार, ब्लॉक प्रभारी अजय ठाकुर, सदस्य राजेश ब्रम्हे ने की है।

ब्लॉक मरार माली समाज की बैठक आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली निवासी, ब्लॉक मरार समाज लालबर्रा के सचिव डोंगरूलाल मानेश्वर के निवास स्थान में 24 नवंबर को दोपहर 1 बजे से मरार माली समाज ब्लॉक लालबर्रा की आवश्यक बैठक आहुत की गई है। चर्चा में ब्लॉक मरार माली समाज लालबर्रा अध्यक्ष कैलाश माले ने बताया कि बैठक में समाजोत्थान सहित समसामयिक की विभिन्न विषयों पर चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तैयार की जायेगी। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील ब्लॉक मरार माली समाज लालबर्रा अध्यक्ष कैलाश माले ने की है।

पलाकामथी में दिन-रात का मेला आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर स्थित ग्राम पलाकामथी में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर 24 नवंबर को भव्य मेले का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर मंदिर में हनुमान जी महाराज का बंधन व टीपूर, पूजा अर्चना, भजन कीर्तन किया जायेगा एवं रात 9 बजे से क्षेत्रीयजनों के मनोरंजन के लिए आंचलिक छत्तीसगढ़ी लोककला मंच मोर देश की माटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसके गायक-गायिका के द्वारा सुमधुर स्वरों में छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुती देगें। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

बेहरई में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया श्री सत्य सांई बाबा का जन्मोत्सव

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई में श्री सत्य सांई सेवा समिति के द्वारा 23 नवंबर को भगवान सत्य सांई बाबा का 101 वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। यह जन्मोत्सव को सात दिवसीय जन्म जयंती समारोह के रूप में मनाया गया और विविध धार्मिक कार्यक्रम भी संपन्न हुए। चर्चा में श्री सत्य सांई सेवा समिति बेहरई के पदाधिकारियों ने बताया कि परम संत पुट्टपर्थी के श्री सत्य सांई बाबा का जन्मदिन समारोह के अवसर पर विविध धार्मिक कर्यक्रम संपन्न हुए। साथ ही 23 नवंबर को सुबह से धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये एवं दोपहर में बाल विकास के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी गई तत्पश्चात बाबा के भजन-कीर्तन किया गया एवं श्री सत्य सांई बाबा के उपदेशों को बताया गया। इस दौरान भगवान सत्य सांई बाबा के चमत्कार एवं जीवन गाथा पर विस्तृत चर्चा भी की गई, जिससे भक्तों को उनके जीवन और शिक्षाओं को करीब से जानने का मौका मिला। जिसके बाद केक काटकर बाबा का 101 वां जन्मोत्सव मनाया गया तत्पश्चात महामंगल आरती के बाद भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर श्री सत्य सांई सेवा समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।



जनदर्शन कार्यक्रम में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे जनता की सुनेगी समस्या आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। बालाघाट विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 111 की विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे 24 नवंबर को लालबर्रा क्षेत्र का दौरा करेगी। चर्चा में विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती ने बताया कि 24 नवंबर को विश्राम गृह में दोपहर 2 बजे से जनदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसमें बालाघाट विधानसभा की विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे शामिल होकर क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनेंगी। जिसके पश्चात शाम 4 बजे वे ग्राम अतरी पहुंचेंगी, जहां लवकुश पांचे जी के निवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करेंगी। शाम 5 बजे विधायक श्रीमती मुंजारे ग्राम बांदरी में आयोजित मेले में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेगी। जहां वे वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने के साथ ही रूपसिंह उइके के निवास पर पहुंचकर उनके परिवारजनों से मिलेगी।




प्रो. प्रसन्न अवधिया
Mobile- 94251-19555
अवधिया ज्वेलर्स
उत्तम क्वालिटी के 22 कैरिट, 20 कैरिट सोने के जेवर के लिए प्रसिद्ध
पता.. बस स्टेंड बर्तन मार्केट लालबर्रा

खाना लेने जा रहे युवक को बाइक सवार दो युवकों ने मारपीट कर की लूट

खंडवा रोड पर सुराना राइस मिल के समीप हुई वारदात, मोबाइल और १००० रुपये लेकर फरार हुए बाईक सवार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के खंडवा रोड़ पर सुराना राइस मिल के समीप बाइक सवार दो अज्ञात युवकों के द्वारा एक युवक के साथ मारपीट कर लूट की वारदात को अंजाम देने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने युवक को रास्ते में रोककर उसके साथ मारपीट की और जेब में रखा आईफोन मोबाइल तथा एक हजार रुपये नगद छीनकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने वारासिवनी थाने एवं एसडीओपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है।



मशीन इंस्टालेशन का कार्य करने हरियाणा से आया है शुभम

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरियाणा के यमुनानगर जिले की तहसील जगाधरी निवासी २३ वर्षीय शुभम चौधरी पिता दिनेश चौधरी वर्तमान में वारासिवनी के वार्ड क्रमांक ८ स्थित खंडवा रोड़ पर निवास कर रहा है। वह खंडवा रोड़ स्थित पटेल इंडस्ट्रीज में प्लांट मशीन इंस्टालेशन का कार्य करने के लिए वारासिवनी आया हुआ है। शुभम के अनुसार २२ नवंबर की शाम करीब ६.३० बजे फैक्ट्री से छुट्टी होने के बाद वह अपने कमरे पर चला गया था। कुछ समय आराम करने के बाद रात लगभग ७.५० बजे वह होटल से खाना लाने के लिए अपनी स्कूटी से निकला था। इसी दौरान जब वह खंडवा रोड़ पर सुराना राइस मिल की बाउंड्री के समीप पहुंचा तभी वारासिवनी की ओर से बाइक पर सवार होकर आए दो अज्ञात युवकों ने उसकी स्कूटी के सामने अपनी बाइक खड़ी कर रास्ता रोक लिया। इसके बाद दोनों युवकों ने अचानक उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। शिकायत के मुताबिक आरोपियों ने शुभम को दो से चार मुक्के मारे और उसकी जेब में रखा आईफोन १३ मोबाइल तथा एक हजार रुपये नगद छीन लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी उसकी स्कूटी को धक्का देकर खंडवा रोड़ की ओर फरार हो गए। लूटे गए आईफोन १३ का रंग सफेद है तथा सीरियल नंबर जेएफ ५३७ सीवीएक्सजीक्यू भी पुलिस को उपलब्ध कराया है। ताकि मोबाइल की पहचान कर उसे बरामद करने में मदद मिल सके। घटना के बाद पीड़ित शुभम चौधरी ने २३ नवंबर को वारासिवनी थाने में उपस्थित होकर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध शिकायत प्रस्तुत की। उसने पुलिस से आरोपियों की पहचान कर उनके विरुद्ध उचित कार्यवाही करने तथा लूटे गए मोबाइल फोन को ट्रेस कर वापस दिलाने की मांग की है। नगर के व्यस्त मार्ग पर इस प्रकार युवक को रोककर मारपीट और लूट की घटना सामने आने से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

दो युवकों ने मेरे साथ मारपीट कर आईफोन और एक हजार रुपए छीन लिया-शुभम चौधरी

शुभम चौधरी ने बताया कि मैं हरियाणा का रहने वाला हूं खंडवा रोड़ पर मिल में मशीन इंस्टॉल करने के लिए आया हुआ हूं। खाना लेने के लिए मैं जा रहा था तभी दो बंदे मोटरसाइकिल से आए हो उन्होंने मेरे साथ मारपिट कर आईफोन १३ छीन कर रख लिया वहीं मेरे जेब से हजार रुपए छीन लिया। वह मौके से फरार हो गये मैं अकेला स्कूटी से जा रहा था उस समय गाड़ी सामने अड़ा कर मुझे इन्होंने रोका इसकी शिकायत एसडीओपी कार्यालय और थाना वारासिवनी में हमारे द्वारा की गई है। हम चाहते हैं कि हमें हमारी राशि और सामान वापस दिला कर अज्ञात व्यक्तियों पर कार्यवाही की जावें।

इनका कहना है

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि पीड़ित व्यक्ति के द्वारा थाने में शिकायत की गई है। जिसमें जांच की जा रही है अज्ञात व्यक्तियों का पता लगाने का प्रयास हो रहा है।

अनुप कुमार उइके
थाना प्रभारी वारासिवनी

मारपीट से हुई रमेश खरे की मौत, आरोपी गिरफ्तार

पेट में लात मारने से फट गई थी रमेश की किडनी,रक्तस्राव से हुई थी मौत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गर्रा में २० नवंबर को हुई मारपीट की घटना में ५५ वर्षीय रमेश खरे की मौत के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस की मर्ग जांच परिजनों एवं गवाहों के कथन तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर सामने आया है कि आरोपी ने रमेश खरे के पेट में लात मारकर गंभीर चोट पहुंचाई थी। इस हमले में मृतक की किडनी फट गई थी तथा शरीर के अन्य आंतरिक अंगों में रक्तस्राव होने के कारण उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने हत्या का अपराध दर्ज कर आरोपी रेखलाल राघड़े ४४ वर्ष को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय वारासिवनी में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।



यह था मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गर्रा के वार्ड क्रमांक १८ निवासी रमेश पिता मोतीलाल खरे ५५ वर्ष २० नवंबर को मारपीट की घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिसके बाद उनकी मृत्यु हो गई थी। घटना की सूचना मिलने पर रामपायली पुलिस ने तत्काल मर्ग कायम कर मामले की जांच प्रारंभ की थी। शुरुआती दौर में मृतक के परिजनों ने पड़ोसी रेखलाल राघड़े एवं उसके परिवार के सदस्यों पर घर पर घुसकर रमेश खरे और उनकी पत्नी के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने खोला मौत का राज

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बालाघाट मलय जैन के निर्देश पर हत्या के प्रकरण में त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इसके बाद रामपायली पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण करने के साथ परिजनों एवं गवाहों के बयान दर्ज किए तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट का बारीकी से परीक्षण किया। जांच में सामने आया कि आरोपी रेखलाल राघड़े ने मृतक रमेश खरे के साथ मारपीट करते हुए उसके पेट में लात मारी थी। जिससे मृतक की किडनी फट गई और शरीर के अन्य आंतरिक अंगों में रक्तस्राव होने के चलते उसकी मौत हो गई।

मर्ग जांच में हुआ हत्या का खुलासा आरोपी गिरफ्तार

मर्ग जांच में हत्या का अपराध घटित होना पाए जाने पर रामपायली थाने में अपराध क्रमांक ३९६/२०२६ भारतीय न्याय संहिता की धारा १०३.१ के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में त्वरित कार्यवाही करते हुए ग्राम गर्रा निवासी आरोपी रेखलाल राघड़े ४४ वर्ष को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को विधिवत न्यायालय वारासिवनी के समक्ष पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

जहां मंदिर होता है वहां संस्कार होते है-प्रदीप जायसवाल

घुबड़गोंदी के आनंदपुर में भगवान श्री राधा कृष्ण मंदिर में हुई कलश स्थापना

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत घुबड़गोंदी के आनंदपुर में रविवार को आस्था भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। ग्राम में नवनिर्मित भगवान श्री राधा.कृष्ण मंदिर में विधि विधान पूर्वक कलश स्थापना का कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह से ही भजन कीर्तन एवं मंत्रोच्चारण के साथ हुई। गांव की महिलाओं ने मंगल कलश लेकर कलश यात्रा निकाली। ढोल नगाड़ों,शंखनाद और राधे राधे के जयकारों से पूरा गांव भक्तिमय हो गया। पंडितों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान श्री राधा कृष्ण की प्रतिमा का पूजन अर्चन किया गया। इसके बाद मंदिर के शिखर पर विधि विधान पूर्वक कलश स्थापना की गई। कलश स्थापना होते ही श्रद्धालुओं ने जय श्री कृष्णाएराधे राधे के जोरदार जयकारे लगाए। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने मंदिर में पहुंचकर भगवान श्री राधा कृष्ण की पूजा अर्चना की। उन्होंने भगवान के चरणों में शीश नवाया और समस्त ग्राम एवं क्षेत्रवासियों के सुख,शांति,समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि भगवान की कृपा से हमारा क्षेत्र हमेशा आगे बढ़े,हर घर में सुख समृद्धि आए,किसानों की फसल अच्छी हो युवाओं को रोजगार मिले। श्री जायसवाल ने कहा मंदिर सिर्फ ईंट पत्थर की इमारत नहीं होती मंदिर गांव की आत्मा होती है। जहां मंदिर होता है,वहां संस्कार होते हैं वहां एकता होती है वहां भाईचारा होता है। धर्म के साथ साथ विकास भी जरुरी है। हमारा काम है जनसेवा और विकास। क्षेत्र के हर गांव में मंदिर के साथ साथ अच्छी सड़क पानी बिजली और हर सुविधा पहुंचाना। इस अवसर पर विनय सुराना, नरेन्द्र साहू,हेमंत ठकरेले,राजकुमार कावरे, रामदयाल सेन्दे,सुरेंद्र सहारे,प्रकाश कावरे,कुँवरलाल सेन्दे, बिसनलाल सेन्दे, रमेश भगत, राजेश अग्रवाल, पवनसुत भगत, चेतन भगत, दिनेश बिसेन, चंद्रप्रकाश सोनवानी, लेखचन्द भगत, संतोष सेन्दे,सूरज सेन्दे उपस्थित रहे।



नाबालिग शौक से या फिर मजबूरी में मोटर साइकिल से पहुंच रहे शाला

शाला प्रबंधन और पुलिस विभाग खामोश





पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। खैरलांजी सांदीपनि स्कूल के नाबालिग विद्यार्थियों के द्वारा बेजा मोटरसाइकिल का इस्तेमाल किया जा रहा है। शाला आने जाने में यह नाबालिग छात्र छात्राएं रोजाना स्कूटी और बाईक लेकर शाला पहुंच रहे है, जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। स्कूल प्रबंधन यह बोलकर कि बच्चे मोटरसाइकिल स्कूल लेकर नही आते वह लोग बाइक बाहर किसी और लोगों के यहां खड़ी रखते है। जिससे यह कुछ नही कर सकते इस संबंध में प्रबंधन के द्वारा पालकों और बच्चों को भी चेतावनी दी गई है लेकिन ना बच्चे समझ पा रहे है और ना पालकों के द्वारा बच्चों को समझाया जा रहा है।

स्कुल आते जाते समय दुर्घटना होने की बनी रहती है आशंका

नाबालिग बच्चों के हाथ में फर्राटा भरती बाईक कभी भी बच्चों के साथ आम लोगों के लिए दर्दनाक हादसे के लिए जिम्मेदार हो सकती है। जिस पर पुलिस विभाग और शाला प्रबंधन की गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है, जिन लोगों के घर या दुकान में बाइक रखी जाती है उनको भी समझाने की आवश्यकता है कि वह अपने यहां मोटरसाइकिल खड़ी ना करने दे। जिससे कि कोई भी उनके यहां बिना उनके अनुमति से गाड़ी ना खड़ी कर पाए,बच्चों के माता पिता को भी चाहिए कि वह अपने बच्चों की गाड़ी की चाबी ना दे और उन्हें सायकिल से आने के लिए प्रेरित करें। पुलिस ऐसे बच्चों के पालकों को बुलाकर चेतावनी देकर छोड़ सकती है,हालांकि प्रशासन की ओर से वाहन की सुविधा नही होने के कारण बच्चों को आने जाने में दिक्कतें होती है। शाला से गांव की दूरी अधिक होने के कारण मजबूरी में बच्चे बाइक लेकर शाला पहुंच रहे है,कुछ बच्चे तो स्थानीय होने के बाद भी मोटरसाइकिल से शाला पहुंच रहे है जिसे ठीक नही कहा जा सकता। शाला आते जाते समय ऐसे बच्चों को आसानी से तेज गति से मोटरसाइकिल चलाते देखा जा सकता है।

इनका कहना है

हमारे द्वारा इस संबंध में पालकों को मोटरसाइकिल के नंबर देकर उन्हें समझाने का प्रयास किया गया है। पुलिस को भी लिखित में थाने जाकर सूचना दी गई है इसके बाद भी कोई सुधार नही हुआ है। पुलिस पालकों को बुलाकर चेतावनी देकर छोड़ सकती है जिससे की बच्चों की कार्यप्रणाली में सुधार आ सके।

शैलेन्द्र कुमार सहारे
प्रभारी प्राचार्य शासकीय सांदीपनि स्कूल खैरलांजी

जूनियर गोविंदा ,अभिताभ बच्चन और अनिल कपूर के साथ झूमे विधायक पटेल

खैरलांजी मंडई में पहुंचे जूनियर कलाकार



पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। दीपावली के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में मंडई मेलो का दौर प्रारंभ हो जाता है। मंडई में सम्मितियों द्वारा मनोरंजन के लिए विभिन्न आयोजन किए जा रहे है। इसी के तहत खैरलांजी की पारंपरिक मंडई में दर्शकों के मनोरंजन के लिए जूनियर गोविंदा, अभिताभ बच्चन और अनिल कपूर का आगमन हुआ। जूनियर गोविंदा ने हिट फिल्मी गानों और डायलॉग्स पर डांस कर दर्शकों का मनोरंजन किया। वहीं जूनियर अनिल कपूर ने अपने प्रसिद्ध डायलॉग्स,डांस और मिमिक्री से मंडई की रौनक बढ़ाते रहें। वहीं जूनियर गोविंदा ने स्टेज पर विधायक विवेक पटेल को बम बम बम बंबई,बंबई हमको जम गई,वन टू का फोर,फोर टू का वन मेरा नाम है लखन गानो पर जमकर नचाया। वहीं क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल ने भी मंच पर जूनियर गोविंदा,अभिताभ बच्चन और अनिल कपूर के साथ जमकर नृत्य किया। इस कार्यक्रम को देखने खैरलांजी सहित आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंचे थे। इस दौरान खैरलांजी जनपद उपाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद लिल्हारे,जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मधु शुक्ला,ब्लाक अध्यक्ष तेजराम नगपुरे,पूर्व जनपद अध्यक्ष फेकनलाल डोहरे,पूर्व जिला पंचायत सदस्य गोकुलप्रसाद गौतम, नरेंद्र राहंगडाले, राजकुमार चौधरी, सोनू पटले, विकास कुंपगए,संजय दमाहे सहित ग्रामवासी मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि जिस ग्राम में शांति का माहौल रहता है वहां विकास कार्य की कभी कमी नहीं होती है। खैरलांजी में विकास कार्य लगातार हो रहे है, किसी के बहकावे में नहीं आना है ग्राम में क्या विकास कार्य हो रहे है क्षेत्र की जनता को दिखाई दे रहा है। शराब पीने और पिलाने वालो से हमेशा दूर रहे, मंडई का मतलब ही है गांव में भाई.चारा बना रहे, मंडई हम सबको मिलता है। पिछले वर्ष भी इसी स्थान पर जूनियर गोविंदा का आगमन हुआ था, हमारा क्षेत्र किसानों का क्षेत्र है प्रदेश में सबसे ज्यादा मेहनती किसान हमारे जिले है अगर किसानों की फसल खराब होती है तो किसानों को मुआवजा की आस सरकार से होती है। मगर भाजपा सरकार किसानो के साथ नहीं है ये सिर्फ झूठा वादा करती है,मेरा सबसे ज्यादा ध्यान शिक्षा और चिकित्सा की ओर है। जब हमारे गांव का हर व्यक्ति शिक्षित होगा तभी हमारे गांव का विकास होगा। जब ग्राम में हॉस्पिटल के साथ डॉक्टर होंगे तभी स्वास्थ्य का स्तर ठीक होगा। विधायक कोई भी हो क्षेत्र का विकास कार्य कभी थमता नहीं हैं,विधायक चाहे सत्ता का हो या विपक्ष का विकास कार्य करवाने की मंशा होनी चाहिए।

क्षेत्र के हर गांव तक सड़क पानी बिजली और हर सुविधा पहुंचाना ही हमारी प्राथमिकता है-प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी क्षेत्र के विकास की एक और बड़ी सौगात ग्राम लोधीटोला मेंडकी को मिली है। लोधीटोला से वारासिवनी तक का मार्ग अब सीधा हो चुका है जिससे क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। वर्षों से इस मार्ग की मांग क्षेत्रवासियों द्वारा की जा रही थी जो अब पूरी हुई है। लोधीटोला में मां वैष्णवी नवयुवक मंडल लोधीटोला की ओर से आयोजित दुग्धम शायरी कार्यक्रम जिसमें न्यू बजरंग पार्टी बलीपाट टोला मेंगझरी एवं ओम सत्यवाणी शारदा महिला मंडल कटंगी की पार्टियों के बीच मुकाबला देखा गया। इस कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि लोधीटोला से वारासिवनी तक सीधा मार्ग बन जाने से अब ग्रामीणों को घूमकर नहीं जाना पड़ेगा। विद्यार्थियों को स्कूल कॉलेज जाने में किसानों को मंडी तक उपज ले जाने में और मरीजों को अस्पताल पहुंचने में अब काफी आसानी होगी समय और पैसा दोनों की बचत होगी। श्री जायसवाल ने कहा कि यह हमारा काम है जनसेवा और विकास हम राजनीति नहीं सेवा करने आए हैं। क्षेत्र के हर गांव तक अच्छी सड़क पानी बिजली और हर सुविधा पहुंचना ही हमारी प्राथमिकता है। लोधीटोला वारासिवनी मार्ग उसी विकास की कड़ी है। श्री जायसवाल ने कहा कि दीपावली का पावन पर्व और मंडई मेला हमारी संस्कृति परंपरा और आपसी प्रेम का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से गांव में एकता,भाईचारा और आपसी सहयोग की भावना मजबूत होती है। उन्होंने आयोजक समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि ऐसे धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को हमेशा बढ़ावा मिलना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व जनपद अध्यक्ष चिंतामन नगपुरे,पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मेघा बिसेन, सचिन बिसेन, श्रीमती सावित्री लक्ष्मी नारायण कुंडाम,किशोर बिसेन,नोखलाल बिसेन, श्रीमती सरिता मोहारे,रामप्रसाद मोहारे,सिद्धांत मोहारे,प्रदुम्न मोहारे ,लोकेश लिल्हारे,चित्रसेन मोहारे,मुखलाल मोहारे,गंभीर सुलाखे,संतोष लिल्हारे,दुर्गेश नगपुरे,रुकेश नगपुरे, प्रदुम्न उपवंशी, पंचसुत दमाहे,संपत उपवंशी,राजेन्द्र बघेले,पवन मोहारे, कृपाल मोहारे,मोहेंद्र मोहारे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।



कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भरोसे शासन? गलती मशीन की, भुगतेगा नागरिक!

सरकारें आज तकनीक के सहारे तेज, पारदर्शी और प्रभावी शासन का दावा कर रही हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को प्रशासनिक सुधार, जनसेवा और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया औजार बताया जा रहा है। सरकारी कार्यालयों में नागरिकों के प्रश्नों के उत्तर देने से लेकर योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान, शिकायतों के विश्लेषण और निर्णय प्रक्रिया तक एआई का प्रवेश तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन तकनीक के चमकदार प्रचार के बीच एक बुनियादी सवाल दबता जा रहा है—यदि मशीन गलत निर्णय देगी, तो नागरिक न्याय के लिए किस दरवाजे पर दस्तक देगा? शासन में एआई का प्रयोग सुविधा का विषय जरूर है, लेकिन इसे जवाबदेही से मुक्त प्रयोगशाला नहीं बनाया जा सकता। जनरेटिव एआई की सबसे खतरनाक प्रवृत्ति यह है कि वह गलत जानकारी भी पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत कर सकता है। वह ऐसे नियम, तथ्य, आँकड़े या फाइलें बना सकता है, जो वास्तविकता में मौजूद ही न हों। आम नागरिक मशीन के उत्तर को सरकारी प्रमाणिकता समझ सकता है। यदि किसी वृद्ध व्यक्ति की पेंशन की पात्रता गलत बता दी जाए, किसी विद्यार्थी को छात्रवृत्ति के संबंध में भ्रमित कर दिया जाए या किसी किसान को सरकारी योजना की गलत जानकारी मिल जाए, तो नुकसान केवल तकनीकी त्रुटि नहीं रह जाता; वह नागरिक के अधिकार पर चोट बन जाता है। सरकार के लिए एआई की गलती एक आँकड़ा हो सकती है, लेकिन नागरिक के लिए वह भूख, आर्थिक संकट, अवसर की हानि और निराशा बन सकती है। विडंबना यह है कि सरकारी व्यवस्था में पहले से मौजूद मानवीय लापरवाही, अस्पष्ट नियम और लालफीताशाही को यदि बिना सुधार लिए एआई के हवाले कर दिया जाए, तो समस्या समाप्त नहीं होगी, बल्कि उसका डिजिटल विस्तार हो जाएगा। गलत व्यवस्था को मशीन से चलाने पर वह सही व्यवस्था नहीं बन जाती। यदि पुराना डेटा भेदभावपूर्ण है, तो एआई उसी भेदभाव को नए रूप में आगे बढ़ा सकता है। यदि प्रशासनिक सोच नागरिकों के प्रति संवेदनशील नहीं है, तो तकनीक संवेदनशीलता पैदा नहीं कर सकती। मशीन के पास गति हो सकती है, लेकिन न्यायबोध, सामाजिक अनुभव और मानवीय विवेक का विकल्प नहीं। एल्गोरिदिक पक्षपात शासन के लिए गंभीर खतरा है। भारत जैसे विविधतापूर्ण समाज में जाति, वर्ग, लिंग, क्षेत्र, भाषा और आर्थिक स्थिति से जुड़ी असमानताएँ पहले से मौजूद हैं। यदि इन्हीं असमानताओं से प्रभावित आँकड़ों के आधार पर एआई निर्णय लेने लगे, तो वंचित नागरिकों के साथ भेदभाव और अधिक अदृश्य हो सकता है। पहले अन्याय का चेहरा दिखाई देता था, अब वह गणना और तकनीकी प्रक्रिया के पीछे छिप सकता है। किसी व्यक्ति को योजना से बाहर कर दिया जाए और कारण केवल यह बताया जाए कि प्रणाली ने उसे योग्य नहीं पाया, तो यह आधुनिक प्रशासन नहीं, डिजिटल निरंकुशता का नया रूप होगा। निजता के मामले में भी सरकारों को आत्मसंयम करना चाहिए। नागरिक पहले ही अपनी पहचान, बैंक खाते, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य विवरण अनेक सरकारी प्रणालियों में उपलब्ध करा चुके हैं। क्या अब इन जानकारियों को एआई प्रशिक्षण और विश्लेषण के नाम पर अनियंत्रित रूप से इस्तेमाल किया जाएगा? क्या नागरिक की जानकारी पर सरकार का अधिकार असीमित है? डेटा सुरक्षा केवल तकनीकी व्यवस्था का प्रश्न नहीं, नागरिक की गरिमा और स्वतंत्रता का प्रश्न है। यदि संवेदनशील जानकारी लीक होती है, तो उसकी जिम्मेदारी केवल किसी सर्वर या सॉफ्टवेयर पर डालकर समाप्त नहीं की जा सकती।

कैग की रिपोर्टों ने खोली सरकारी व्यवस्था की परतें

वैधिक स्तरपर भारत में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) केवल एक सरकारी संस्था नहीं,बल्कि करोड़ों उपभोक्ताओं के विश्वास का प्रतीक है किसी वस्तु पर आईएसआई का चिह्न हो अथवा सोने के आभूषण पर हॉलमार्क, सामान्य ग्राहक इसे गुणवत्ता और शुद्धता की सरकारी कसौटी मानकर खरीदारी करताहै।विशेषकर भारत जैसे देश में, जहां सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि पारिवारिक बचत,सामाजिक प्रतिष्ठा और आर्थिक सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण आधार है, वहां हॉलमार्क की विश्वसनीयता का महत्व और बढ़ जाता है। लेकिन जब गुणवत्ता की निगरानी करने वाली संस्था की अपनी निगरानी व्यवस्था पर ही सवाल उठने लगें, तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं,बल्कि उपभोक्ता विश्वास और सरकारी जवाबदेही से जुड़ा गंभीर विषय बन जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि इसी संदर्भ में नवंबर 2026 के मध्य में सामने आई भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की एक प्रारूप अनुपालन लेखापरीक्षा रिपोर्ट ने देश के सोना-चांदी और आभूषण बाजार में हलचल पैदा कर दी है। रिपोर्ट का शीर्षक सब्जेक्ट स्पेसिफिक कम्पलायंस ऑडिट ऑन स्टैण्डर्डाइजेशन एंड अदर रिलेटेड एक्टिविटीज बाई बीआईएस बताया गया है।इसलिए मीडिया रिपोर्टों के अनुसार,यह प्रारूप रिपोर्ट 17 नवंबर 2026 के आसपास सार्वजनिक चर्चा में आई, लेकिन इसे संसद में विधिवत प्रस्तुत अंतिम कैग रिपोर्ट समझना उचित नहीं होगा।मंत्रालय की प्रतिक्रिया और अंतिम रिपोर्ट की संसदीय प्रक्रिया अलग विषय हैं।इसलिए इसके निष्कर्षों को प्रारूप लेखापरीक्षा के निष्कर्षों के रूप में ही देखना चाहिए। हॉलमार्क की विश्वसनीयता पर केंग का सबालत80 प्रतिशत से अधिक ज्वैलर्स की जांच नहीं,एएसबी केंद्रों के 43.7 प्रतिशत निरीक्षण अधूरे! साथियों बात अगर हम ज्वैलर्स प्रतिष्ठानों की पांच वर्षों की निगरानी में बड़ी चूक 28,865 में से केवल 5,444 दुकानों की जांच को समझने की करें तो,प्रारूप कैग रिपोर्ट से संबंधित मीडिया में प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में 28,865 लाइसेंसधारी ज्वेलर्स के मुकाबले केवल 5,444 दुकानों का निरीक्षण किया गया। इसका अर्थ है कि लगभग 18.86 प्रतिशत दुकानों की ही जांच हो सकी,जबकि करीब 81.14 प्रतिशत दुकानों का निरीक्षण नहीं हुआ। यह स्थिति उस समय और चिंताजनक हो जाती है,जब बीआईएस के नियमों के तहत पंजीकृत ज्वेलर्स को नियमित निगरानी अपेक्षित है।ग्राहक जिस हॉलमार्क को सरकारी गुणवत्ता नियंत्रण का प्रमाण मानता है,उसकी बाजार में वास्तविक स्थिति की जांच ही पर्याप्त स्तर पर नहीं हो रही हो,तो उपभोक्ता संरक्षण का उद्देश्य कमजोर पड़ना स्वाभाविक है।यहां एक महत्वपूर्ण तथ्यात्मक अंतर भी समझना जरूरी है।देशभर में बीआईएस के साथ पंजीकृत ज्वेलर्स की कुल संख्या और किसी विशेष वर्ष में निरीक्षण के लिए निर्धारित लाइसेंसधारी दुकानों की संख्या अलग- अलग आंकड़े हैं। नवंबर 2026 में सरकारी जानकारीके अनुसार पंजीकृत सक्रिय ज्वेलर्स की संख्या 2,36,624 तक पहुंच चुकी थी। इसलिए 28,865 और 5,444 के आंकड़ों को पूरे देश के सभी पंजीकृत ज्वेलर्स का कुल आंकड़ा बताना उचित नहीं होगा। फिर भी उपलब्ध प्रारूप ऑडिट संबंधी आंकड़े निगरानी व्यवस्था की गंभीरता से समीक्षा की सटीकता से मांग करते हैं। साथियों बात अगर हम एएसबी केंद्रों की निगरानी में 43.7 प्रतिशत की कमी> शुद्धता प्रमाणित करने वाली व्यवस्था पर सवाल की समझने की करें तो,सोने की हॉलमार्किंग व्यवस्था में असेइंग एंड हॉलमार्किंग केंद्र (एएचसी) अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन्हीं केंद्रों पर आभूषणों की शुद्धता और निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्ता की जांच की जाती है तथा प्रत्येक हॉलमार्क किए गए आभूषण को छह अंकों का विशिष्ट पहचान नंबर यानी एचयूआईडी दिया जाता है। लेकिन कैग के प्रारूप ऑडिट संबंधी मोहिया विवरण के अनुसार,चार क्षेत्रीय कार्यालयों में निर्धारित 5,020 सर्विलांस ऑडिट के मुकाबले केवल 2,826 ऑडिट किए गए। अर्थात 2,194 निरीक्षण नहीं हुए और निर्धारित लक्ष्य का लगभग 43.7 प्रतिशत हिस्सा अधूरा रहा।इसका अर्थ यह नहीं है कि जिन आभूषणों की जांच नहीं हुई, वे सभी अशुद्ध हैं। लेकिन निगरानी की कमी से अनियमितताओं का पता लगाने और दोषियों के विरुद्ध समय पर कार्रवाई करने की क्षमता प्रभावित होती है। इसलिए एएचसी की जवाबदेही प्रयोगशालाओं की विश्वसनीयता और एचयूआई डी प्रणाली की स्वतंत्र जांच अत्यंत आवश्यक है। साथियों बात कर हम कर्मचारियों की कमी का तर्कप्रस्तुत करें तो प्रशासनिक कठिनाइयां उपभोक्ता अधिकारों से बड़ी हैं? इसको समझने की करें तो,कैग के सवालों पर बीआईएस की ओर से कर्मचारियों की कमी,दूरदराज के क्षेत्रों में पहुंचने की कठिनाइयों तथा नमूने एकत्र करने की व्यावहारिक समस्याओं का हवाला दिए जाने की बात सामने आई है।लेकिन लेखापरीक्षा का मूल प्रश्न यह है कि जब किसी संस्था को देशभर में बीआईएस के साथ पंजीकृत ज्वेलर्स की कुल संख्या और किसी विशेष वर्ष में निरीक्षण के लिए निर्धारित लाइसेंसधारी दुकानों की संख्या अलग- अलग आंकड़े हैं।तलसय तथ्य यह है कि बीआईएस की वार्षिक 2026 की कार्यकारी समिति की कार्यवाही में स्वयं यह स्वीकार किया गया कि लगभग 2.3 लाख पंजीकृत ज्वेलर्स की प्रभावी निगरानी के लिए मौजूदा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है।इसमें 100 बीआईएस हॉलमार्किंग प्रतिनिधियों की स्वीकृत संख्या के मुकाबले कुल 150 प्रतिनिधियों की नियुक्ति का प्रस्ताव रखा गया, जिसे कार्यकारी समिति ने मंजूरी दी। यह कदम स्वागतयोग्य है, लेकिन अब इसकी वास्तविक नियुक्ति, क्षेत्रवार तैनाती और निरीक्षण परिणामों की सार्वजनिक जानकारी भी सामने आनी चाहिए। साथियों बात अगर हम रेलवे से लेकर छात्रवृत्ति और पर्यावरण तककैग की दूसरी रिपोर्ट भी चेतावनी दे रही है इसको समझने की करें तो बीआईएस की निगरानी में सामने आई कमियों की किसी एक विधान की अलग- थलग प्रशासनिक समस्या मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले कुछ समय में कैग की विभिन्न रिपोर्टों में अनेक क्षेत्रों में मानकों, नियमों और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित गंभीर कमियां सामने आई हैं।पहला उदाहरण भारतीय रेलवे का है। कैग की रिपोर्ट संख्या 31, वर्ष 2026, 12 अगस्त 2026 को संसद में प्रस्तुत की गई। इसमें देश के 16 रेलवे जोनों के 512 गैर-उपनगरीय रेलवे स्टेशनों का परीक्षण किया गया। इनमें से 458 स्टेशन, अर्थात 89 प्रतिशत से अधिक, न्यूनतम आवश्यक यात्री सुविधाओं के एक या अधिक मानकों पर खरे नहीं उतरे।पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, प्लेटफॉर्म शेड,पंखे और अन्य सुविधाओं में कमियां पाई गईं।इतना ही नहीं, 2019-20 से 2023- 24 के बीच जोंचे गए 395 यात्री सुविधा कार्यों में 59 प्रतिशत कार्य निर्धारित समय से पिलंबित पाए गए। पेयजल के नमूनों में ई-कोलाई सहित बैक्टीरिया की मौजूदगी और पानी की गुणवत्ता जांच में कमियां भी दर्ज की गईं। यह केवल यात्री सुविधा का प्रश्न नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और जीवन की सुरक्षा का विषय है।इस रेलवे रिपोर्ट को लेकर 16 नवंबर 2026 को सर्वोच्च न्यायालय में भी मामला पहुंचा। माननीय तीन जजों की पीठ ने यात्री सुविधाओं,स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल से संबंधित शिकायतों को महत्वपूर्ण सार्वजनिक हित का विषय मानते हुए न्यायालय ने याचिका कर्ता को संबंधितअधिकारियों के समक्ष अपना प्रतिवेदन आगे कहने तथा अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने का निर्देश दिया। हालांकि, इसे केग की सभी सिफारिशों के पालन का सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया व्यापक आदेश बताना सही नहीं होगा। साथियों,दूसरा उदाहरण सरकारी स्मारकों के संरक्षण का है। कैग की रिपोर्ट संख्या 36, वर्ष 2025, 30 मार्च 2026 को संसद में रखी गई। इसमें उत्तर प्रदेश में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अंतर्गत संरक्षित स्मारकों की व्यवस्था में गंभीर कमियां सामने आईं। लगभग 86 प्रतिशत अधिसूचनाओं में संरक्षित स्मारकों की सीमा संबंधी आवश्यक विवरण नहीं था। 487 स्मारकों में से केवल 31 के स्थानिस्व संबंधी दस्तावेजों में उचित भूमि अभिलेख दर्ज थे। अर्थात 456 स्मारक, करीब 94 प्रतिशत, कानूनी स्थानिस्व के पर्याप्त दस्तावेजों के बिना संचालित हो रहे थे। इसके अतिरिक्त 96 स्मारकों में अतिक्रमण की शिकायतें दर्ज थीं। यह ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण और प्रशासनिक जवाबदेही का बड़ा प्रश्न है।तीसरा उदाहरण छात्रवृत्ति योजनाओं का है। इसी रिपोर्ट में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति वितरण व्यवस्था में भी अनियमितताएं सामने आईं। पात्रता की आय और जाति संबंधी शर्तों की अनदेखी, एक से अधिक बार भुगतान तथा ऐसे विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने के मामले सामने आए जिनका संबंधित संस्थानों में नामांकन नहीं था। जब शिक्षा के लिए निर्धारित सरकारी धन हो उचित लाभार्थियों तक पारदर्शी तरीके से नहीं पहुंचता, तो सामाजिक न्याय का उद्देश्य प्रभावित होता है। साथियों चौथा उदाहरण वैज्ञानिक अनुसंधान और पर्यावरण का है। केग की रिपोर्ट संख्या 29, वर्ष 2025 में राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के संचालन में कर्मचारियों की कमी, निगरानी तंत्र की कमजोरी और परियोजना चयन में दोरी जैसी कमियां सामने आईं। 75.46 करोड़ के अनुदान निर्धारित भुगतान संबंधी शर्तों का पालन किए बिना जारी किए जाने का मामला भी दर्ज हुआ। इसी रिपोर्ट में वैज्ञानिक और पर्यावरण संबंधी मंत्रालयों के अंतर्गत खरीद, ठेका प्रबंधन, परियोजना क्रियान्वयन और आंतरिक नियंत्रण की कमियों को भी रेखांकित किया गया। पांचवां उदाहरण सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का है। कैग की रिपोर्ट संख्या 12, वर्ष 2024 में 16 केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से संबंधित 30 लेखापरीक्षा टिप्पणियां दर्ज की गईं। इनका कुल वित्तीय प्रभाव रू.3,437.30 करोड़ बताया गया। इसमें कमजोर योजना, अपर्याप्त निगरानी, वित्तीय हितों की सुरक्षा में कमी और नियमों के अनुपालन में विफलता जैसी बातें सामने आईं। इन सभी उदाहरणों का सामूहिक संदेश स्पष्ट है। चाहे रेलवे हो, शिक्षा हो, पर्यावरण हो, दीर्घकालिक घरोहर हो या उपभोक्ता संरक्षण, सरकारी मानक और नियम तभी प्रभावी हैं जब उनका पालन करने वाली संस्थाएं स्वयं भी जवाबदेह हों। साथियों बात अगर हम सरकार अब क्या कदम उठा रही है? सुधारों की शुरुआत,लेकिन रिपोर्टों की प्रतीक्षा को समझने की करें तो,यह कहना भी उचित नहीं होगा कि सरकार ने बीआईएस या व्यवस्था को सुधारने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है।2 जुलाई 2026 को बीआईएस ने ज्वेलर्स और हॉलमार्किंग केंद्रों से संबंधित संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

कौशल विकास से ही साकार होगा विकसित भारत का सपना

भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जहां युवाओं की बड़ी आबादी देश की सबसे महत्वपूर्ण ताकत मानी जाती है। लेकिन केवल युवा आबादी होने से कोई राष्ट्र विकसित नहीं बन सकता। इसके लिए जरूरी है कि युवाओं को शिक्षित करने के साथ-साथ उन्हें रोजगार के योग्य बनाया जाए और उनकी प्रतिभा को सही दिशा में विकसित किया जाए। आज जब दुनिया तेजी से तकनीकी बदलावों के दौर से गुजर रही है, तब कौशल विकास किसी भी देश की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विस्तार और आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित पांचवें कौशल दीक्षांत समारोह में इसी विषय को केंद्र में रखते हुए कहा कि 21वीं सदी का भारत कौशल को सम्मान देकर ही आगे बढ़ सकता है। उनका यह संदेश केवल आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं के लिए नहीं, बल्कि देश की पूरी शिक्षा और रोजगार व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। भारत में कौशल और कारीगरी की परंपरा सदियों पुरानी रही है। लखनऊ की चिकनकारी, बनारस की रेशमी साड़ियां, कश्मीर की पश्मीना, कांजीवरम सिल्क, मलमल, कलमकारी और धातु शिल्प जैसे पारंपरिक हुनर भारतीय संस्कृति और आर्थिक समृद्धि की पहचान रहे हैं। भारतीय कारीगरों की दक्षता का लोहा दुनिया मानती रही है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में गुजरात की वंसाचाया परंपरा का उल्लेख करते हुए बताया कि पुराने समय में गांव बसाने के साथ ही वहां जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले कुशल कारीगरों को भी बसाया जाता था। इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय समाज में कौशल और श्रम का महत्व कितना व्यापक था। लेकिन समय के साथ कौशल आधारित व्यवसायों की सामाजिक प्रतिष्ठा कम होती गई और डिग्री आधारित शिक्षा को सफलता का प्रमुख पैमाना मान लिया गया। औपनिवेशिक शासन के दौरान विकसित हुई शिक्षा व्यवस्था ने भी इस मानसिकता को बढ़ावा दिया। व्यावहारिक ज्ञान और कारीगरी की अपेक्षा कार्यालयों में काम करने वाले कर्मचारियों को अधिक महत्व दिया जाने लगा। स्वतंत्रता के बाद भी लंबे समय तक इस सोच में अपेक्षित बदलाव नहीं आया। परिणामस्वरूप युवाओं में सामान्य डिग्री हासिल करने और सरकारी नौकरी पाने की प्रतिस्पर्धा बढ़ती गई, जबकि तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा को अपेक्षित महत्व नहीं मिल पाया। आज स्थिति यह है कि एक तरफ शिक्षित युवा रोजगार की तलाश में भटकते हैं और दूसरी तरफ उद्योगों को योग्य तकनीकी कर्मचारियों की कमी का सामना करना पड़ता है। यह विरोधाभास बताता है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था और रोजगार बाजार के बीच अभी भी बेहतर तालमेल की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने आईटीआई के विस्तार और कौशल प्रशिक्षण को आधुनिक बनाने के प्रयासों का उल्लेख किया। उनके अनुसार, पिछले एक दशक में लगभग पांच हजार नए आईटीआई स्थापित किए गए हैं और प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या में पांच लाख से अधिक की वृद्धि हुई है। विशेष रूप से लड़कियों की भागीदारी में ढाई गुना से अधिक वृद्धि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति को दर्शाती है। यह सकारात्मक बदलाव है, क्योंकि देश के औद्योगिक और तकनीकी विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की जरूरत है। आज रोजगार का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, ड्रोन तकनीक, ग्रीन हाइड्रोजन, औद्योगिक रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्र भविष्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रहे हैं। ऐसे में आईटीआई के पाठ्यक्रमों में इन आधुनिक ट्रेडों को शामिल करना महत्वपूर्ण कदम है। अब तकनीकी प्रशिक्षण केवल पारंपरिक मशीनों के संचालन तक सीमित नहीं रह सकता। युवाओं को नई तकनीकों के इस्तेमाल, उनकी मरम्मत, रखरखाव और विकास से जुड़ा ज्ञान भी देना होगा। प्रधानमंत्री ने पीएम-सेतु योजना के तहत 60 हजार करोड़ रुपये के निवेश का उल्लेख करते हुए प्रशिक्षण संस्थानों को आधुनिक बनाने और उद्योगों से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया है। हालांकि, कौशल विकास की सफलता केवल नए संस्थान खोलने और नए पाठ्यक्रम शुरू करने से सुनिश्चित नहीं होगी। इसके लिए प्रशिक्षण की गुणवत्ता, आधुनिक प्रयोगशालाएं, योग्य प्रशिक्षक और उद्योगों के साथ व्यावहारिक तालमेल भी जरूरी है। आईटीआई से निकलने वाले युवाओं को वास्तविक औद्योगिक परिस्थितियों में काम करने का अनुभव मिलना चाहिए। अप्रेंटिसशिप और उद्योग आधारित प्रशिक्षण को बढ़ावा देना होगा, ताकि प्रशिक्षण पूरा करने के बाद युवाओं को रोजगार के लिए भटकना न पड़े। साथ ही समय-समय पर पाठ्यक्रमों की समीक्षा करके उन्हें बाजार की जरूरतों के अनुरूप बनाना भी आवश्यक है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन के बढ़ते प्रभाव को लेकर युवाओं में रोजगार समाप्त होने की आशंकाएं भी दिखाई देती हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि नई तकनीक कई पारंपरिक कार्यों का स्वरूप बदल रही है, लेकिन इसके साथ नए व्यवसाय और रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कोविड महामारी का उदाहरण देते हुए बताया कि संकट के समय कुशल श्रमिकों ने महत्वपूर्ण सेवाओं को जारी रखने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उनका यह संदेश कि हुनरमंद व्यक्ति के लिए अवसरों की कमी नहीं होती, युवाओं को लगातार सीखने और अपनी दक्षता बढ़ाने की प्रेरणा देता है। आने वाले समय में वही युवा आगे बढ़ सकेंगे, जो तकनीकी बदलावों के अनुरूप स्वयं को तैयार रखेंगे। देश में बुनियादी ढांचे के तेजी से विस्तार ने भी कुशल श्रमिकों की मांग बढ़ाई है। आवास निर्माण, सड़क, एक्सप्रेसवे, बिजली, जलापूर्ति और औद्योगिक परियोजनाओं में इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, बढ़ई, राजमिस्त्री और तकनीकी कर्मचारियों की आवश्यकता होती है। प्रधानमंत्री ने पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने के अभियान के दौरान प्लंबरों की कमी का उदाहरण देकर यह स्पष्ट किया कि विकास योजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए प्रशिक्षित कामगारों की कितनी जरूरत है। इसी तरह सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी निर्माण और खेल उपकरण उद्योग में भी कुशल युवाओं के लिए नए अवसर विकसित हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भी कौशल विकास की संभावनाएं व्यापक हैं। राज्य में एक्सप्रेसवे, औद्योगिक गलियारों, मोबाइल निर्माण इकाइयों, रक्षा उत्पादन और पर्यटन क्षेत्र का विस्तार हो रहा है। इन परियोजनाओं में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित करके रोजगार उपलब्ध कराना राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे सकता है। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2027 में ग्रेटर नोएडा में वर्ल्डस्किल्स एशिया प्रतियोगिता आयोजित किए जाने की घोषणा की है। यह आयोजन उत्तर प्रदेश और भारत के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करेगा। इसके साथ ही राज्य में कौशल प्रशिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ सकती है। कौशल विकास का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है। कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, मत्स्य पालन, कृषि मशीनरी, हस्तशिल्प और ग्रामीण उद्योगों से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम गांवों के युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खोल सकते हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन का दबाव भी कम किया जा सकेगा। विशेष रूप से छोटे कस्बों और पिछड़े जिलों में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण संस्थानों का विस्तार करना आवश्यक है। इसके साथ ही कौशल प्राप्त युवाओं को उचित वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना भी जरूरी है। केवल प्रमाणपत्र देकर युवाओं को रोजगार के बाजार में छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले अनेक कुशल श्रमिक आज भी कम पारिश्रमिक और अस्थिर रोजगार की समस्या से जूझ रहे हैं। यदि देश को वास्तव में कौशल आधारित अर्थव्यवस्था बनाना है तो श्रम का सम्मान और श्रमिकों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। समाज की सोच में भी बदलाव लाना होगा, ताकि किसी तकनीकी काम को छोटा न समझा जाए। कौशल विकास के साथ स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देना भी महत्वपूर्ण है। हर युवा को नौकरी देना संभव नहीं है, लेकिन प्रत्येक युवा को ऐसा हुनर दिया जा सकता है, जिसके आधार पर वह अपना व्यवसाय शुरू कर सके। इसके लिए आसान ऋण, बाजार तक पहुंच, आधुनिक तकनीक और सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना होगा। छोटे उद्योगों और स्थानीय उत्पादन इकाइयों के प्रोत्साहित करके युवाओं को रोजगार देने वाला उद्यमी बनाया जा सकता है। विकसित भारत का सपना केवल बड़े उद्योगों, आधुनिक शहरों और विशाल परियोजनाओं से पूरा नहीं होगा। इसके लिए देश के करोड़ों युवाओं को शिक्षित, प्रशिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाना होगा। डिग्री के साथ हुनर, शिक्षा के साथ व्यावहारिक ज्ञान और प्रशिक्षण के साथ सम्मानजनक रोजगार की व्यवस्था हो भारत को आर्थिक रूप से मजबूत बना सकती है। लखनऊ के कौशल दीक्षांत समारोह से निकला संदेश भी यही है कि देश की वास्तविक ताकत उसके कुशल हाथों और मेहनतकश युवाओं में छिपी है। जरूरत इस बात की है कि सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थान और समाज मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें, जिसमें हर युवा के हुनर को पहचान मिले और उसे आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो। क्योंकि आत्मनिर्भर और विकसित भारत की मजबूत नींव केवल शिक्षित नहीं, बल्कि कुशल और हुनरमंद युवा ही रख सकते हैं।

- सौरभ वार्ष्णेय

पंचायतीराज चुनाव में भाजपा को मतदाताओं ने हराया नहीं बल्कि जगाया है 2028 की सत्ता के लिए अभी भी समय

-कांतिलाल मांडोत

राजस्थान की राजनीति में पंचायतीराज चुनाव के नतीजों ने आने वाले विधानसभा चुनाव की तस्वीर को लेकर नई बहस छेड़ दी है। एक ही दिन में आए परिणामों ने यह संकेत दे दिया है कि प्रदेश की राजनीति अब केवल भाजपा और कांग्रेस के बीच सीमित नहीं रहने वाली। हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) का ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ता प्रभाव और कांग्रेस की वापसी ने भाजपा के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इन नतीजों को केवल स्थानीय चुनाव की हार-जीत मानकर नजरअंदाज करना राजनीतिक भूल होगी। वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव में तीसरे राजनीतिक विकल्प की संभावना को भी अब गंभीरता से देखना होगा।

राजस्थान में सरकार बनाने का रास्ता गांवों और शहरों दोनों से होकर गुजरता है। शहरों के मतदाता सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन ग्रामीण मतदाताओं की नाराजगी सत्ता का समीकरण बदलने की ताकत रखती है। पंचायतीराज चुनाव में भाजपा को मतदाताओं ने पूरी तरह नकारा नहीं है, बल्कि उसे समय रहते जागने का संदेश दिया है। यह संदेश उन जनप्रतिनिधियों के लिए भी है, जिन्होंने चुनाव जीतने के बाद अपने क्षेत्र की समस्याओं को प्राथमिकता नहीं दी। जनता केवल चुनाव के समय किए गए वादों से संतुष्ट नहीं होती, उसे अपने दैनिक जीवन में विकास और बदलाव दिखाई देना चाहिए।

पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को जनता ने जिस उम्मीद के साथ सत्ता सौंपी थी, उस उम्मीद पर खरा उतरना अब सरकार और उसके विधायकों की जिम्मेदारी है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा और स्थानीय सुविधाओं से जुड़े काम अधूरे पड़े हैं। जनता को उम्मीद थी कि नई सरकार आने के बाद इन समस्याओं का समाधान तेजी से होगा, लेकिन जहां जनप्रतिनिधियों से सक्रियता नहीं दिखाई, वहां नाराजगी बढ़ती चली गई। इसका असर पंचायत चुनाव के परिणामों में दिखाई दिया है। कांग्रेस ने इस नाराजगी का राजनीतिक लाभ उठाया, वहीं आरएलपी और निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी अपनी जगह बनाई।

राजस्थान की राजनीति में हनुमान बेनीवाल की भूमिका को हल्के में नहीं लिया जा सकता। उनकी पार्टी आरएलपी ने ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर यह संकेत दिया है कि जनता के सामने भाजपा और कांग्रेस के अलावा भी विकल्प मौजूद है। यदि आरएलपी पंचायत स्तर पर अपना प्रभाव मजबूत करती है और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से जनता के बीच लगातार सक्रिय रहती है तो 2028 के विधानसभा चुनाव में वह महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। तीसरे दल की सफलता केवल चुनावी भाषणों से नहीं आती, बल्कि संगठन, स्थानीय नेतृत्व और जनता के बीच निरंतर संपर्क से आती है। बेनीवाल के सामने भी अपनी राजनीतिक ताकत को स्थायी जनाधार में बदलने की चुनौती रहेगी।

भाजपा के लिए सबसे बड़ी चिंता यह होनी चाहिए कि जिन क्षेत्रों में उसके उम्मीदवारों को हार का सामना करना पड़ा, वहां आखिर जनता की नाराजगी के कारण क्या रहे। कई सरपंची पर कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए उम्मीदवारों को जनता ने पहले से ही स्वीकार नहीं किया था। केवल राजनीतिक समीकरण देखकर उम्मीदवारों को टिकट देना हमेशा लाभदायक नहीं होता। जनता के बीच जिसकी छवि और स्वीकार्यता कमजोर हो, उसे पार्टी में शामिल कर चुनाव मैदान में उतारने से पुराने कार्यकर्ताओं में भी असंतोष पैदा होता है। नाराज कार्यकर्ताओं की उपेक्षा और नए चेहरों को बिना जनाधारना समझे आगे बढ़ाना संगठन को कमजोर करता है। इस चुनाव में भाजपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा नीति से जुड़ी नाराजगी और अतिक्रमण जैसे मुद्दों ने भी मतदाताओं के मन में असंतोष पैदा किया है। स्थानीय समस्याओं का समाधान नहीं होने पर जनता का गु

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली कमजोर पड़ने से सोमवार को अनाज मंडी में तुअर बाजार नरमी के रहे। चना मजबूती पर रहा। खाद्य तेलों में व्यापार बेहद सुस्त रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूती पर रहे। किराना जिंसों में व्यापार अच्छा रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तुअर में लेवाली कमजोर रहने से सोमवार को बाजार नरमी के रहे। तुअर निमाड़ी मालों में बाजार 7700-8000 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। चना 7750-7800 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत देखे गये। खाद्य तेलों में व्यापार बेहद सुस्त-सुस्त रहे। तिलहनों में सोयाबीन 200 रू. क्विंटल सुधरकर 7500-7700 रू. क्विंटल पर आ गये। उधर, किराना बाजार में लेवाली अच्छी रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- लहर 5450-5600, खोपरा गोला 340-430, खोपरा बूरा 3250-5850 (15 कि.ग्रा.), जीरा 315-325, मीडियम 335-345, बेस्ट 360-365, हल्दी निजामाबाद 325-350, सांगली 385-400, सावुदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, चौक मोटी 181-191, बेस्ट 200-250, एक्स्ट्रा बेस्ट 275-325, सौंफ चारिक 175-275, बेस्ट 300-375, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 860-880, गारबल्ला 800-830, मटरदाना 890-911, खसखस अनक्लीन 800-850, क्लीन 1125-1375, दालचीनी 260-265, जायफल 800-825, वाखल फूल 360-375, बेस्ट 425-475, शाहजीरा 975-1050, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 275-350, बेस्ट 450-550, जावत्री 2450-2750, केसर 200-250, नाग केसर 1450, सौंठ 375-475, धोली मुसली 950-1050, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (बनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पुका बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीका 180-200, हरी इलायची सॉर्टर 3250-3350, मीडियम 3425-3525, बेस्ट 3750-3825, एक्स्ट्रा बेस्ट 3875-3925, पानवार 3050-3100, बड़ी इलायची 1575-1625, बेस्ट 1675-1750, एक्स्ट्रा बेस्ट 1825-1925, तरबूज मगज 650-670, काजू (240) 1025-1050, काजू (320) 925-970, काजू एस.एस. डब्ल्यू 890-911, काजू जे.एच. 860-875, टूकड़ी 830-840, बादाम मगज 1225-1275, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टॉच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जदोली 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिस कोथरी 450-600, इंडियन 400-450, चारोली 1450-1750, मुलका 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 875-1075, बेस्ट 1150-1275, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, पिटा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, वेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3100-3150, (160) 3300-3350, (200) 3400-3450, (250) 3800-3850,

तेल- सौंगदाना 1840-1860, मुम्बई 1860, राजकोट तेलिया 2880, सोया सारल्वॅर 1330-1340, सोया रिफाईंड 1440-1445, कपासया 1350-1360, धूलिया 1365, कड़ी 1365,

रात की धारणा- गुजरात लूज 1825, मुम्बई पाम 1310, मुम्बई सोया 1440,

खली- कपास खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2660, देवास-उज्जैन 2660, खंडवा-खुरहानपुर 2440, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 9300, रायडा 8600-9000, सोयाबीन 7500-7700, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कटियावा बेस्ट 7750-7800, विशाल 7650-7700, काबुली चना डॉलर 9500-10700, काबुली चना रशियन 7500-7700, बिटकी 7200-7400, मसूर बेस्ट 6000, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 8700-8800, एवरेज 8500-8600, हल्की 8200-8300, महाराष्ट्र सफेद 9600-9800, महाराष्ट्र लाल 10000-10200, उड़द बेस्ट 9400-9500, एवरेज 9200-9300, ग्रेविटी क्लीन 9500-10000, उड़द हल्की 8500-9000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2800-2900, लोकवन 3200-3400, मालवराज 3000-3050, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2800-2850, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2850-3000,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 5500-6000, राजभोग 7500, काली मुंछ डिलर किंग 9500-10000, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-9000, मोगरा 5500-7500, सिंदूर 11000-12000, बासमती (921) 13000-14000, बासमती सेला 8500-10500, पोहा 4500-5100,

माचा- इन्दौर 480, उज्जैन 400, रतलाम 380 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को सुस्त कारोबार के बीच स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 156500, चाँदी (99) 156300, टंच 155600, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 128100,

सोने की कीमत 1,38,460 प्रति 10 ग्राम तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली। एजेंसी। वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सक्स ने 2027 के अंत तक सोने की कीमत 4,650 डॉलर प्रति औंस (लगभग 1,38,460 रुपए) तक पहुंचने का नया अनुमान जारी किया है। यह उनके पिछले 4,800 डॉलर के अनुमान से कम है, फिर भी निवेशकों के लिए सोने की चमक बरकरार रहने की उम्मीद है। 20 नवंबर को सोना 1,23,893 रुपए पर बंद हुआ था। बैंक का अनुमान है कि 2027 के अंत तक सोना 4,650 रुपए प्रति औंस तक पहुंचेगा। इसकी कीमतों को केंद्रीय बैंकों, खासकर उभरती अर्थव्यवस्थाओं द्वारा लगातार की जा रही खरीदारी से मुख्य सहारा मिल रहा है। पश्चिमी देशों द्वारा रूस के भंडार फ्रीज होने के बाद यह रुझान बढ़ा है, जिससे अन्य देशों को भी अपनी संपत्ति रखने के तरीकों पर पुनर्विचार करना पड़ा। गोल्डमैन को उम्मीद है कि 2026-28 के दौरान केंद्रीय बैंक प्रति माह औसतन 60 टन सोना खरीदेंगे, जो पहले के 17 टन प्र.टिमाह से काफी अधिक है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से बाजार टूटा। आज कारोबार के दौरान बैंकिंग शेयरों को जबरदस्त नुकसान हुआ। इसके अलावा मेटल और ऑयल व गैस शेयरों में बिकवाली से भी बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,483.72 अंक टूटकर 82,435.99 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला, एनएसई निफ्टी 434.20 अंक की गिरावट के साथ ही 25,366.40 के स्तर के नीचे आ गया। बाजार की इस भारी गिरावट से बाजार पूंजीकरण में 6 लाख करोड़ से भी अधिक का नुकसान हुआ। बाजार के व्यापक रुझान पर नजर डालें तो गिरावट वाले शेयरों की संख्या तेजी वाले शेयरों से कहीं ज्यादा रही। एक्सचेंज पर कुल 2,687 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि केवल 1,450 शेयरों में तेजी देखी गई और 199 शेयर



सपाट रहे। इसके अलावा, निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी 0.7-0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जो बताता है कि बिकवाली का दबाव सभी स्तरों पर था। लगभग सभी प्रमुख सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। सबसे ज्यादा मार निफ्टी मेटल पर पड़ी। आज दिग्गज शेयरों में आई जबरदस्त बिकवाली ने निवेशकों की खासा नुकसान पहुंचाया। टाटा स्टील 8.43 फीसदी की भारी गिरावट के साथ सबसे अधिक नुकसान में रहा।

इसके अतिरिक्त, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तानी, एसबीआई, कोटक बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी गिरावट रही। वहीं इस बड़ी गिरावट के बीच कुछ खास शेयरों में खरीददारी होती रही। टीसीएस 3.53 फीसदी की बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। श्रीराम फाइनेंस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, टाइटन कंपनी, मैक्स हेल्थकेयर के शेयरों में भी तेजी रही। वहीं इससे पहले आज सुबह मुनाफावसूली के चलते बैंचमार्क इंडेक्स लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। सुबह सेंसेक्स 83210 तक फिसला, जो सुबह 84662 तक उछला। वहीं निफ्टी भी 25992 से गिरकर 25567 तक आ गया।

एफएसएसएआई की कार्रवाई के बाद बिसलेरी ने अपना पानी सुरक्षित बताया

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मुकदमा चलाने के आदेश के बाद, बिसलेरी इंटरनेशनल ने सोमवार को अपने पैकड पेयजल को सुरक्षित बताया है। यह प्रतिक्रिया एफएसएसएआई के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उसने एक नमूने को असुरक्षित बताकर कंपनी के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। बिसलेरी ने कहा कि उसे एफएसएसएआई से कोई औपचारिक नोटिस नहीं मिला है और वह नियामक के साथ सहयोग करेगी। बिसलेरी इंटरनेशनल ने स्पष्ट किया कि यह मामला लगभग 14 महीने पुराना है और सितंबर 2025 में उसके गोवा स्थित एक संयंत्र से तैयार बैच से जुड़ा है। एफएसएसएआई ने गोवा संयंत्र से छह नमूने लिए थे, जिनमें से एक में ब्रोमेट की मात्रा निर्धारित सीमा (10 माइक्रोग्राम प्रति लीटर) से अधिक (12 माइक्रोग्राम) पाया गया था। हालांकि, कंपनी की अपील पर एफएसएसएआई द्वारा मान्यता प्राप्त एक रेफरल प्रयोगशाला ने उसी नमूने की दोबारा जांच की, जिसमें ब्रोमेट की मात्रा तय सीमा के भीतर पाई गई। नतीजों में अंतर आने के बाद, बिसलेरी ने स्वतंत्र रूप से भी जांच कराई, जिसमें भी ब्रोमेट का स्तर स्वीकार्य सीमा के भीतर निकला। कंपनी ने 2 फरवरी, 2026 को इन स्वतंत्र जांच रिपोर्टों को एफएसएसएआई को सौंप दिया था और तब से उसे कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली थी। बिसलेरी ने दोहराया कि उसका पेयजल सुरक्षित है और वह इस मामले को उचित नियामकीय प्रक्रिया के तहत सुलझाने के लिए एफएसएसएआई के साथ सहयोग जारी रखेगी।

चाय उद्योग को मिलेगी नई गति, सरकार निर्यात व गुणवत्ता पर केंद्रित

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत, जो दुनिया में काली चाय का सबसे बड़ा उत्पादक और तीसरा सबसे बड़ा वैश्विक निर्यातक है, अपने चाय उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पश्चिम बंगाल के कुर्सेओंग में चाय उद्योग के हितधारकों के साथ एक अहम बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का मुख्य उद्देश्य निर्यात को बढ़ावा देना, गुणवत्ता में सुधार करना और चाय श्रमिकों के कल्याण को सुनिश्चित करना रहा, जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत ने 988.13 मिलियन डॉलर मूल्य की 282.11 मिलियन किलोग्राम चाय का निर्यात किया था। यह क्षेत्र देश की कृषि अर्थव्यवस्था और निर्यात आय में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस उच्च स्तरीय बैठक में दार्जिलिंग चाय उद्योग के पुनरुद्धार, चाय नीलामी प्रणाली को और अधिक प्रभावी, तेज़ तथा पारदर्शी बनाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। वाणिज्य मंत्री ने चाय अनुसंधान को सुदृढ़ करने, गुणवत्ता में सुधार लाने और श्रमिकों के हित में प्रोमोटर इंडिया (ईपीएन) के तहत निर्यात को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। हितधारकों के साथ व्यापार करने में आसानी को प्राथमिकता बनाते हुए प्रक्रियाओं को सरल बनाने और दक्षता बढ़ाने पर भी सहमति बनी, जिसमें तकनीक-आधारित सुधारों और परिचालन दक्षता में वृद्धि पर बल दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारत की उपस्थिति को मजबूत करने, विविध उत्पाद पोर्टफोलियो को बढ़ावा देने और भारतीय चाय की स्थिति को बेहतर बनाने और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए तकनीक-आधारित सुधारों तथा लक्षित प्रचार उपायों पर चर्चा हुई। सरकार, टी बोर्ड इंडिया और उद्योग के बीच समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया, ताकि पारंपरिक और उभरते दोनों बाजारों में भारतीय चाय को बढ़ावा दिया जा सके। बैठक में चाय बागान श्रमिकों और उनके परिवारों के कल्याण का मुद्दा भी केंद्रीय विषय रहा, जिससे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए व्यावहारिक सुझाव सामने आए। इस पहल का लक्ष्य भारतीय चाय को वैश्विक मंच पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना है।

आज का राशिफल

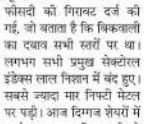

मेष- आज भाग्य आपका पूरा साथ देता नजर आएगा और लंबे समय से अधूरे पड़े सपनों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हो सकती है। काफी समय से अटका हुआ कोई जरूरी काम आखिरकार पूरा होने से मन को बड़ी राहत और खुशी मिलेगी। आर्थिक परिणामों भी धीरे-धीरे कम होती दिखाई दे सकती हैं।

वृषभ- आज आपका मन सेवा, परोपकार और जरूरतमंद लोगों की मदद करने में विशेष रुझ ले लगेगा। किसी की सहायता करने या दान-पुण्य के कार्य में हिस्सा लेने से आपको भीतर से गहरी संतुष्टि महसूस होगी। किसी पुराने मित्र या साथी से मुलाकात होने की संभावना है, जिससे खोते समय की खूबसूरत यादें फिर से ताजा हो जाएंगी। वैवाहिक जीवन में यदि पिछले कुछ समय से दूरी या मनमुटाव बना हुआ था, तो अब उसे दूर करने का अच्छा अवसर मिल सकता है।

मिथुन- आज का दिन आर्थिक लाभ, मानसिक राहत और पारिवारिक खुशियों का अच्छा मेल लेकर आ सकता है। जीवनसाथी के साथ बिताया गया ध्यार भरा समय रिश्ते में नई ताजगी और नजदीकियां लेकर आएगा। आप दोनों के बीच आपसी समझ बेहतर होगी और एक-दूसरे की भावनाओं को समझने का अवसर मिलेगा।

कर्क- आज आपके सामने तरकी और आगे बढ़ने के नए अवसर आ सकते हैं। किसी कठिन परिस्थिति में दोस्तों का सहयोग आपको मानसिक मजबूती देगा और बड़ी परेशानी से बाहर निकलने में मदद कर सकता है। जो लोग अविवाहित हैं, उनके जीवन में प्रेम का नया अध्याय शुरू होने की संभावना है।

सिंह- आज कुछ उलझनें और असमंजस की स्थिति आपके ध्यान को भटकाने की कोशिश कर सकती हैं, लेकिन धैर्य बनाए रखेंगे तो परिस्थितियां आपके पक्ष में आ सकती हैं। लंबे समय से अटके हुए कामों को पूरा करने के लिए समय अनुकूल नजर आ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों को व्यवस्थित तरीके से पूरा करने पर विशेष ध्यान दें। पूजा-पाठ, ध्यान और आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगाने से मानसिक शांति और सकारात्मकता महसूस होगी।

कन्या- आज आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना आपको सबसे बड़ी समझदारी साबित होगी। आमदनी अच्छी रहने के बावजूद खर्चों में बढ़ोतरी होने से थोड़ी चिंता हो सकती है। हालांकि, सही योजना और बजट के अनुसार चलेंगे तो स्थिति को आसानी से संभाल पाएंगे। जो लोग नौकरी बदलने का विचार कर रहे हैं, उनके सामने कोई नया और आकर्षक प्रस्ताव आ सकता है।

तुला- आज आलस्य को पीछे छोड़कर सक्रियता के साथ काम करेंगे तो सफलता के अवसर आपके सामने आने लगेंगे। जिन कामों को आप लंबे समय से टाल रहे हैं, उन्हें पूरा करने के लिए दिन अच्छा रह सकता है। हालांकि, खर्च करते समय अपनी जरूरतों और बजट का ध्यान रखें। आज की छोटी-सी आर्थिक लापरवाही आगे चलकर दबाव बढ़ा सकती है।

वृश्चिक- आज आमदनी और खुशियों, दोनों में बढ़ोतरी होने के संकेत हैं। घर की सजावट, मरम्मत या किसी नई चीज की खरीदारी का विचार मन में आ सकता है। इससे घर का वातावरण और आकर्षक सुंदर तथा सुविधाजनक बनेगा। परिवार में यदि पिछले कुछ समय से कोई गलतफहमी या मनमुटाव चल रहा था, तो खुलकर बातचीत करने से उसे दूर करने का अच्छा अवसर मिलेगा।

धनु- आज आपकी सकारात्मक ऊर्जा और उत्साह का प्रभाव आसपास के लोगों पर भी दिखाई देगा। दोस्तों और परिवार का सहयोग आपको नई हिम्मत देगा और महत्वपूर्ण कामों को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। लंबी यात्रा की योजना बन सकती है, जो आपके लिए सुखद और यादगार अनुभव साबित हो सकती है। हालांकि, बातचीत के दौरान विशेष सावधानी रखें।

मकर- आज आप अपने अधूरे कामों को पूरा करने के लिए पूरी ऊर्जा और मेहनत लगाएंगे। आपकी कोशिशों का सकारात्मक परिणाम भी सामने आ सकता है, जिससे मन में संतोष रहेगा। समाज सेवा, परोपकार और जरूरतमंद लोगों की मदद करने से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाई-बहनों का सहयोग किसी मुश्किल परिस्थिति में आपका हौसला मजबूत करेगा। अतीत में की गई कोई गलती आज आपके सामने एक महत्वपूर्ण सीख बनकर आ सकती है। उस अनुभव से आप भविष्य में बेहतर फैसले ले पाएंगे और किसी बड़ी परेशानी से बच सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपसे धैर्य और संतुलित व्यवहार की अपेक्षा करेगा। अचानक बढ़ने वाले खर्च आपकी आर्थिक योजना को प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए कोई भी खरीदारी करने से पहले अपनी जरूरतों पर विचार करें। परिवार में छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से बचें, क्योंकि इससे घर का माहौल बिगड़ सकता है।

मीन- आज आर्थिक मामलों में भाग्य आपका साथ देता नजर आएगा। कारोबार में अच्छी कमाई होने की संभावना है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा और आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। साझेदारी में चल रहे कामों में भी आपसी तालमेल बना रहेगा। व्यापार को अगले स्तर तक ले जाने के लिए आपने जो लंबी अवधि की योजनाएं बनाई हैं, वे अब आगे बढ़ सकती हैं और सकारात्मक परिणाम देने की दिशा में आ सकती हैं। लंबे समय से अटका हुआ पैसा वापस मिलने के संकेत हैं, जिससे आर्थिक राहत महसूस होगी।

शब्दजाल - 8459

शब्द जाल में रेखा द्वारा अभिलेख 10 शिल्पों के नाम दृष्टिहि, नाम ऊपर से नीचे, ढाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

सावन झाडो,राम बलराम, नियत, सुहाज, खूबसूरत, अगाउ तुम न होते, झूठी, कर्तव्य, विशाल, अमराव जाल.



शब्दजाल - 8458 का हल



फिल्म वर्ग पहेली- 7393



ऊपर से नीचे:-

1. अभिषेक, नाग पोटेल, तब्बू की 'हम हैं बमास के पैप' गीत वाली फिल्म-४
2. शहरुख़, विवेक, यूही की फिल्म-४
3. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'मैंने ये कसम आपसे ये लिखा' गीत वाली फिल्म-२
4. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
5. फिल्म 'फ़ीका' में सोहेब के साथ नायिका कौन थी-२
6. शाहरुख़, विवेक, तब्बू, रीता की फिल्म-५
7. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा हुए तुम के' गीत वाली फिल्म-२
8. 'ये चेहरे में वो' गीत वाली फिल्म किसे खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
9. जॉन, सायरा की 'दिल की नाज़िल सही है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
10. 'इक हुए पल न आस' गीत वाली अमिताभ, लम्बी छाया की फिल्म-२,१,३
11. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
12. शत्रुघ्नकार, रवइलिसा, हेमा मालिनी, विपुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
13. आमिर खान, पैजलखान, दिलीपकर की 'कमीना लगेके रे' गीत वाली फिल्म-२
14. 'ये दुनिया वाले पूछो' गीत वाले देव आनंद, आशा पोरेड की फिल्म-३
15. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-१
16. जयोहिरोसह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

बायें से दायें:-

1. 'रह कहें खुद मंजिल' गीत वाली शिल्पशैरी, वहीद की फिल्म-३
2. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
3. 'मैं ने से लिए हैं' गीत वाली अभिषेक, राकेश रक्षा, शर्मिला की फिल्म-३
4. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजब करुपा निर्देशित फिल्म-४
5. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
6. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
7. 'ना जाये पहेल' गीत वाली रितीकुमार, अभिनकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पूनम ढिल्लो की फिल्म-२
8. जॉन अब्राहम, तब सभी को 'हा तरक हा करार' गीत वाली फिल्म-२
9. 'ऐ मेरी मोहब्बो ये मैं हमतो' गीत वाली मनोजकुमार, सायना की फिल्म-३
10. जॉनदेव, रेखा की 'सोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
11. 'आओ बाजो इस मे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,२,३
12. अमिर्दद, प्रभुदेव, काजोल की 'पंदरे वंदो रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
13. 'मिलेनिया शुरु हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
14. राजकपूर, नर्गिस की 'रात की आएगे बारात' गीत वाली फिल्म-२
15. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
16. खुलासा, शेखर की 'तेरी दोनों में मिल है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
17. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली गोविंदकुमार, वैजयंती की फिल्म-३



शब्द पहेली - 8917



बाएँ से दाएँ

1. अचंभा, आश्चर्य-4
3. अच्छी रुचि, कलात्मक रुचि-3
6. पिता के छोटे भाई, काका-2
7. माह, मास-3
9. धावक (ओलंपी-3)
11. नया जीवन, उद्धार होना-5
12. लक्ष्मी, धन की देवी-3
15. बुरी आदत-2
16. पैर, पाँव-2
18. देवमुनि, देवर्षि-3
20. शिकायत करना-5
22. रनिवास-3
24. बेकार, आवारा-3
26. छोटा टुकड़ा-2
27. अभिनय, कथा मंचन-3
28. सुगंध फैलाना-4

ऊपर से नीचे

1. सहसा, अकस्मात-4
2. एक प्रकार की शराब-2
3. प्रतिभाशाली-3
5. मनगशील-5
6. चतुर्थ-2
8. नाव खेना-2,3
10. पासे फेंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
13. पैर मारना-5
14. मन की इच्छा-5
17. प्रकार-3
19. टूटना, बिखरना-4
21. पराजित होना, हारना-3
23. चालीस किलो के वजन को यह भी कहते हैं- 2
25. पथ, रास्ता, मार्ग-2

शब्द पहेली -8916 का हल



दैनिक पंचांग



24 नवम्बर की सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	नक्षत्र	चरण
सूर्य	वृश्चिक	ज्येष्ठा	4
चंद्र	मकर	श्रवण	2
मंगल	सिंह	मघा	3
बुध	तुला	चित्रा	3
गुरु	सिंह	मघा	1
शुक्र	तुला	स्वाति	3
शनि	सिंह	मघा	2
राहु	कर्क	पुनर्वसु	4
केतु	सिंह	मघा	2

राहुकाल 3.00 से 4.30 चले तक

दिन का चौघड़िया

रोग	06.53 से	07.22 चले तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 चले तक
चर	08.15 से	10.19 चले तक
लाभ	10.19 से	11.46 चले तक
अमृत	11.46 से	01.16 चले तक
काल	01.16 से	02.45 चले तक
शुभ	02.45 से	04.13 चले तक
रोग	04.13 से	05.42 चले तक

सूर्योदय सूर्यास्त- सूर्योदय 06.53 सुबह, अस्त 5.19 शाम, **चन्द्रमास** व्यय, **अमृत** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

रात का चौघड़िया

काल	06.42 से	07.12 चले तक
रोग	07.12 से	08.45 चले तक
उद्वेग	08.45 से	10.16 चले तक
शुभ	10.16 से	11.48 चले तक
अमृत	11.48 से	01.19 चले तक
चर	01.19 से	02.51 चले तक
लाभ	02.51 से	04.22 चले तक
काल	04.22 से	05.54 चले तक

प्रसंगतः विवेक की शक्ति

एक दिन महान दार्शनिक सुकरात अपने शिष्यों के साथ बैठे थे। किसी अंजीर विक्रेय पर चर्चा चल रही थी। तभी एक ज्योतिषी वहां आ पहुंचा। वह बेहद देखकर चकित जान के लिए मशहूर था। वह और से सुकरात को देखते हुए उनके शिष्यों से पोला, 'तुम लोगों के इस व्यक्ति को अपना गुरु बनाया है, इसका व्यवहार कैसा है, लेकिन इसका चरित्र ठीक है। इसके बचपन की बनावटें बता रही हैं कि यह अत्यधिक लालची है और दोहरे व्यक्तित्व का व्यवहार करता है

अनियंत्रित होकर पलटी बोर मशीन एक मजदूर की मौत, 9 घायल

देवरबेली क्षेत्र के सत्तीझोड़ी व टेमनी के बीच की घटना







पद्मेश न्यूज। लांजी। देवरबेली क्षेत्र के दुर्गम वनांचल में 23 नवंबर को दोपहर 1 से 2 बजे के बीच बोर मशीन वाहन क्रमांक के.ए. 01 एएफ 4456 अनियंत्रित होकर पलट गया। टेमनी एवं सत्तीझोड़ी के बीच घाट के ढलान पर हुए इस हादसे में वाहन में सवार एक मजदूर रोहित की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ अन्य मजदूर घायल हो गए। दुर्घटना में मृतक मजदूर रोहित वाहन के नीचे दब गया था। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासनिक एवं पुलिस अमला मौके पर पहुंचा और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। सभी घायलों को तत्काल सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी, तहसीलदार संजय बारस्कर, थाना प्रभारी तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों की मौजूदगी में दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटवाकर उसके नीचे दबे मजदूर को बाहर निकलवाया गया। इसके बाद उसे सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को मर्चुरी में रखवाया गया है। मृतक का पोस्टमार्टम 24 नवंबर को किया जाएगा। हादसे में घायल नौ मजदूरों को स्थानीय लोगों की मदद एवं एंबुलेंस के माध्यम से सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया गया। चिकित्सकों द्वारा सभी घायलों का उपचार शुरू किया गया। इनमें से दो मजदूरों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है, जबकि सात घायलों का उपचार सिविल अस्पताल लांजी में जारी है।

पेयजल के लिए बोर खनन कार्य पूरा कर लौट रहा था वाहन

प्राप्त जानकारी के अनुसार नक्सल मुक्त हुए दूरस्थ वनांचल गांवों में ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा पेयजल व्यवस्था के लिए बोर खनन कराया जा रहा है। इसी क्रम में बोर मशीन का वाहन देवरबेली क्षेत्र के ग्राम केराडेही एवं संदूका में बोरवेल खनन का कार्य पूरा करने के बाद वापस लौट रहा था। इसी दौरान टेमनी एवं सत्तीझोड़ी के बीच घाट के ढलान वाले हिस्से में वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में वाहन सवार मजदूर इसकी चपेट में आ गए। इस सड़क हादसे में घायल मजदूरों में रामचरण शिवलाल धुर्वे (30), निवासी सौंसर, शिवराज देवाजी इनवाती (30), निवासी छिंदवाड़ा, जैमंत/सियाराम खर्डिया (32), निवासी मोहाड़ी, जशपुर, हेमराज गोवीराम उइके (34), निवासी कौड़ियां, पांडुर्णा, अनिल बारेनाथ महतो (42), निवासी झारखंड, कुंजराम रामकिशोर नायक (28), निवासी मोहाड़ी, जशपुर, उत्तम सहदेव (18), निवासी मोहाड़ी, जशपुर, वृधराम कसंतु प्रधान (32), निवासी मोहाड़ी, जशपुर एवं रोशन भाकराव अहाके (20), निवासी पिपला कन्हान, छिंदवाड़ा शामिल हैं।

लांजी-भिलाई रोड पर खड़े भारी वाहन दे रहे हादसों को न्योता

वार्ड वासियों ने की नो पार्किंग जोन बनाने व स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के वार्ड क्रमांक 14 एवं 15 के निमटोला क्षेत्र में लांजी-भिलाई रोड पर सड़क किनारे खड़े रहने वाले खराब ट्रकों और भारी वाहनों के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है। वहीं, हैदराबाद की ओर से आने वाली बसों सहित अन्य भारी वाहनों की आवाजाही से दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। इस समस्या को लेकर योगेश्वर सोनवाने, वार्ड क्रमांक 14 के पार्षद दिनेश कचवाहे, वार्ड क्रमांक 15 की पार्षद श्रीमती कस्तुरा वाकड़े सहित क्षेत्रीय रहवासियों ने जिला परिवहन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, एसडीएम लांजी एवं एसडीओपी लांजी को लिखित आवेदन सौंपकर सड़क पर खड़े भारी वाहनों को हटाने, नो पार्किंग जोन घोषित करने तथा संवेदनशील स्थानों पर स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग की है। आवेदन में बताया गया है कि मां एग्रो राइस मिल के समीप ट्रक लंबे समय से सड़क के दोनों ओर खड़े रहते हैं। इसके अलावा हैदराबाद से आने-जाने वाली बसें भी सड़क किनारे खड़ी रहती हैं। इन वाहनों के कारण सड़क पर आवागमन के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती। स्थिति यह है कि हर एक-दो दिन में दुर्घटनाएं होने की आशंका बनी रहती है। स्कूल जाने वाले बच्चे और आम राहगीर भी इस मार्ग पर असुरक्षित महसूस करते हैं।




रहवासियों ने इन स्थानों पर शीघ्र स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग की है।

इन स्थानों पर स्पीड ब्रेकर की मांग

रहवासियों ने लक्ष्मीकांता कालेज रोड से लेकर श्मशान घाट तक निमटोला मोड़ के बीच तीन से चार संवेदनशील स्थानों को चिह्नित किया है। इनमें मां दुर्गा मंदिर, मां एग्रो राइस मिल, घानेगांव नहर तथा श्मशान घाट के पास स्थित चौराहा प्रमुख हैं। आवेदन के अनुसार इन स्थानों पर अब तक स्पीड ब्रेकर नहीं बनाए गए हैं। ऐसे में तेज रफ्तार से गुजरने वाले वाहनों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

लावारिस मवेशियों को हटाने की भी मांग

आवेदन में नगर परिषद से यह भी मांग की गई है कि लांजी-भिलाई रोड से श्मशान घाट तक सड़क किनारे खड़े ट्रक एवं बसों को हटवाया जाए। साथ ही लक्ष्मीकांता रोड से श्मशान घाट निमटोला तक प्रत्येक सड़क क्रॉसिंग पर स्पीड ब्रेकर बनवाए जाएं तथा लावारिस मवेशियों को सड़क से हटाने के लिए भी उचित कदम उठाए जाएं। क्षेत्र को नो पार्किंग जोन घोषित करने की मांग करते हुए रहवासियों ने कहा कि इन समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाना जरूरी है, ताकि स्कूली बच्चों, राहगीरों और आम नागरिकों को दुर्घटनाओं से सुरक्षित रखा जा सके।

मंडई स्थलों पर प्रशासन की नजर, तहसीलदार ने सर्रा और आवा में लिया व्यवस्थाओं का जायजा

खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, पेयजल, स्वास्थ्य और सुरक्षा इंतजामों की जांच; दुकानदारों को स्वच्छता बरतने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्रामीण अंचलों की पारंपरिक संस्कृति, लोक आस्था और सामाजिक समरसता के प्रतीक मंडई एवं मेलों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और आसपास के क्षेत्रों से लोग पहुंचते हैं। ऐसे आयोजनों में लोगों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसी जिम्मेदारी का प्रभावी निर्वहन करते हुए लांजी का प्रशासनिक अमला मंडई आयोजनों की व्यवस्थाओं को लेकर पूरी तरह सक्रिय और सजग नजर आ रहा है। प्रशासन की इसी तत्परता के चलते मंडई स्थलों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है, ताकि आम नागरिकों को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक माहौल मिल सके। इसी क्रम में 23 नवंबर को लांजी तहसीलदार संजय बारस्कर के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने ग्राम सर्रा एवं आवा में आयोजित मंडई स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने मंडई परिसर में खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, पेयजल की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुविधाओं, विद्युत व्यवस्था तथा सुरक्षा इंतजामों का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित दुकानदारों एवं आयोजन समिति से जुड़े लोगों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। तहसीलदार संजय बारस्कर ने खाद्य सामग्री तैयार करने एवं विक्रय करने वाले दुकानदारों को स्वच्छता और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की हिदायत दी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि खाद्य पदार्थों को तैयार करने में किसी भी परिस्थिति में एक्सपायरी डेट की सामग्री का उपयोग न किया जाए। साथ ही खाद्य सामग्री को स्वच्छ एवं सुरक्षित तरीके से तैयार कर ही विक्रय किया जाए, ताकि मंडई में पहुंचने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। प्रशासनिक टीम ने पेयजल व्यवस्था को सुचारू रखने, विद्युत संबंधी सुरक्षा मानकों का पालन करने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। आयोजकों को निर्देशित किया गया कि मंडई के दौरान आने वाले ग्रामीणों, महिलाओं, बच्चों एवं अन्य आगंतुकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और सभी व्यवस्थाएं व्यवस्थित एवं सुरक्षित रहें।



लक्ष्मण छुट्टानी का आकस्मिक निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम भानेगांव निवासी दुर्गा मेडिकल स्टोर्स के संचालक लक्ष्मण छुट्टानी (49 वर्ष) का 23 नवंबर को आकस्मिक निधन हो गया। स्वास्थ्य बिगड़ने पर उन्हें उपचार के लिए नागपुर ले जाया जा रहा था, लेकिन नागपुर पहुंचने से पहले ही दोपहर करीब 3 बजे रास्ते में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके असमय निधन की खबर से भानेगांव सहित आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लक्ष्मण छुट्टानी 10 नवंबर 2026 को अपनी दुकान दुर्गा मेडिकल स्टोर्स के सामने खड़े थे। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल सवार ने उन्हें टक्कर मार दी थी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे में उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया था और उनका उपचार जारी था। इसी बीच 23 नवंबर को अचानक उनकी तबीयत अधिक बिगड़ गई। परिजन उन्हें बेहतर उपचार के लिए नागपुर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनका निधन हो गया। लक्ष्मण छुट्टानी ग्राम भानेगांव में दुर्गा मेडिकल स्टोर्स का संचालन कर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान रखते थे। वे स्वर्गीय दुर्गादास छुट्टानी के दूसरे नंबर के सुपुत्र थे। उनके पिता दुर्गादास छुट्टानी भी क्षेत्र में भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं जनपद सदस्य जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर चुके थे। लक्ष्मण के आकस्मिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके निधन का समाचार मिलते ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिकजनों, परिचितों एवं शुभचिंतकों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी अंतिम यात्रा एवं अंतिम संस्कार 24 नवंबर को शाम 4 बजे बालाघाट स्थित मोक्षधाम में किया जाएगा। उनके असमय चले जाने से परिवार, मित्रों एवं क्षेत्रवासियों को अपूरणीय क्षति पहुंची है।



वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए नहरों और रेलमार्गों पर होंगे विशेष इंतजाम

वन विभाग की टास्कफोर्स समिति की बैठक में कलेक्टर आदित्य सिंह ने दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में वन्यजीवों की सुरक्षा, वन भूमि से जुड़े मामलों के निराकरण तथा वन विभाग से संबंधित विभिन्न विभागीय प्रकरणों की समीक्षा के लिए सोमवार 23 नवम्बर को कलेक्टर आदित्य सिंह की अध्यक्षता में वन विभाग की टास्कफोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर नहरों एवं रेलमार्गों पर आवश्यक संरचनात्मक व्यवस्थाएं करने, वन क्षेत्रों से गुजरने वाली बिजली लाइनों में आर्मर्ड केबल लगाने, वन भूमि पर अतिक्रमण हटाने तथा वन अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त दावों के निराकरण सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में वनमंडलाधिकारी नित्यानंदम एल, रेशम सिंह धुर्वे, श्री सुंदर निवेदन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ढूटी नहर में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए बनेंगी विशेष संरचनाएं

बैठक में वैनगंगा संभाग के अंतर्गत ढूटी नहर में हाल ही में एक बायसन (गौर) की मृत्यु की घटना पर चर्चा की गई। बताया गया कि ढूटी नहर का लगभग 10 से 12 किलोमीटर हिस्सा वन क्षेत्र से होकर गुजरता है। इस क्षेत्र में वन्यप्राणियों की सुरक्षा एवं उनके सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा कर कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके अंतर्गत 30 मीटर एवं 50 मीटर की विशेष संरचनाएं बनाए जाने का प्रस्ताव है, ताकि वन्यप्राणी सुरक्षित रूप से आवागमन कर सकें।

रेलमार्गों पर ट्रेनों की गति नियंत्रित करने का प्रस्ताव

बैठक में तिरोड़ी-तुमसर एवं लामता-पादरीगंज रेलमार्ग पर वन्यप्राणियों के ट्रेन से कटने की घटनाओं पर चिंता जताई गई। इन घटनाओं की रोकथाम के लिए संवेदनशील वन क्षेत्रों में ट्रेनों की गति नियंत्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। बताया गया कि तुमसर-तिरोड़ी रेललाइन के लगभग 5 किलोमीटर क्षेत्र में घना वन क्षेत्र है। वन्यजीवों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस क्षेत्र में दिन के समय ट्रेनों की गति 30 किलोमीटर प्रति घंटा तथा रात्रि में 20 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित करने का प्रस्ताव है। इसी प्रकार लामता-पादरीगंज रेलखंड में वर्तमान में 45 किलोमीटर प्रति घंटा की गति को भी कम करने की आवश्यकता बताई गई। इस संबंध में नागपुर मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) को प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया गया।

वन क्षेत्रों में बिजली लाइनों पर लगाए जाएंगे आर्मर्ड केबल

वन्यप्राणियों को बिजली लाइनों से होने वाले संभावित नुकसान से बचाने के लिए वन क्षेत्रों से गुजरने वाली बिजली लाइनों में आर्मर्ड केबल बायर लगाने पर जोर दिया गया। बैठक में विशेष रूप से लालबर्रा-सोनेवानी, करंगी, बैहर एवं उकवा क्षेत्र में आर्मर्ड केबल लगाने की आवश्यकता बताई गई, ताकि वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में वन भूमि पर खनिज उत्खनन के लिए पट्टा स्वीकृति से संबंधित प्रकरणों पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही पेसा अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत ग्राम सभा के माध्यम से बांस कटाई का कार्य कराए जाने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। वन भूमि पर किए गए अतिक्रमण के मामलों की समीक्षा करते हुए संबंधित अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी करने तथा नियमानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त दावों की समीक्षा करते हुए बैहर विकासखंड के ग्राम कोहका में 6 तथा ग्राम भंडारपुर में 1 सामुदायिक वन अधिकार दावे को स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त परसवाड़ा विकासखंड के ग्राम जामझिरिया, टाटीघाट एवं सोंवरझोड़ी तथा बैहर विकासखंड की ग्राम पंचायत पाथरी के ग्राम माड़ी और ग्राम पंचायत अडोरी के ग्राम कुंडेकसा एवं उसरी में कुल 98 व्यक्तिगत वन अधिकार दावों को स्वीकृति दी गई। इस प्रकार बैठक में कुल 7 सामुदायिक एवं 98 व्यक्तिगत, यानी 105 वन अधिकार दावों को मंजूरी प्रदान की गई।



बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक श्रीमती प्रीति मर्सकोले, अधीक्षण यंत्री एमपीईबी श्री दीपक उइके, कार्यपालन यंत्री वैनगंगा संभाग श्री योगेंद्र सिंह ठाकुर, जल संसाधन सर्वेक्षण संभाग के कार्यपालन यंत्री श्री घनश्याम मरावी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कई प्रस्तावों को मिली मंजूरी

प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों और जिला सहकारी बैंकों के चुनाव अभी नहीं

भोपाल। मध्य प्रदेश में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) और जिला सहकारी बैंकों के चुनाव एक साल के लिए टाल दिए गए हैं। सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। नई पैक्स समितियों के गठन और परिसीमन की प्रक्रिया के चलते यह फैसला लिया गया है। पैक्स के प्रतिनिधि ही जिला सहकारी बैंकों के चुनाव में मतदाता होते हैं, इसलिए बैंक चुनाव भी अब पैक्स चुनाव के बाद होंगे। कैबिनेट ने नौ जिला सहकारी बैंकों को अंश पूंजी देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। कैबिनेट बैठक के बाद एमएसएमई मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने मीडिया को फैसलों की जानकारी दी।

गौरतलब है कि प्रदेश की 4,500 से अधिक प्राथमिक कृषि साख समितियों के आखिरी चुनाव 2013 में हुए थे। पांच साल का कार्यकाल 2018 में समाप्त हो गया। इसके बाद से चुनाव लंबित हैं। वर्ष 2021 के 38 जिला सहकारी केंद्रीय बैंक सहकारी ऋण व्यवस्था की आठम कड़ी हैं। इनके संचालक मंडल का चुनाव प्राथमिक समितियों के प्रतिनिधियों के जरिए होता है। पैक्स के चुनाव लंबित होने से जिला बैंकों की निर्वाचन प्रक्रिया भी प्रभावित हुई है। हालांकि, सभी 38 बैंकों के चुनाव लंबित होने का दावा सरकारी रिकॉर्ड से पुष्ट नहीं है। अपेक्स बैंक के निर्वाचित संचालक मंडल का पांच साल का कार्यकाल 18 नवंबर 2014 को समाप्त हुआ था। इसके बाद 13 मई 2015 को संचालक मंडल हटाकर प्रशासक नियुक्त कर दिया गया। यानी 2014 के बाद से बैंक में निर्वाचित संचालक मंडल नहीं है।

नई पैक्स समितियों के गठन के बाद होगी वोटिंग

नई पैक्स समितियों के गठन और उनके परिसीमन की प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए यह फैसला



लिया गया है (प्रथम चरण में 637 नए एम-पैक्स के गठन की कार्यवाही जारी है)। पैक्स के प्रतिनिधि ही जिला सहकारी बैंकों के चुनाव में मतदाता होते हैं, इसलिए बैंक चुनाव भी पैक्स चुनाव के बाद ही कराए जाएंगे। अब बैंकों के चुनाव पैक्स समितियों के चुनाव संपन्न होने के बाद आयोजित किए जाएंगे। मध्य प्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम-1960 के तहत चुनाव होने तक इन संस्थाओं में प्रशासकों के माध्यम से व्यवस्था जारी रहेगी, ताकि समर्थन मूल्य पर फसल खरीदी और किसानों की खाद-बीज वितरण जैसे कार्यों में बाधा न आए।

9 जिला सहकारी बैंकों को मिलेगी अंश पूंजी

पिछले साल 50-50 करोड़ रुपए की अंश पूंजी पाने वाले छह जिला सहकारी बैंकों में से बेहतर प्रदर्शन करने वाले पांच बैंकों को 25-25 करोड़ रुपए अतिरिक्त दिए जाएंगे। इनमें रीवा, सतना, दतिया, शिवपुरी और जबलपुर शामिल हैं। वहीं रायसेन, मुरैना, सागर और सीधी के चार नए जिला सहकारी बैंकों को 50-50 करोड़ रुपए की अंश पूंजी दी जाएगी।

2 दिसंबर को अफसरों का नीति चिंतन, 21-22 को चिंतन शिविर

सरकार के तीन साल के कामकाज की समीक्षा और 2047 तक विकसित मध्यप्रदेश बनाने के विजन पर 2 दिसंबर को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वरिष्ठ अधिकारियों का नीति चिंतन होगा। इसमें आठ सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके निष्कर्षों के आधार पर 21 और 22 दिसंबर को मंत्रियों और विधायकों का चिंतन शिविर होगा। इसमें सरकार के अगले दो साल की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। वहीं, विधानसभा का शीतकालीन सत्र 7 से 11 दिसंबर तक चलेगा। इसमें अनुपूरक बजट और कई शासकीय संकल्प प्रस्तुत किए जाएंगे।

खनिज राजस्व 30 हजार करोड़ रुपए करने का लक्ष्य

प्रदेश में खनिज रॉयल्टी से वर्तमान में 12,170 करोड़ रुपए की आमदनी होती है। इसे बढ़ाकर 30 हजार करोड़ रुपए करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए प्रदेश को तीन हिस्सों में बांटकर खनिज निगम लिमिटेड के माध्यम से नया सर्वे कराया जाएगा। पुराने आंकड़ों का भी विश्लेषण होगा। नई खदानों के विकास पर हर साल 70 से 80 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है।

46,500 घरों तक बिजली पहुंचाने के लिए 193 करोड़ मंजूर

ग्रामीण क्षेत्रों में 20 से अधिक घरों वाली आबादी के 1,834 मजरें-टोलों के 46,500 घरों तक बिजली पहुंचाने के लिए 193 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी गई है। इसमें केंद्र और राज्य सरकार की हिस्सेदारी रहेगी। 20 से कम घरों वाली छोटी बस्तियों और मोहल्लों का विद्युतीकरण राज्य सरकार अपने खर्च पर करेगी।

एकात्म धाम परियोजना जारी रहेगी, तीन जगह बनेंगे ट्राइबल कैफे

ओंकारेश्वर में 2,424 करोड़ रुपए की लागत से बन रही एकात्म धाम परियोजना को जारी रखने की मंजूरी दी गई है। इसका मुख्य काम आगामी सिंहस्थ से पहले पूरा करने का लक्ष्य है। मांडू, कान्हा-किसली और पेंच में ट्राइबल कैफे स्थापित किए जाएंगे। यहां विदेशी पर्यटकों को जनजातीय खान-पान और संस्कृति से परिचित कराया जाएगा। जनजातीय उत्पादों को जीआई टैग दिलाने के लिए भी आवेदन किए गए हैं।

2027 युवा वर्ष, साल में दो बार होगी पीएससी परीक्षा

प्रदेश में वर्ष 2027 को युवा वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। इसके तहत मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की परीक्षाएं साल में दो बार आयोजित की जाएंगी। इसके लिए परीक्षा कैलेंडर भी जारी किया गया है। भोपाल के नाथू बरखेड़ा में 1,000 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के पहले चरण का शुभारंभ भी हो गया है।

ग्वालियर टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन में 25 उद्योगपतियों को जमीन

जुलाई में ग्वालियर में शुरू हुए टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन में नवंबर तक 25 उद्योगपतियों को जमीन आवंटित की गई है। यहां निवेश के लिए 40 नए आवेदन भी मिले हैं। स्वामित्व योजना के तहत प्रदेश में अब तक 26 लाख से अधिक रजिस्ट्रियां हो चुकी हैं।

एचपीवी वैक्सीनेशन में 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल

बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए चलाए गए एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान में मध्यप्रदेश ने 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया है। इस उपलब्धि के साथ प्रदेश देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल हो गया है।

गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना जारी रहेगी

देसी नस्ल की गायों के पालन को प्रोत्साहित करने वाली गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना जारी रहेगी। इसके तहत प्रतिदिन छह लीटर से अधिक दूध देने वाली देसी गायों के पशुपालकों को ग्राम और ब्लॉक स्तर पर एक-एक लाख रुपए का पुरस्कार दिया जाता है।

7 संगठनात्मक संभागों में बांटा जाएगा मप्र

भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा अब संगठन को केवल चुनावी गतिविधियों तक सीमित रखने के बजाय उसे सरकार के कामकाज और योजनाओं के क्रियान्वयन से सीधे जोड़ने की तैयारी में है। इसके लिए पार्टी के मौजूदा संगठनात्मक ढांचे में बड़े बदलाव की कवायद चल रही है। प्रदेश को 13 संगठनात्मक संभागों के बजाय सात संभागों में बांटने का प्रस्ताव है। खास बात यह है कि प्रत्येक संभाग में संगठन की कमान पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी के साथ सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री को भी सौंपी जाएगी। इस व्यवस्था के जरिए संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल बनाने के साथ क्षेत्रीय स्तर पर जवाबदेही तय करने की कोशिश होगी।

भाजपा की इस प्रस्तावित व्यवस्था में संगठनात्मक जिम्मेदारियों के साथ विकास और प्रशासनिक कामकाज की निगरानी भी महत्वपूर्ण होगी। वरिष्ठ मंत्रियों को अपने प्रभार वाले संभागों में नियमित दौरे करने होंगे। महीने में दो से तीन बार संभागीय मुख्यालय पहुंचकर उन्हें संगठनात्मक गतिविधियों के साथ केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति तथा विकास कार्यों की समीक्षा करनी होगी। हालांकि जिलों के प्रभारी मंत्री पहले की तरह अपनी जिम्मेदारी निभाते रहेंगे, लेकिन संभाग स्तर पर समग्र निगरानी वरिष्ठ मंत्रियों के हाथ में होगी।

मंत्रियों के प्रभार में भी होगा फेरबदल

प्रस्तावित व्यवस्था में दोनों उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल के अलावा कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल, राकेश सिंह, राव उदय प्रताप सिंह और कुंवर विजय शाह को संभागों की जिम्मेदारी दिए जाने की चर्चा है। इसके साथ ही मंत्रियों के मौजूदा जिला प्रभारों में भी बदलाव हो सकता है। संभावना है कि उनकी जिम्मेदारी सीमित कर दी जिलों के बजाय एक जिले का प्रभार दिया जाए। यह जिला उसी संभाग में होगा, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित मंत्री को सौंपी जाएगी। इस बदलाव का मकसद मंत्रियों को सीमित भौगोलिक क्षेत्र में अधिक समय देने और विकास कार्यों की नियमित निगरानी के लिए जवाबदेह बनाना है। इससे संगठन को भी सरकार के कामकाज का फीडबैक सीधे मिल सकेगा।

कोर कमेटियों में नए चेहरों को मौका

संगठनात्मक फेरबदल केवल संभागों तक सीमित नहीं रहेगा। प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक पार्टी पदाधिकारियों और समितियों की सक्रियता का आकलन किया जाएगा। इसमें कोर कमेटियों पर विशेष फोकस रहेगा। प्रस्तावित बदलाव के तहत विधायकों और चुनाव हार चुके नेताओं को कोर कमेटियों से बाहर रखने की तैयारी है। इन नेताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में संगठनात्मक गतिविधियों पर ध्यान देने के लिए कहा जाएगा। उनकी जगह सक्रिय युवा कार्यकर्ताओं और ऐसे नेताओं को मौका देने की रणनीति है, जो लगातार संगठन के काम में जुड़े हैं। पार्टी का जोर अब पद और राजनीतिक हैसियत के बजाय संगठन में वास्तविक सक्रियता को प्राथमिकता देने पर है। यदि यह व्यवस्था लागू होती है तो जिला स्तर पर लंबे समय से प्रभावशाली रहे कई नेताओं की भूमिका बदल सकती है।

कार्यसमिति में पुराने नेताओं की वापसी की तैयारी

एक तरफ कोर कमेटियों में बदलाव की तैयारी है, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश कार्यसमिति का विस्तार कर संगठन की मुख्यधारा से दूर हो चुके वरिष्ठ नेताओं को फिर जोड़ने की योजना है। वर्तमान में प्रदेश कार्यसमिति में 106 सदस्य और 41 स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं। इनमें 34 महिला नेत्रियां भी शामिल हैं। प्रस्ताव के मुताबिक प्रत्येक जिले से दो-दो नए सदस्यों को कार्यसमिति में शामिल किया जा सकता है। इनमें ऐसे वरिष्ठ नेताओं को प्राथमिकता मिलेगी, जो लंबे समय तक पार्टी के लिए काम कर चुके हैं, लेकिन फिलहाल संगठन की सक्रिय गतिविधियों से दूर हैं। कुछ जिलों से युवा और सक्रिय चेहरों को भी प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। इसी सिलसिले में 18 नवंबर को भोपाल में हुई बैठक में सभी जिला अध्यक्षों से दो-दो नामों की सूची मांगी गई है। इससे संकेत मिल रहे हैं कि पार्टी संगठन में एक ओर पुराने अनुभवी नेताओं को जगह देने की तैयारी कर रही है, तो दूसरी ओर नई पीढ़ी को भी आगे लाना चाहती है।

प्रदेश के विकास और जनकल्याण के लिए 7 हजार करोड़ से अधिक की मंजूरी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में सोमवार को मंत्रालय में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में प्रदेश के समग्र विकास, बुनियादी ढांचे के विस्तार और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में 7 हजार करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृतियां दी गईं। निर्णयों की जानकारी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने दी। मंत्रि-परिषद ने ओंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम में अद्वैत लोक के निर्माण के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक 2,278 करोड़ 99 लाख रुपये मंजूर किए। इस परियोजना के तहत शंकर संग्रहालय, माया गैलरी, हाईस्क्रीन थियेटर, लेजर लाइट-वाटर एंड साउंड शो, अद्वैत नर्मदा विहार, कला वीथिका, निदिध्यासन केंद्र, शंकर स्तंभ और कलाग्राम सहित विभिन्न आकर्षण विकसित किए जाएंगे। इनके माध्यम से आचार्य शंकर के जीवन, योगदान और अद्वैत वेदान्त दर्शन को प्रदर्शित किया जाएगा।

प्रदेश के नौ कमजोर जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों की वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए 325 करोड़ रुपये की अंशपूंजी सहायता स्वीकृत की गई। रीवा, सतना, दतिया, शिवपुरी और जबलपुर को 25-25 करोड़ तथा रायसेन, मुरैना, सागर और सीधी को 50-50 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के लंबित निर्वाचन एक वर्ष आगे बढ़ाने का निर्णय भी लिया गया।

अद्वैत लोक निर्माण के लिए 2,278.99 करोड़, 46 हजार से अधिक घरों में बिजली पहुंचाने की कार्ययोजना स्वीकृत

आरडीएसएस योजना के तहत 1,834 बसाहटों के 46,574 घरों और 54 शासकीय संस्थानों के विद्युतीकरण के लिए 193.72 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। इसमें केंद्र का 60 प्रतिशत और राज्य का 40 प्रतिशत अंश होगा।

इसके अलावा सामान्य प्रशासन विभाग की 23 योजनाओं को पांच वर्ष जारी रखने के लिए 3,059.07 करोड़ तथा मुख्यमंत्री वैवेकिक अनुदान योजना के लिए 1,165 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। खनिज अन्वेषण नीति के क्रियान्वयन के लिए राज्य खनिज निगम को एजेंसी नियुक्त करने की मंजूरी भी दी गई।

नए साल से पहले 300 अफसरों की खुलेगी किस्मत

- 3 से 15 दिसंबर तक आईएएस से लेकर तहसीलदार संवर्ग तक की डीपीसी

- 2003 बैच को प्रमुख सचिव, 2011 को सचिव और 2014 बैच को मिलेगी अपर सचिव पद की जिम्मेदारी

भोपाल। मध्यप्रदेश की नौकरशाही में दिसंबर का पहला पखवाड़ा पदोन्नतियों के नाम रहने वाला है। मंत्रालय से लेकर जिला प्रशासन तक अधिकारियों को पदोन्नति का रास्ता एक साथ खुलने जा रहा है। खास बात यह है कि इस बार सरकार ने अलग-अलग संवर्गों की विभागीय पदोन्नति समितियों (डीपीसी) की बैठकें एक ही समयावधि में कराने की तैयारी की है। 3 से 15 दिसंबर के बीच प्रमुख सचिव, सचिव, अपर सचिव से लेकर तहसीलदार, डिप्टी कलेक्टर, ज्वाइंट कलेक्टर और एडिशनल कलेक्टर तक के प्रमोशन पर विचार होगा। नए साल की शुरुआत पदोन्नति आदेशों के साथ होने की संभावना है। इस कवायद में आईएएस और राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के अलावा मंत्रालय के कर्मचारियों तथा निजी सचिव संवर्ग को भी पदोन्नति का लाभ मिलेगा। अनुमान है कि अलग-अलग संवर्गों में 200 से 300 अधिकारियों-कर्मचारियों को पदोन्नति मिल सकती है। इनमें आईएएस अधिकारियों की संख्या 40 से 50 के बीच रहने की संभावना है। कुछ अधिकारियों को पदोन्नति के बजाय क्रमोन्नति का लाभ भी मिलेगा।

आईएएस संवर्ग में इस बार तीन बैच के अधिकारियों को अगली जिम्मेदारी मिलने जा रही है। वर्ष 2003 बैच के संजय गोयल, निशांत वरवडे और ध्यानेश्वर बी. पाटिल प्रमुख सचिव बनेंगे। इनमें पाटिल फिलहाल केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। वहीं 2011 बैच के करीब 24 आईएएस अधिकारी सचिव पद पर पदोन्नत होंगे। इस सूची में चीएस चौधरी कोलसानी से शुरुआत होगी। ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान भी सचिव बनेंगी। इसी तरह 2014 बैच के अधिकारियों को अपर सचिव पद पर पदोन्नति मिलेगी। इन अधिकारियों के नाम मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली विभागीय पदोन्नति समिति के सामने रखे जाएंगे।

मंत्रालय के कर्मचारियों से लेकर जिला प्रशासन तक प्रमोशन

इस बार पदोन्नति की प्रक्रिया केवल आईएएस अधिकारियों तक सीमित नहीं रहेगी। सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति मंत्रालय के विभिन्न संवर्गों के प्रमोशन पर विचार करेगी। इसमें अंडर सेक्रेटरी से डिप्टी सेक्रेटरी, सेक्शन ऑफिसर से अंडर सेक्रेटरी और मंत्रालय के स्टाफ से सेक्शन ऑफिसर बनने के मामले शामिल होंगे। वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति राजस्व प्रशासन के अधिकारियों की पदोन्नति पर विचार करेगी। इसके तहत तहसीलदार से डिप्टी कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर से ज्वाइंट कलेक्टर और ज्वाइंट कलेक्टर से एडिशनल कलेक्टर बनने के मामले रखे जाएंगे।

एसडीएम से जिला पंचायत सीईओ और एडिशनल कलेक्टर बनने का मौका

जिला प्रशासन में पदस्थ पात्र एसडीएम को भी अगली जिम्मेदारी मिल सकती है। उन्हें जिला पंचायत सीईओ अथवा एडिशनल कलेक्टर के पद पर पदोन्नति दी जाएगी। असिस्टेंट कलेक्टर से एडिशनल कलेक्टर बनने के मामलों पर भी विचार होगा। इसके अलावा निजी सचिवों को नए साल में स्टाफ ऑफिसर बनने का अवसर मिलेगा। इस पूरी प्रक्रिया के लिए अलग-अलग संवर्गों की कमेटियों को सूचित कर दिया गया है। सरकार की कोशिश है कि दिसंबर के पहले पखवाड़े में सभी विभागीय पदोन्नति समितियों की बैठकें पूरी कर ली जाएं, ताकि नए साल में आदेश जारी करने का रास्ता साफ हो सके। एक तरफ प्रदेश में पदोन्नति की प्रक्रिया तेज होने जा रही है, वहीं दूसरी तरफ कुछ आईएएस अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने की तैयारी में हैं। 2013 बैच के आईएएस और ट्रेजरी कमिश्नर अमनबीर सिंह बैंस को राज्य सरकार ने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने की मंजूरी दे दी है।

सिंहस्थ 2028 से पहले मप्र पुलिस का सैटेलाइट नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत पुलिस की संचार व्यवस्था को आधुनिक और मजबूत बनाने की योजना तैयार की जा रही है। इसके लिए करीब 74 करोड़ रुपये की लागत से पुलिस का सैटेलाइट नेटवर्क विकसित करने की तैयारी में है। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद प्राकृतिक आपदा, भूकंप, बाढ़ या चक्रवात जैसी परिस्थितियों में पुलिस का संचार तंत्र प्रभावित नहीं होगा। मोबाइल टावर और फाइबर लाइन बंद होने की स्थिति में भी पुलिसकर्मी इंटरनेट और संचार सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकेंगे।

प्रस्तावित योजना के तहत प्रदेश के तीन स्थानों पर 15-15 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में हाईटेक नेटवर्क कवरेज तैयार किया जाएगा। इसके लिए ऑप्टिकल फाइबर केबल, इंटरनेट लीज लाइन और सैटेलाइट इंटरनेट को आपस में जोड़ा जाएगा। सामान्य परिस्थितियों में पुलिस को लीज लाइन से इंटरनेट मिलेगा, जबकि आपातकाल में सैटेलाइट नेटवर्क बैकअप के रूप में काम करेगा। इसमें एक साथ तीन अलग-अलग माध्यमों से संचार सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

साइबर सुरक्षा पर जोर

योजना में पुलिस के लिए विशेष साइबर सुरक्षा ईतंजाम भी किए जाएंगे। चुनिंदा मोबाइल नंबरों को सैटेलाइट सुविधा से जोड़ा जाएगा। साथ ही नेटवर्क की सुरक्षा के लिए चीपीएन, फायरवॉल और अन्य आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल होगा। पुलिस मुख्यालय का मानना है, बड़े आयोजनों में लाखों लोगों की आवाजाही के दौरान नेटवर्क पर दबाव बढ़ जाता है।

सिंहस्थ 2028 जैसे विशाल आयोजन में यह व्यवस्था पुलिस और राहत-बचाव टीमों के बीच संपर्क बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस बड़े आयोजन में कानून व्यवस्था की दृष्टि से सैटेलाइट नेटवर्क बहुत उपयोगी साबित होगा।

पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा स्थगित करने पर माकपा ने सरकार को घेरा

भोपाल। कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा 7,500 पुलिस आरक्षकों की भर्ती परीक्षा अचानक स्थगित किए जाने पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने इसे लाखों बेरोजगार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताते हुए परीक्षा की नई तिथि तत्काल घोषित करने की मांग की है। माकपा के राज्य सचिव जसविंदर सिंह ने जारी बयान में कहा कि पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा 19 से 22 नवंबर के बीच आयोजित होनी थी, लेकिन इसे अचानक स्थगित कर दिया गया। परीक्षा की तैयारी कर रहे 7.54 लाख अभ्यर्थियों को इस फैसले से निराशा हुई है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों ने महीनों तक कोचिंग और परीक्षा की तैयारी पर हजारों रुपये खर्च किए हैं। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों से 500 रुपये और आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों से 250 रुपये आवेदन शुल्क भी लिया गया है। जसविंदर सिंह ने कहा कि भर्ती के लिए आए आवेदनों से प्रदेश में बेरोजगारी की गंभीर स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। कुल 7.54 लाख आवेदकों में 42 पीएचडी धारक, 11,961 इंजीनियर, 51,381 स्नातकोत्तर और 3.26 लाख स्नातक अभ्यर्थी शामिल हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा आयोजित करने में सरकार और कर्मचारी चयन मंडल की अक्षमता का खामियाजा युवाओं को भुगतना पड़ रहा है। माकपा ने मांग की है कि भर्ती प्रक्रिया में अनिश्चितता समाप्त कर बिना देरी नई परीक्षा तिथि घोषित की जाए, ताकि अभ्यर्थियों का समय और भविष्य प्रभावित न हो।

कलेक्टरी से मंत्रालय तक बदलेगी अफसरों की भूमिका

- प्रमोशन की कतार में आईएएस, दिसंबर में पदोन्नति के बाद जनवरी में प्रशासनिक जमावट की तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में नए साल की शुरुआत प्रशासनिक फेरबदल के साथ होने के आसार हैं। दिसंबर में आईएएस अधिकारियों की पदोन्नति और जनवरी में नई पदस्थापनाओं को लेकर मंत्रालय में कवायद शुरू हो गई है। इसका असर केवल मंत्रालय के विभागों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जिलों की कमान संभाल रहे कई कलेक्टरों की भूमिका भी बदल सकती है। यानी नए साल में कुछ जिलों को नए कलेक्टर मिलेंगे, जबकि मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारियों का नए सिरे से बंटवारा होगा।

प्रशासनिक स्तर पर इस बदलाव की एक बड़ी वजह वरिष्ठता के आधार पर होने वाली पदोन्नतियां हैं। दिसंबर के अंतिम सप्ताह में प्रमोशन आदेश जारी होने की संभावना है। इसके बाद जनवरी के पहले पखवाड़े में तबादला सूची जारी हो सकती है। ऐसे में दिसंबर का आखिरी सप्ताह प्रशासनिक गलियारों में महत्वपूर्ण रहने वाला है।

प्रमोशन के बाद खाली होंगी जिलों की कुर्सियां

प्रमोशन की प्रक्रिया में उप सचिव से लेकर प्रमुख सचिव स्तर तक के अधिकारी शामिल होंगे। पदोन्नति के बाद कुछ अधिकारियों को मंत्रालय में सचिव और प्रमुख सचिव स्तर की जिम्मेदारी मिल सकती है। वहीं, वर्तमान में जिला कलेक्टर के रूप में पदस्थ कुछ अधिकारियों को भी मंत्रालय या अन्य महत्वपूर्ण विभागों में पदस्थ किया जा सकता है। ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान का सचिव स्तर पर पदोन्नत होना इसी संभावित बदलाव का एक उदाहरण है। उनके सहित जिन अधिकारियों की पदस्थापना मंत्रालय में होती है, उनके जिलों में नए कलेक्टरों की नियुक्ति करनी होगी। इससे तबादलों की पूरी श्रृंखला बन सकती है।

युवा आईएएस को मिल सकता है जिले का मौका

इस प्रशासनिक फेरबदल में 2017 बैच के आईएएस अधिकारियों पर भी नजर रहेगी। इस बैच में राज्य प्रशासनिक सेवा से पदोन्नत होकर आईएएस बने एक-दो अधिकारियों को कलेक्टर बनाने पर विचार किया जा सकता है। हालांकि, अंतिम निर्णय अधिकारियों के अनुभव, प्रशासनिक प्रदर्शन और शासन की जरूरतों के आधार पर होगा। युवा अधिकारियों को जिलों की कमान देने के पीछे प्रशासनिक अनुभव बढ़ाने के साथ मैदानी स्तर पर नई टीम तैयार करने की रणनीति भी हो सकती है। ऐसे अधिकारियों के लिए कलेक्टरी भविष्य में संभागीय और मंत्रालय स्तर की जिम्मेदारियों का आधार बनती है।

11 जिलों में बदलाव के बाद फिर बनेगा समीकरण

हाल ही में प्रदेश के 11 जिलों में कलेक्टर बदले गए हैं। इसके बाद अब पदोन्नति आधारित फेरबदल की तैयारी है। ऐसे में इस बार होने वाले बदलाव को सामान्य तबादला सूची के बजाय प्रशासनिक जमावट के अगले चरण के रूप में देखा जा रहा है।

भारतीय टीम के हाथ से फिसला जीत का अवसर

फिलिप्स और मिशेल की साझेदारी से न्यूजीलैंड ने पहला टेस्ट ड्रॉ कराया

वेलिंगटन (ईएमएस)। ग्लेन फिलिप्स और डेरिल मिशेल के बीच हुई शानदार साझेदारी से मेजबान न्यूजीलैंड ने यहां भारतीय टीम के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच को ड्रॉ कराने में सफलता हासिल की है। इसी के साथ ही भारतीय टीम के हाथ आया जीत का सुनहरा अवसर निकल गया। मैच के पांचवे यह अंतिम दिन भारतीय टीम को जीत के लिए आठ विकेट चाहिये थे जो उसके गेंदबाजी नहीं ले पाये। मेजबान बल्लेबाजों ग्लेन फिलिप्स और डेरिल मिशेल ने धैर्य और संयम से खेलते हुए अंत तक विकेट पर टिके रहकर अपनी टीम की हार से बचा दिया। इन दोनो ने ही भारतीय गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसा दिया। ऐसे में भारतीय टीम विशाल बहुत के बाद भी कीवी बल्लेबाजों पर दबाव नहीं डाल पायी।

मैच में भारत ने पहले अपनी दूसरी पारी 9 विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित की थी। वहीं मेजबान कीवी टीम ने अपनी पहली पारी में 368 रन बनाये थे। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम को



352 रन की बड़ी बहुत मिली थी। चौथे दिन कीवी टीम ने 2 विकेट पर 119 रन बनाये थे। अंतिम दिन भारतीय गेंदबाजों ने अच्छी शुरुआत की। जसप्रीत बुमराह ने टॉम लैथम को शून्य पर और प्रसिद्ध कृष्णा ने हेनरी निकोल्स को 31 रन पर आउट कर मेजबानों पर दबाव बढ़ा दिया। पर इसके बाद डेवोन कॉनवे ने 59 रनों की नाबाद पारी खेली, और रचिन रवींद्र के साथ साझेदारी की।

चायकाल तक भारतीय गेंदबाजों ने न्यूजीलैंड के पांच विकेट गिरा दिये। जिससे उन्हें जीत के लिए अंतिम डेढ़ सत्र में केवल पांच विकेट की जरुरत थी। हालांकि, इसके बाद डेरिल मिशेल और ग्लेन फिलिप्स ने जिम्मेदारी से खेलते हुए कोई और विकेट नहीं खोया। दोनों बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का डटकर सामना करते हुए अंतिम 43 ओवर में बल्लेबाजी की।

फिलिप्स (126 गेंदों में 26 रन) और मिशेल (186 गेंदों में 49 रन) बनाकर नाबाद रहे। इन दोनो के बीच 126 रनों की अटूट साझेदारी हुई जिससे टीम हार से बच गयी। वहीं भारतीय टीम की जीत की उम्मीदों पर पानी फिर गया। कोई परिणाम न निकलते देख दोनो कप्तानों ने मैच ड्रॉ घोषित करने का फैसला किया। मैच समाप्त होने के समय न्यूजीलैंड का स्कोर 120 ओवर में पांच विकेट पर 239 रन था। इस ड्रॉ के साथ, भारतीय टीम ने भले ही कई रिकॉर्ड तोड़े, लेकिन वे निर्णायक जीत हासिल करने में असफल रहे, जिससे उन्हें वेलिंगटन टेस्ट में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा।

ऋषभ की आसाधारण पारी देखकर हैरान हुए गावसकर

वेलिंगटन । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत की आक्रामक शतकीय पारी से बेहद प्रभावित हैं। वेलिंगटन में अपनी इस पारी में ऋषभ ने 153 गेंदों में 128 रन बनाये थे जिसमें 10 चौके और छह छक्के शामिल थे। उन्होंने अपने नौवें टेस्ट शतक तक पहुंचने के लिए बेहद आकर्षक तरीका चुना। उन्होंने ऑफ स्पिनर ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर आगे निकलकर मिड-ऑफ के ऊपर से छक्का जड़ा। इस छक्के के साथ ही उन्होंने अपना शतक पूरा किया और आसमान की ओर देखकर जश्न मनाया। इस दौरान गावस्कर को अपनी सीट से उछलते हुए और पूरे उत्साह तथा गर्मजोशी भरी मुस्कान के साथ पंत की इस शानदार उपलब्धि पर तालियां बजाते देखा जा सकता था।

इस शानदार शतकीय पारी के दौरान ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट के कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। वह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया (सेना देशों) में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले एशियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज बन गए। यह उपलब्धि कठिन परिस्थितियों और तेज उछाल वाली पिचों पर उनकी तकनीक और जुझारूपन को दर्शाती है। इसके साथ ही, न्यूजीलैंड की धरती पर किसी भारतीय विकेटकीपर द्वारा बनाया गया यह सर्वोच्च टेस्ट स्कोर भी बन गया, जब पंत ने 128 रन की पारी खेलकर सैयद किरमानी के ऑकलैंड में बनाए गए नाबाद 78 रनों के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

ऋषभ पंत की बल्लेबाजी हमेशा से चर्चा का विषय रही है और यह पारी इस बात का प्रमाण रही कि बेहतरीन प्रदर्शन हर आलोचना को प्रशंसा में बदल देने की ताकत रखता है। उनके पारी देखकर गावस्कर जैसे उनके आलोचक भी प्रशंसक बन गये। गावस्कर ने पूर्व में कई बार ऋषभ के लापरवाही भरे शॉट लगाकर आउट होने की आलोचना की थी।

तिलक के शतक के बाद भी हारी भारत ए टीम

अब सेमीफाइनल में पहुंचने यूएई के खिलाफ दर्ज करनी होगी जीत

दोहा । कप्तान तिलक वर्मा के शानदार शतक के बाद भी यहां हुए राइजिंग एशिया कप टूर्नामेंट में भारत ए की अपने परंपरागत प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान ए के हाथों 48 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस हार से भारतीय टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की राह भी कठिन हुई है। ऐसे में भारतीय टीम को अब 24 नवंबर को यूएई के खिलाफ होने वाला अपना अंतिम मैच हर हाल में जीतना होगा। पाक एक के खिलाफ 314 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ए की टीम 49.1 ओवर में 265 रन ही बना पायी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। वैभव सूर्यवंशी पहले विकेट के रूप में सस्ते में आउट हुए। इसके बाद तिलक वर्मा ने सात चौके और एक छक्के की मदद से 100 रन की शतकीय पारी खेली, लेकिन उनकी 149 गेंदों की यह पारी रन गति के हिसाब से उतनी तेज नहीं थी जितनी लक्ष्य हासिल करने के लिए आवश्यक थी। वहीं दूसरे छोर पर अभिषेक शर्मा ने 42 गेंदों में छह चौके और छह छक्के जड़ते हुए आक्रामक 70 रन बनाए और तेजी से रन बटोरे। अभिषेक ने 31 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन उनके 70 रन बनाकर आउट होने के बाद रन गति धीमी पड़ गई। शाहबाज अहमद ने भी 56 रन का योगदान दिया। हालांकि, इन तीन बल्लेबाजों के अलावा अन्य कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका और टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच पायी। तिलक और शाहबाज ने सातवें विकेट के लिए 112 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी जरूर की, लेकिन बढ़ती रन गति के दबाव में भारत ए लक्ष्य से दूर होता चला गया। पाकिस्तान ए की गेंदबाजी बेहद प्रभावी रही, जिसने भारतीय बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। अली रजा और हसन नवाज ने तीन-तीन महत्वपूर्ण विकेट लिए, जबकि मोहम्मद हमरान ने दो विकेट हासिल किए। अहमद दानियाल और सुफयान मोकिम को भी एक-एक सफलता मिली। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ए टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और 49.2 ओवर में 313 रन का विशाल स्कोर बनाया था।

तिलक वर्मा ने बताया भारत ए की हार का कारण

दोहा । भारत ए के कप्तान तिलक वर्मा ने एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में पाकिस्तान ए के खिलाफ मिली हार का कारण बताया है। तिलक ने कहा कि इस हार का मुख्य कारण शाहबाज अहमद का आउट होना रहा।

पाकिस्तान ए के खिलाफ 314 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत बिल्कुल अच्छी नहीं रही थी। वैभव सूर्यवंशी और आयुष बडोनी शुरुआत में ही आउट हो गये। अभिषेक शर्मा ने 70 रन की आक्रामक पारी खेली पर उनके आउट होते ही रन गति धीमी हो गयी जिससे अन्य बल्लेबाजों पर दबाव बन गया। जिससे टीम ने 129 रन तक ही अपने छह विकेट खो दिये। ऐसे मुश्किल समय में तिलक ने शाहबाज अहमद के साथ मिलकर पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने सातवें विकेट के लिए 112 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिसने भारत को एक बार फिर जीत की राह पर लौट वर्मा। तिलक ने बताया कि अभिषेक की अच्छी शुरुआत के बाद शाहबाज के साथ उनकी यह साझेदारी कठिन हालातों में टीम के लिए अहम साबित हुई। दोनों ने सूझबूझ से रन बनाये और मुकाबले को अंतिम ओवरों तक ले जाने का प्रयास किया हालांकि तभी शाहबाज आउट हो गये। तिलक ने कहा कि अगर शाहबाज दो ओवर और क्रीज पर टिक जाते तो मुकाबले का परिणाम कुछ और हो सकता था, उन्हें पूरा भरोसा था कि शाहबाज का साथ मिलने पर वह टीम को जीत तक पहुंचा सकते थे।

तिलक ने पाकिस्तान के



गेंदबाजों को भी उनकी जीत का श्रेय दिया। उन्होंने बताया कि दूसरी पारी में शुरुआती 10 ओवर के दौरान पिच से गेंदबाजों को अच्छी स्विंग मिल रही थी। पाकिस्तान के दोनों तेज गेंदबाजों ने सही लाइन और लेंथ पर लगातार गेंदबाजी की, जिससे भारतीय बल्लेबाजों को रन बनाने में काफी परेशानी हुई। तिलक ने यह भी माना कि इस दौरान लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई और रन रेट पर भी असर पड़ा। उन्होंने कहा, अगर बीच के ओवरों में भारतीय बल्लेबाज लगातार विकेट गंवाने से बचते तो मुकाबला 47वें या 48वें ओवर में ही खत्म किया जा सकता था, क्योंकि हमारी साझेदारी मजबूत हो चुकी थी। तिलक वर्मा ने इस मुकाबले में 149 गेंदों पर 100 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें एक छक्का और सात चौके शामिल थे। मुश्किल परिस्थितियों में उन्होंने एक छोर संभाले रखा और आखिरी विकेट के रूप में आउट हुए।

इंग्लैंड के ऑलराउंडर जैक्स ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से बाहर हुए

पांवदे मैच में कप्तानी का अवसर भी हाथ से निकला

सिडनी । इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स हाथ में फैक्चर के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। इससे जैक्स का अंतिम मैच में कप्तानी करने का सपना भी टूट गया। जैक्स की मेलबर्न में खेले गए सीरीज के पहले मुकाबले के दौरान हाथ में गंभीर चोट लगी थी जिसकी जांच में फैक्चर पाया गया जिसके बाद से वो वापस सीरीज से बाहर हो गये। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए जैक्स के सीरीज से बाहर होने की आधिकारिक पुष्टि की। बोर्ड ने बताया कि हाथ की हड्डी में फैक्चर के कारण वह पुरुषों के मौजूदा व्हाइट-बॉल टीरे के शेष मैचों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे और जल्द ही इलाज के लिए इंग्लैंड लौटेंगे।



मैच के बाद इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने विल जैक्स की चोट पर गहरी निराशा व्यक्त की और टीम के लिए उनके योगदान को सराहा। ब्रूक ने कहा कि ऐसे दबाव वाले क्षणों में हर टीम चाहती है कि उसके बड़े खिलाड़ी जिम्मेदारी संभालें और जैक्स भी ऐसा ही कर रहे थे।

इस चोट ने जैक्स से एक बेहद खास उपलब्धि छीन ली है। दरअसल उसे सीरीज के पांचवें और अंतिम टी20 मुकाबले में पहली बार इंग्लैंड की कप्तानी संभालनी थी। तय कार्यक्रम के अनुसार, नियमित कप्तान हैरी ब्रूक को दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टेस्ट टीम से जुड़ने के लिए सीरीज के बीच में ही रवाना होना था, जिसके बाद कप्तानी की बागडोर जैक्स को सौंपने की योजना थी जिस पर अब पानी फिर गया है।

डिविलियर्स का बड़ा दावा, हर खिलाड़ी को सैंडपेपरगेट के बारे में पता था

केपटाउन । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने साल 2018 के सैंडपेपरगेट (गेंद से छेड़छाड़ मामले)को लेकर पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम पर निशाना साधा है। डिविलियर्स ने दावा किया है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के हर एक खिलाड़ी को इस मामले की जानकारी थी। डिविलियर्स ने जोर देकर कहा कि उन्हें इस बात में जरा भी संदेह नहीं है कि टीम ने जानबूझकर गलत काम किया। उनके ये बयान हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर उस्मान ख्वाजा और कैमरून बैनक्रॉफ्ट के इस मामले पर किए गए खुलासों के जवाब में आए हैं, जिसने इस विवाद को एक बार फिर हवा दे दी है। डिविलियर्स ने स्पष्ट किया कि वह यहां किसी व्यक्ति को गलत ठहराने या यह बताने नहीं आए हैं कि कौन सही है और कौन गलत, बल्कि अपनी पक्की राय साझा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गेंद से छेड़छाड़ केवल केप टाउन तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि डरबन और पोर्ट एलिजाबेथ टेस्ट में भी ऐसा हुआ था।

ऋषभ टीम का माहौल सकारात्मक बनाते हैं - जुरेल

वेलिंगटन। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा की है। जुरेल का मानना है कि ऋषभ टीम का माहौल सकारात्मक बनाते हैं। जुरेल के अनुसार उनकी बल्लेबाजी जितनी अच्छी है उतना ही उनका व्यवहार भी है। वह सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हैं। इस चुप क्रिकेटर का कहना है कि उनको बल्लेबाजी देखकर मुझे हैरानी होती है। इसलिए मैं हमेशा से प्रयास करता रहा हूं कि बल्लेबाजी के दौरान उनकी मानसिकता कैसी रहती है इसका मुझे अंदाजा लगाना है। जुरेल के अनसार इसी लिए जब भी मैं उनसे बात करता हूं तो उनकी बल्लेबाजी की रणनीति के बारे में पूछता हूं। कई बार मैंने देखा है कि वह पारंपरिक शॉट की जगह पर आक्रामक रुख अपनाते हुए ऑफ से बाहर निकलकर अलग अंदाज में बल्लेबाजी करते करते हुए बड़े शॉट लगाकर गेंदबाजों को हैरान कर देते हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराया

भोपाल । भारतीय महिला हॉकी टीम ने यहां जारी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक रोमांचक मुकाबले में दक्षिण कोरियाई टीम को 2-1 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम की ओर से मुमताज खान और सुनेलिता टोप्पो ने एक-एक गोल किये। वहीं दक्षिण कोरिया की ओर से एकमात्र गोल यॉन्गुन हॉन ने किया। इसी के साथ ही इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने लगातार दूसरा मुकाबला जीता है।

इस मैच की शुरुआत से ही भारतीय खिलाड़ी हावी रहीं। उन्होंने लगातार आक्रामक कर दक्षिण कोरियाई टीम पर दबाव बनाये रखा। फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने लगातार हमले कर गोल के अवसर बनाए हालांकि वह उन्हें गोल में नहीं बदल पायी। भारतीय टीम की ओर से युवा स्ट्राइकर मुमताज खान ने एक शानदार मैदानी गोल कर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम ने अपना दबदबा बनाए रखा और विरोधी टीम को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं तीसरे क्वार्टर की शुरुआत के केवल चार मिनट बाद ही सुनेलिता टोप्पो ने पेनल्टी कॉर्नर से मिले



रिबाउंड पर गोल कर भारतीय टीम को बढ़त 2-0 कर दी।

वहीं चौथे और अंतिम क्वार्टर में, दक्षिण कोरियाई टीम ने मैच में वापसी के काफी प्रयास किये। की। मैच समाप्त होने से कुछ मिनट पहले, 56वें मिनट में यॉन्गुन हॉन ने एक गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया, जिससे मुकाबला अंतिम क्षणों में रोमांचक हो गया। इस गोल के बाद कोरियाई खिलाड़ियों ने बराबरी के लिए कई हमले किये पर उसे गोल करने में सफलता नहीं मिल पायी। इस प्रकार भारतीय टीम ने 2-1 से मैच अपने नाम किया।

इस जीत के साथ ही भारतय टीम टूर्नामेंट में अपनी स्थिति मजबूत कर दी है। इससे पहले, टीम ने अपने शुरुआती मैच में गुरुवार को मलेशिया को 4-1 के बड़े अंतर से हराया था। लगातार दो मैचों में जीत दर्ज कर भारतीय महिला हॉकी टीम ने टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी को मजबूत किया है और यह दिखाया है कि टीम अपने खिताब को बचाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अब भारतीय महिला हॉकी टीम का अगला मुकाबला थाईलैंड से होगा।

वेलिंगटन टेस्ट ड्रॉ होने से भारत और न्यूजीलैंड को हुआ नुकसान, ऑस्ट्रेलिया को फायदा

वेलिंगटन। यहां न्यूजीलैंड के साथ हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के ड्रॉ होने से अंक तालिका मे बदलाव आया है। इससे भारतीय टीम के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की संभावनाएं कमजोर हुई हैं। वहीं न्यूजीलैंड को भी झटका लगा है। मैच का परिणाम नहीं निकलने से भारतीय टीम के फाइनल में पहुंचने की राह और भी कठिन हो गयी है।

इस ड्रॉ से न्यूजीलैंड को डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में एक स्थान का नुकसान हुआ है। कीवी टीम अब दूसरे की जगह तीसरे नंबर पर खिसक गई है। वेलिंगटन टेस्ट ड्रॉ होने के बाद उनका जीत प्रतिशत 66.67 रह गया है, जो पहले से कम है। वहीं इसका लाभ ऑस्ट्रेलिया को मिला है, जिसने एक स्थान के लाभ के साथ ही दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया का जीत प्रतिशत अब 69.23 हो गया है, जिससे उनकी फाइनल में पहुंचने की दावेदारी मजबूत हुई है। वहीं अंक तालिका में दक्षिण अफ्रीका अभी भी 75 प्रतिशत जीत के साथ शीर्ष स्थान पर मजबूती से बरकरार है, अपनी अजेय स्थिति को बनाए हुए। वहीं भारतीय टीम की उसकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है और वह चौथे स्थान पर बनी हुई है। हालांकि, टीम का जीत प्रतिशत घटकर अब 50 रह गया है, जो फाइनल में पहुंचने की उसकी संभावनाओं के लिए चिंताजनक है। यदि भारतीय टीम को फाइनल में जगह बनानी है, तो उसे अब भविष्य के मैचों में लगातार जीत दर्ज करनी होगी। ऐसे में डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस में बने रहने के लिए भारतीय टीम को अब बेहद कठिन चुनौती का सामना करना होगा। टीम इंडिया को अब कुल 6 टेस्ट मैच खेलने हैं, जिनमें से एक मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ और बाकी के पांच महत्वपूर्ण मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जाने हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि फाइनल में जगह बनाने के लिए भारत को अपने बचे हुए सभी छह मुकाबले जीतना अनिवार्य हो गया है। यह क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में एक कठिन और दबाव भरी चुनौती है, जिसके लिए टीम को असाधारण प्रदर्शन करना होगा। बांग्लादेश 40.74 प्रतिशत जीत के साथ पांचवें नंबर पर कायम है, जबकि पाकिस्तान और इंग्लैंड जैसी अन्य टीमें अभी भी तालिका में निचले पायदान पर संघर्ष कर रही हैं।

लाथम ने टेस्ट ड्रॉ होने पर न्यूजीलैंड टीम के जुझारूपन को सराहा

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान टॉम लाथम ने भारत के खिलाफ पहला टेस्ट ड्रॉ होने पर खुशी जताते हुए अपने खिलाड़ियों की प्रशंसा की है। लाथम ने अपनी टीम के प्रदर्शन पर गहरा संतोष और गर्व व्यक्त किया है। न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने टेस्ट के आखिरी दिन शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम की हार को टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे कप्तान लाथम विशेष रूप से प्रसन्न दिखे।

मैच ड्रॉ होने के बाद लाथम ने कहा, मैं चाकई बहुत प्रभावित हूं। पूरे हफ्ते हमारे कुछ खिलाड़ियों ने, खासकर बल्लेबाजी में, जिम्मेदारी उठाई है। मुश्किल हालात में भी, तीसरी पारी में हम जिस स्थिति में पहुंचे हैं, उसके बाद मैं काफी खुश हूं। उन्होंने टीम के इस चरित्र को रेखांकित किया कि कैसे खिलाड़ी केवल एक या दो व्यक्तियों पर निर्भर रहने के बजाय हर बार मौका मिलने पर आगे आते हैं। लाथम ने जोर दिया कि पिछले कुछ वर्षों से उनकी टीम में यह जज्बा लगातार देखने को मिल रहा है और इस टेस्ट में भी कुछ खिलाड़ियों ने इसी समर्पण का प्रदर्शन किया।

पिच की प्रकृति पर बात करते हुए लाथम ने स्वीकार किया कि यह बेसिन रिजर्व मैदान की वैसी सपाट विकेट नहीं थी जिस पर वे आमतौर पर खेलते हैं। उन्होंने कहा, यह सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन दुनिया में आप कहीं भी जाएं चाहे यहां खेलें या विदेश में सबसे अहम बात होती है कि आप वहां की परिस्थितियों के हिसाब से खुद को कैसे ढालते हैं। कप्तान ने पहली पारी में हेनरी और ग्लेन फिलिप्स के शानदार अनुकूलन की विशेष रूप से प्रशंसा की, जिन्होंने टीम को एक ऐसा स्कोर दिया जिससे वे काफी संतुष्ट थे, खासकर इस मैदान पर बनने वाले औसत स्कोर को देखते हुए।

लाथम ने गेंदबाजी और फील्डिंग इकाइयों के प्रयासों की भी सराहना की, भले ही दूसरी पारी में विकेट से उतनी मदद नहीं मिली जितनी उम्मीद की थी। कीवी कप्तान ने भारतीय टीम के प्रदर्शन की भी सराहा। उन्होंने कहा, हां, वे शानदार थे। वे लगातार पूरी ताकत से गेंदबाजी करते रहे और जितना हो सके विकेट लेने की कोशिश करते रहे।

फॉर्मूला वन रेस को रोमांचक बनाने नये स्वरुप में वी8 इंजनों की होगी वापसी

पेरिस। फॉर्मूला वन रेस को रोमांचक बनाने के लिए संचालन संस्था की संचालन संस्था (एफआईए) ने एक करार किया है। जिसमें सभी टीमों के साथ ही इंजन निर्माता भी शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि साल 2030 से फॉर्मूला 1 में वी8 इंजन को नये रुप में एक बार फिर शामिल किया जाएगा। साल 2013 के बाद वी8 इंजन बंद कर दिये गये थे। ये नये इंजन 2.1-लीटर टर्बोचार्जड वी8 होंगे और पर्यावरण के अनुकूल होंगे। ये सस्टेनेबल ईंधन पर काम करेंगे। जिससे इसमें कम खर्च आयेगा। एफआईए ने कहा, एफआईए ने साल 2030 से लागू होने वाले एफ1 पावर यूनिट नियम पेश किए हैं, जिसमें 2.1 लीटर टर्बोचार्जड वी8 इंजन की मुख्य पावर यूनिट के रूप में चुना गया है। इसमें इंजन की कुछ पुरानी विशेषताओं को भी बरकरार रखा गया है। इसका लक्ष्य रेसिंग को अधिक रोमांचक और आक्रामक बनाना है, जिससे दुनिया भर के प्रशंसक इसका आनंद ले सकें। एफआईए ने कहा कि इस योजना के तहत वी8 पावर यूनिट को एक ऐसे चेसिस के साथ जोड़ा जाएगा जो हल्का और अधिक फुर्तीला होगा। इसमें ड्राइवर के कौशल और करीबी रेसिंग पर ज्यादा जोर दिया जाएगा। गौरतलब है कि अगले माह शंघाई में होने वाली एफआईए वर्ल्ड मोटर स्पोर्ट काउंसिल की बैठक में 2030 के लिए एक निश्चित नियामक ढांचा पेश किया जाएगा। जिसमें सभी नियामक बदलावों को मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। वहीं इसी को लेकर एफआईए के अध्यक्ष मोहम्मद बेन सुलायेम ने कहा कि यह समझौता भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने कहा, यह समझौता फॉर्मूला 1 के भविष्य को आकार देने में मुख्य भूमिका निभाएगा। शुरुआत से ही हमारा लक्ष्य एक ऐसा खेल पेश करना रहा है जो हमारे प्रशंसकों के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी और रोमांचक हो और उन्हें मजा आये।

कार्यालय जिला पंचायत किरनापुर
जिला बालाघाट (म.प्र.)

द्वितीय निविदा सूचना

कार्यालय जनपद पंचायत किरनापुर जिला बालाघाट (म.प्र.) में स्थित काम्प्लेक्स में नव-निर्मित दुकान कमांक 01 से 22 तक को ई-टेंडर नीलामी दिनांक 22.08.2026 से 18.09.2026 तक की गई थी। लेकिन पर्याप्त निविदाकार नहीं होने के कारण नीलाम की कार्यवाई रद्द की गई है।

क्योंकि दूसरी निविदा आमंत्रण निर्धारित शर्तों के अनुसार नीलामी की कार्यवाही में सम्मिलित होने वाले समस्त निविदाकार को सूचित किया जाता है कि प्रमाणित दस्तावेजों सहित एमपीटेंडर्स पोर्टल (https://mptenders.gov.in) पर ऑनलाइन निविदायें दिनांक 26/11/2026 से दिनांक 25/12/2026 को सायं 05:30 बजे तक समस्त आवश्यक जानकारी सहित ऑनलाइन टेंडर कर सकते हैं।

निविदायें दिनांक 2.8/12/2026 को अपराह्न 03:30 बजे जनपद पंचायत कार्यकारी किरनापुर में खोली जायेगी। निविदा सामग्री का विवरण ऑनलाइन पोर्टल (https://mptenders.gov.in) पर उपलब्ध होगा। जनपद पंचायत कॉम्प्लेक्स में निर्मित दुकानों से संबंधित निविदा संबंधी अन्य जानकारी / विवरण कार्यकारी समय में जनपद पंचायत कार्यालय किरनापुर से देखी जा सकती है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत किरनापुर

ऑस्ट्रेलिया के थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट के एशिया पावर इंडेक्स 2026 के अनुसार, शी जिनपिंग के बाद नरेंद्र मोदी को एशिया के सबसे प्रभावशाली नेता

भारत एशिया में तीसरा सबसे ताकतवर देश

नई दिल्ली। भारत एशिया में सबसे ज्यादा प्रभाव रखने वाले देशों में तीसरे नंबर पर है। उसने हाल ही में अपनी स्थिति और मजबूत की है। ऑस्ट्रेलिया के थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट के एशिया पावर इंडेक्स 2026 में भारत का कुल पावर स्कोर बढ़कर 40.5 अंक हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 में भारत का क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ा है। इसमें कूटनीतिक स्थिति, रक्षा सहयोग, सांस्कृतिक पहुंच और भविष्य के संसाधनों में सुधार का योगदान रहा। लिस्ट में अमेरिका पहले नंबर पर है। अमेरिका एशियाई देश नहीं है, लेकिन एशिया में उसका प्रभाव सबसे अधिक है। इसलिए लोवी इंस्टीट्यूट ने उसे इस लिस्ट में रखा है। चीन दूसरे नंबर पर है। भारत की आर्थिक क्षमता का स्कोर घटकर 26.4 अंक हुआ, फिर भी वह इस श्रेणी में तीसरे स्थान पर रहा। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद क्षेत्र का दूसरा सबसे प्रभावशाली नेता माना गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का कुल पावर स्कोर इस साल 0.5 अंक बढ़कर 40.5 हो गया है।

लोवी इंस्टीट्यूट ने भारत की आर्थिक क्षमता में गिरावट की वजह कमजोर रुपए और अर्थव्यवस्थाओं को मापने की इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड की बदली पद्धति को बताया। भारत के विदेशों में निवेश में करीब 20 अरब डॉलर की कमी का भी



उसके प्रदर्शन पर असर पड़ा। इसके बावजूद, भारत के भविष्य के संसाधनों का स्कोर बढ़कर 56.2 अंक हो गया। यह सुधार बेहतर आर्थिक अनुमान और देश के सामने मौजूद अवसरों को दिखाता है। रिपोर्ट ने कहा गया कि 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था और कूटनीति के नतीजे मिले-जुले रहे, लेकिन एशिया में उसका प्रभाव बढ़ा।

कूटनीतिक प्रभाव सबसे मजबूत

कूटनीतिक प्रभाव भारत का सबसे मजबूत क्षेत्र बना रहा। इस श्रेणी में भारत को 70.3 अंक मिले। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के क्षेत्रीय नेतृत्व के आकलन में बड़ा सुधार हुआ। वह तीन स्थान ऊपर पहुंचे और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद दूसरे सबसे प्रभावी क्षेत्रीय नेता बने। भारत ने अपने आर्थिक रिश्तों में भी सुधार किया। वह इस श्रेणी में दो स्थान ऊपर उठकर सातवें स्थान पर पहुंचा। क्षेत्रीय व्यापार और निवेश संबंधों में अपेक्षाकृत स्थिरता से भारत को फायदा हुआ। इससे उसने कई अन्य देशों से बेहतर प्रदर्शन किया।

रक्षा सहयोग और ब्रह्मोस से मजबूत हुए संबंध

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने क्षेत्रीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के साथ दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ अपने सैन्य संबंधों को विस्तार दिया है। ब्रह्मोस मिसाइलों की बिक्री ने भी भारत के रक्षा नेटवर्क को मजबूत करने में भूमिका निभाई है। आर्थिक मोर्चे पर व्यापार और निवेश के स्थिर संबंधों ने भारत को फायदा पहुंचाया है। रिपोर्ट के अनुसार, क्षेत्र में बदलते आर्थिक समीकरणों के बावजूद भारत उन देशों में शामिल रहा, जिनके आर्थिक संबंधों में कमजोरी नहीं आई।

मोदी के कूटनीतिक प्रभाव का भी आकलन

एशिया पावर इंडेक्स में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कूटनीतिक प्रभाव को भी प्रमुखता से दर्ज किया गया है। विशेषज्ञों ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद उन्हें एशिया का दूसरा सबसे प्रभावशाली नेता माना है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष के दौरान भारत की सीमित सक्रियता ने वैश्विक नेतृत्व के रूप में मोदी की भूमिका को लेकर विशेषज्ञों की राय को प्रभावित किया। यानी भारत का क्षेत्रीय कूटनीतिक प्रभाव बरकरार रहने के बावजूद वैश्विक स्तर पर उसकी सक्रियता को लेकर कुछ सीमाएं भी रेखांकित की गई हैं।

अमेरिका-चीन के बीच घटा शक्ति का अंतर

रिपोर्ट का एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष अमेरिका और चीन के बीच शक्ति संतुलन में बदलाव है। अमेरिका को 78.9 और चीन को 73.6 अंक मिले हैं। दोनों के बीच 5.3 अंकों का अंतर 2018 के बाद सबसे कम है। सैन्य क्षमता के मामले में भी दोनों देशों के बीच अंतर अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। अमेरिका के कूटनीतिक प्रभाव में छह अंकों की गिरावट दर्ज की गई है। उसका स्कोर घटकर 76.7 रह गया। रिपोर्ट के अनुसार, यह अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है और लगातार चौथे वर्ष अमेरिकी कूटनीतिक प्रभाव में कमी आई है। इसके पीछे ईरान युद्ध, टैरिफ नीतियों और दक्षिण कोरिया के साथ सैन्य अभ्यास कम करने जैसे कारण बताए गए हैं।

27 देशों और क्षेत्रों का 131 मानकों पर आकलन

लोवी इंस्टीट्यूट का एशिया पावर इंडेक्स कुल 131 मानकों के आधार पर एशिया के 27 देशों और क्षेत्रों की स्थिति का आकलन करता है। इसमें आर्थिक क्षमता, सैन्य शक्ति, रक्षा नेटवर्क, कूटनीतिक प्रभाव, सांस्कृतिक प्रभाव और भविष्य के संसाधनों जैसे पहलुओं को शामिल किया जाता है। दक्षिण-पूर्व एशिया कार्यक्रम और एशिया पावर इंडेक्स के निदेशक हंटर मास्टर्न के मुताबिक, क्षेत्र में उथल-पुथल के बावजूद शक्ति का संतुलन मुख्य रूप से अमेरिका और चीन के बीच बना हुआ है। दोनों देशों का क्षेत्रीय दबदबा कायम है।

बीजेपी 2028 में मप्र, छग और राजस्थान के विधानसभा चुनावों में कर सकती है खेला- सिंह

पीएम मोदी और शाह के लिए राज्यों में सरकार बनाने से ज्यादा केंद्र में बने रहना अहम

नई दिल्ली। देशभर में एसआईआर को लेकर जारी राजनीतिक विवाद और वोट चोरी के आरोपों के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय सिंह ने दावा किया है कि अगला लोकसभा चुनाव जीतने के लिए बीजेपी 2028 में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में होने वाले विधानसभा चुनावों में उल्टा खेला कर सकती है। मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे अजय सिंह ने एक इंटरव्यू में आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश की मौजूदा बीजेपी सरकार 2023 के विधानसभा चुनाव में वोट चोरी के कारण सत्ता में आई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसआईआर और वोट चोरी से जुड़े विवाद के बारे में पूछे जाने पर अजय सिंह ने कहा कि मैं तो गारंटी के साथ कहता हूं कि बीजेपी की सरकारें बनने और बनाने में एसआईआर और ईवीएम का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि मुझे तो लगता है कि अगला लोकसभा चुनाव जीतने के लिए वे 2028 में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान...तीनों प्रांतों में उल्टा खेला कर देंगे, फिर कहने को हो जाएगा कि देखो एसआईआर और मशीनों को लेकर विपक्ष के सारे आरोप निराधार हैं...और फिर लोकसभा चुनाव में वे खेला करके 400 पार कर जाएंगे।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के लिए यह बहुत ही खतरनाक है। उल्टा खेला के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मतलब साफ है कि 2028 में जिन प्रांतों में चुनाव होंगे वहां ज्यादा दखल नहीं दिया जाएगा ताकि कहने को हो जाए कि वोट चोरी जैसी कोई चीज नहीं है। इस आरोप के आधार के बारे में पूछे जाने पर अजय सिंह ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया पर लगातार सवाल उठ रहे हैं और अब इसमें कोई शक नहीं है कि बीजेपी को फायदा पहुंचाने के लिए इस प्रक्रिया के तहत मतदाताओं के नाम ''सुविधानुसार'' जोड़े और हटाए जा रहे हैं।

सात बार के विधायक अजय सिंह ने आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और विपक्ष के सभी बड़े नेता मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर धांधली का मुद्दा प्रमुखता से उठा रहे हैं लेकिन निर्वाचन आयोग चुप है। निर्वाचन आयोग ने वोट चोरी के विपक्ष के आरोपों को ''निराधार और गैर-जिम्मेदाराना'' बताते हुए खारिज किया है। वहीं, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं ने वोट चोरी के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की हैं जिन पर सुनवाई जारी है। सिंह ने दावा किया कि पीएम मोदी और अमित शाह के लिए मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सरकार बनाने से ज्यादा केंद्र की सत्ता में बने रहना अहम है और इसके लिए वे कुछ भी कर सकते हैं।

पुलिसकर्मियों को चाकू मारने वाले का एनकाउंटर

-दिल्ली पुलिस ने 8 राउंड फायर किए; चाकूबाजी के बाद आरोपी बाइक से फरार हो गया था

नई दिल्ली। दिल्ली के जामा मस्जिद थाने में पुलिसकर्मियों को चाकू मारनेवाले का सोमवार शाम एनकाउंटर कर दिया गया। दिल्ली पुलिस ने उस पर 6 गोलियां दागीं। घायल आरोपी को अस्पताल भेजा गया है। पारिवारिक विवाद के मामले में जामा मस्जिद थाने में आरोपी नबील को पूछताछ के लिए लाया गया था। अचानक उसने पुलिसकर्मियों पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में 9 जवान घायल हो गए। थाने में हमले के बाद नबील एक बाइक लेकर फरार हो गया था। पुलिस के मुताबिक नबील दोपहर 2:30 बजे थाने पहुंचा। उसने चाकू छिपाकर रखा था। पूछताछ के दौरान उसने पुलिसकर्मियों के गले और चेहरे पर वार किए और भाग गया। दिल्ली पुलिस की एक टीम ने आरोपी को चितली कबर इलाके में घेर लिया। जहां आरोपी ने दोबारा पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। पुलिस ने एनकाउंटर के दौरान 6 गोलियां चलाईं। आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे पकड़ लिया गया। हमले में घायल 9 पुलिसकर्मियों में तीन की हालत गंभीर है। उन्हें इलाज के लिए सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती किया गया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि नबील के खिलाफ 2022 में दरियागंज पुलिस स्टेशन में पहले से एक केस दर्ज है। उसके खिलाफ जामा मस्जिद और चांदनी महल पुलिस स्टेशनों में भी केस दर्ज किया जा रहा है।

धर्मांतरण के बड़े नेटवर्क का भण्डाफोड़, 10 गिरफ्तार, छह राज्यों में चल रहा था नेटवर्क

अमेठी। यूपी के अमेठी जिले के कमरौली के सिंदुरवा गांव में प्रार्थना सभा की आड़ में कथित धर्म परिवर्तन कराने के मामले में पुलिस ने दस आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसपी सरवणन टी. ने सोमवार को खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी छह राज्यों में सक्रिय थे। रुपये, मेडिकल और पढ़ाई की सुविधाओं का प्रलोभन देकर लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित करते थे। पुलिस को 12 बैंक खाते मिले हैं। करीब 240 लोगों का धर्म परिवर्तन कराने का दावा किया गया है।

एसपी ने बताया कि 22 नवंबर को कमरौली पुलिस को सिंदुरवा रोड स्थित एक मकान में प्रार्थना सभा के जरिये धर्म परिवर्तन कराने की शिकायत मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां आठ बाहरी और दो स्थानीय लोग मौजूद थे। करीब 20 से 25 लोगों को प्रवचन दिया जा रहा था। पुलिस ने मौके की वीडियोग्राफी कराई। तलाशी के दौरान बाइबिल समेत अन्य धार्मिक पुस्तकें और सामग्री बरामद हुई। कोठी पालपुर स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर के पुजारी अश्विनी पांडेय की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की गई।

एसपी के मुताबिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे ईसाई धर्म का प्रचार-प्रसार करते हैं। रिवाइवल चर्च के माध्यम से रुपये, मेडिकल सहायता और पढ़ाई संबंधी सुविधाएं दिलाने का भरोसा देकर लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करते थे। आरोपी पहले राजकुमार उर्फ जुवेल के माध्यम से कुछ लोगों से संपर्क कर चुके थे। पुलिस का दावा है कि आरोपी अनुसूचित जाति बाहुल्य गांवों को चिह्नित करते थे। वहां जरूरतमंद परिवारों से संपर्क कर महिलाओं को प्रवचन में शामिल करते थे। शादी और इलाज में मदद का भरोसा भी दिया जाता था।

एसपी के अनुसार आरोपी करीब छह साल से इस गतिविधि में शामिल थे। तमिलनाडु, पंजाब के गुरदासपुर और लुधियाना, झारखंड के सारायकेला, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में उनकी गतिविधियों की जानकारी मिली है। पुलिस का दावा है कि अलग-अलग राज्यों में करीब 240 लोगों का धर्म परिवर्तन कराया गया। इनमें अमेठी के 20 से 25 लोग भी शामिल बताए गए हैं। आरोपी प्रवचन और प्रचार के लिए अलग-अलग राज्यों में जाते थे। धर्म परिवर्तन करने वाले कुछ लोगों के माध्यम से दूसरे परिवारों तक पहुंच बनाने का भी आरोप है।

पुलिस को जांच में मुंबई के एक चर्च ट्रस्ट से आर्थिक मदद मिलने की जानकारी मिली है। एसपी ने बताया कि आरोपी नकद राशि के रूप में फॉर्म लेते थे। इसकी जांच के लिए आयकर विभाग को सूचना दी गई है। पुलिस को 12 बैंक खाते मिले हैं। इनके लेनदेन और फॉर्म के स्रोत की जांच की जा रही है।

सूखे से निपटने को तैयार महाराष्ट्र सुनेत्रा पवार ने बताए उपाय

मुंबई। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने घोषणा की कि राज्य सरकार सूखे की गंभीर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि प्रभावित 310 तालुकाओं में पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने, प्रभावी जल प्रबंधन और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के मौके पैदा करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। पुणे के बालेवाड़ी स्थित शिव छत्रपति खेल परिसर के दौरे के दौरान उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने कहा कि महायुति सरकार ने किसानों की मदद के लिए जल प्रबंधन की पुख्ता व्यवस्था की है।

उन्होंने बताया कि किसानों को बड़े पैमाने पर चारे की फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिसके लिए उन्हें आवश्यक बीज भी उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त, नहरों और बांधों के आसपास रहने वाले किसानों से भी चारे की खेती करने का आग्रह किया गया है। महायुति सरकार इन किसानों से चारा खरीदेगी, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय होगी। रोजगार सृजन के संबंध में, डिप्टी सीएम पवार ने बताया कि महायुति सरकार ने रोजगार गारंटी योजना के तहत गर्मियों में विभिन्न कार्य कराने का प्रस्ताव रखा है, ताकि अधिक लोगों को काम मिल सके और उनकी आजीविका चलाने में मदद हो सके।

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के कुल 358 तालुकाओं में से 310 को सूखाग्रस्त घोषित किया है। केंद्र से सहायता, विशेष रूप से किसानों को पांच-पांच हजार रुपये की अग्रिम राहत के संबंध में अपेक्षित समयसीमा के सवाल पर, उपमुख्यमंत्री ने कोई निश्चित जानकारी नहीं दी।

सबरीमाला में पम्पा नदी की स्वच्छता पर सख्त नियम, 5,000 जुर्माना

तिरुवंतनपुरम। केरलम के विश्व प्रसिद्ध सबरीमाला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर की तीर्थयात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण चेतावनी जारी की है। पवित्र पम्पा नदी में बहते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। अब पम्पा नदी में कपड़े या किसी भी प्रकार का कचरा फेंककर प्रदूषण फैलाने वाले व्यक्तियों पर 5,000 रुपये तक का तत्काल जुर्माना लगेगा। जिला प्रशासन ने सभी भक्तों से नदी की धार्मिक पवित्रता और पर्यावरणीय स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग की अपील की है।

मकरविलक्कु उत्सव के दौरान, खासकर दिसंबर और जनवरी में, भगवान अयप्पा का आशीर्वाद लेने के लिए देश भर से लाखों भक्त सबरीमाला आते हैं। तीर्थयात्रा के एक अहम हिस्से के रूप में, पवित्र पम्पा नदी में स्नान करने की सदियों पुरानी परंपरा है। हालांकि, देखा गया है कि स्नान के बाद कई श्रद्धालु अपने गीले कपड़े या अन्य सामग्री वहीं नदी में छोड़ देते हैं, इससे नदी में भारी प्रदूषण फैलता है। जिला प्रशासन के अनुसार, उत्सव के दिनों में प्रतिदिन कई टन कपड़े पम्पा नदी में फेंके दिए जाते हैं, जो इसकी पारिस्थितिकी को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा रहे हैं।

इस गंभीर समस्या को देखकर प्रशासन ने धार्मिक परंपरा की आड़ में नदी को प्रदूषित करने की आदत को रोकने के लिए सख्त पाबंदियां लागू की हैं। केरल के मुख्यमंत्री ने भक्तों से सबरीमाला और पम्पा नदी को साफ रखने की अपील की है। उन्होंने श्रद्धालुओं से कपड़े, प्लास्टिक या कोई अन्य कचरा नदी में न फेंकने का आग्रह कर कहा, आइए, इसकी पवित्रता को रक्षा करें और आने वाली पीढ़ियों के लिए नदी को स्वच्छ बनाए रखें।

अब से, पम्पा नदी में प्रदूषण फैलाने पर 5,000 रुपये तक का तत्काल जुर्माना लगाया जाएगा। यह कार्रवाई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 और केरल पंचायत राज अधिनियम, 1994 की संबंधित धाराओं के तहत की जाएगी।

रूस को युद्ध खत्म करने के लिए मनाए भारत

-यह कह नीदरलैंड के विदेश मंत्री ने की मोदी सरकार की तारीफ

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने की कोशिशों में भारत की भूमिका को नीदरलैंड ने अहम बताया है। भारत दौरे पर आए नीदरलैंड के विदेश मंत्री टॉम बेरेंडसन ने कहा कि रूस के साथ भारत के लगातार बने हुए संबंध उसके लिए एक 'ट्रंप्टेड वैल्यू' हैं। भारत इन संबंधों का इस्तेमाल रूस को युद्ध समाप्त करने और सीजफायर स्वीकार करने के लिए प्रेरित करने में कर सकता है।

दो दिवसीय भारत दौरे के दौरान बेरेंडसन ने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और रूस के साथ उसके संबंधों को लेकर कहा कि नीदरलैंड भारत के इतिहास, वैश्विक भूमिका और उसके विभिन्न देशों के साथ संबंधों को समझता है। उन्होंने कहा कि रूस के साथ भारत के रिश्ते ऐसे हैं, जिनका इस्तेमाल वह मास्को को यह समझाने के लिए कर सकता है कि युद्ध समाप्त करना और युद्धविराम स्वीकार करना जरूरी है। बेरेंडसन ने रूस-यूक्रेन संघर्ष के चौथे अनाज की सुरक्षित आवाजाही के लिए संभावित मार्ग की व्यवस्था करने के भारत के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि युद्ध का असर वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर पड़ा है। चलिक सी में वाणिज्यिक जहाजों पर बढ़ते हमलों और यूक्रेन के हालात को लेकर भी चर्चा हुई।

सेमीकंडक्टर और व्यापार सहयोग पर जोर

रविवार को बेरेंडसन ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ पहली विदेश मंत्रियों की बैठक की सह-अध्यक्षता की और भारत-नीदरलैंड रणनीतिक साझेदारी को समीक्षा की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष जयशंकर के साथ उनकी यह छठी मुलाकात है। दोनों देशों के बीच ऊर्जा, सुरक्षा, तकनीक, जल प्रबंधन और कृषि समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। बेरेंडसन ने कहा कि दोनों देश कच्चे माल, तकनीक और ऊर्जा के क्षेत्र में अपनी रणनीतिक निर्भरता कम करने जैसी समान चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने प्रस्तावित भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को भी महत्वपूर्ण कदम बताया। दिसंबर में इसके हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। उन्होंने टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और इच कंपनी एएसएमएल के बीच हुए समझौता ज्ञापन का स्वागत किया। यह समझौता मई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीदरलैंड यात्रा के दौरान गुजरात के धोलेरा में भारत के पहले वाणिज्यिक 300 मिमी सेमीकंडक्टर फैबिकेशन प्लांट को समर्थन देने के लिए हुआ था। बेरेंडसन ने कहा कि यह समझौता केवल दस्तावेज पर हस्ताक्षर तक सीमित नहीं है, बल्कि दोनों देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने की शुरुआत है।

जयशंकर ने कहा कि भारत और नीदरलैंड ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाया है। दोनों देश सेमीकंडक्टर, तकनीक, रक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग बढ़ा रहे हैं, जबकि जल, कृषि और स्वास्थ्य जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में भी सहयोग जारी है।

छह महीने जज रहीं प्रखर जैन, तलाक के मामले देख चुना वैराग्य का मार्ग

दतिया। मध्य प्रदेश के सोनागिर में आयोजित तीन दिवसीय दीक्षार्थी महोत्सव के समापन अवसर पर पांच महिलाओं ने जैन धर्म की दीक्षा लेकर सांसारिक जीवन त्याग दिया। दीक्षा लेने वाली महिलाओं में बैतूल निवासी प्रखर जैन भी शामिल हैं। जिन्होंने महज छह महीने न्यायाधीश के पद पर नौकरी करने के बाद वैराग्य का मार्ग चुना है। प्रखर जैन का बचपन से सपना था, वह न्यायाधीश बनकर पीड़ितों को न्याय दिलाएं। उनका यह सपना पूरा भी हुआ,उन्हें भोपाल में पहली पोस्टिंग मिली।

आवासीय इलाकों में अवैध व्यावसायिक गतिविधियों पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती, 6 जनवरी तक सभी नगर निगमों से मांगा हिसाब

घरों के बीच होटल-रेस्टोरेंट कैसे खुल रहे?

नई दिल्ली/भोपाल। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के आवासीय इलाकों में अवैध व्यावसायिक गतिविधियों और निर्माणों पर सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने सवाल उठाया कि घरों के बीच होटल और रेस्टोरेंट खोलने की अनुमति आखिर कौन दे रहा है? कोर्ट ने इसे भ्रष्टाचार और राजनीतिक हस्तक्षेप से जुड़ी गंभीर समस्या बताते हुए सभी राज्यों की राजधानियों के नगर निगमों और नगरपालिकाओं से 6 जनवरी तक विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। भोपाल में भी नगर निगम की सीलिंग कार्रवाई और उसकी रिपोर्ट पर सवाल खड़े हो गए हैं। रहवासियों ने आरोप लगाया है कि कई प्रतिष्ठान सील होने के बाद दोबारा खुल गए, लेकिन निगम ने अदालत के सामने वास्तविक स्थिति नहीं रखी।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने आवासीय क्षेत्रों का स्वरूप बदलने पर गंभीर सवाल उठाए। अदालत ने पूछा कि आखिर ऐसा कैसे हो सकता है कि आज किसी जगह घर हो और अगले दिन वहां होटल या रेस्टोरेंट खुल जाए। इसके पीछे किसकी अनुमति और किसका संरक्षण है? अदालत ने इस तरह के बदलावों को बड़े भ्रष्टाचार और राजनीतिक हस्तक्षेप से जोड़ते हुए चिंता जताई। पीठ ने यह भी टिप्पणी की कि अवैध निर्माण और भूमि उपयोग के उल्लंघन के लिए स्थानीय निकायों में मानो कॉमत तय है, जिसका भुगतान कर नियमों को ताक पर रखा जा रहा है। इससे शहरों का नियोजित विकास प्रभावित हो रहा है। अदालत ने सवाल उठाया कि आखिर वे कौन से अधिकारी और प्राधिकारी हैं, जो ऐसे निर्माणों को बढ़ावा देने की स्थिति पैदा करते हैं। अदालत का कहना था कि इस समस्या से निपटने के लिए केवल सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि राज्यों के हाईकोर्ट को भी ऐसे मामलों पर ध्यान देना होगा।

भोपाल में 8084 को नोटिस, 190 प्रतिष्ठान बंद

नगर निगम के आंकड़ों के मुताबिक, भोपाल में आवासीय क्षेत्रों में करीब 62 हजार 500 प्रतिष्ठान हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद निगम ने 8084 प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए थे। इसके बाद तीन दिन में 190 प्रतिष्ठानों को बंद कराया गया। हालांकि, कई प्रतिष्ठानों के दोबारा खुलने की शिकायतें सामने आईं। व्यापारियों के विरोध के बाद कार्रवाई भी प्रभावित हुई।

निगम की रिपोर्ट पर रहवासियों की आपत्ति

भोपाल के याचिकाकर्ता विवेक त्रिपाठी ने नगर निगम की अनुपालन रिपोर्ट पर आपत्ति जताई है। उनका आरोप है कि सीलिंग कार्रवाई में भेदभाव हुआ और प्रभावशाली लोगों को संरक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि रहवासी अब जबलपुर हाईकोर्ट खंडपीठ में भी अपना पक्ष रखेंगे।

माउंट आबू में लगातार दूसरे दिन पारा 0 डिग्री सेल्सियस दर्ज

नई दिल्ली। देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम का मिजाज अलग-अलग बना हुआ है। राजस्थान में जहां कड़ाके की ठंड शुरू हो गई है, वहीं मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बादलों और बारिश के कारण रात के तापमान में बढ़ोतरी हुई है। उत्तर प्रदेश और बिहार में घने कोहरे ने जनजीवन और यातायात को प्रभावित किया है।

राजस्थान के माउंट आबू में लगातार दूसरे दिन न्यूनतम तापमान 0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार की सुबह तो यहां गाड़ियों और पेड़-पौधों पर ओस जमी हुई नजर आई। सीकर और उदयपुर समेत राज्य के चार शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। राजधानी जयपुर में न्यूनतम तापमान 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में चक्रवात अकायन के असर से दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है, जबकि बादलों के कारण रात का तापमान बढ़ रहा है। भोपाल में न्यूनतम तापमान 4.1 डिग्री बढ़कर 14.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। मध्य प्रदेश के करीब आधे हिस्से में रविवार को बादल छाए रहे और कुछ जिलों में बारिश भी हुई। मौसम विभाग ने सोमवार को प्रदेश के 13 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है।

उधर, उत्तर प्रदेश और बिहार में घना कोहरा छाया हुआ है। उत्तर प्रदेश में रविवार को प्रयागराज, कौशांबी और प्रतापगढ़ समेत 24 जिलों में कोहरा दर्ज किया गया। बिहार के समस्तीपुर और बेगूसराय में सोमवार सुबह दृश्यता 100 मीटर से भी कम रही। राज्य के 11 जिलों में आज भी घने कोहरे का अनुमान है।

मौसम के साथ हवा की गुणवत्ता पर भी नजर रखी जा रही है।

बालाघाट
मंगलवार 24 नवम्बर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

हाथों में धान की बालियां लेकर ट्रेन रोकने स्टेशन पहुंचे दो सैकड़ा से अधिक किसान

पुलिस ने रास्ते मे रोका, तो की जमकर नारेबाजी, बेरिकेड्स फादने का भी किया प्रयास, 3100रु समर्थन मूल्य सहित किसानों की अन्य मांगो को लेकर निकाली रैली सौपा ज्ञापन, मांगे पूरी न होने पर बड़े आंदोलन की भी चेतावनी





पद्मेश न्यूज। बालाघाट। धान का कटोरा कहे जाने वाले बालाघाट जिले में धान के समर्थन मूल्य और किसानों की लंबित मांगों को लेकर सोमवार को किसानों का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दिया। किसान गर्जना संगठन के नेतृत्व में दो सैकड़ा से अधिक किसान हाथों में धान की बालियां लेकर किसान जन अधिकार आक्रोश रैली निकालते हुए रेलवे स्टेशन पहुंचे। किसानों का उद्देश्य अपनी मांगों को लेकर रेल रोको आंदोलन करना था। हालांकि, रेलवे स्टेशन पहुंचने से पहले ही पुलिस ने भारी बेरिकेडिंग कर किसानों का रास्ता रोक दिया। इससे किसानों में आक्रोश बढ़ गया और उन्होंने भीके पर जमकर नारेबाजी करते हुए बेरिकेड्स फांदकर आगे बढ़ने का प्रयास किया हालांकि ये अपनी इस कोशिश में कामयाब नही हुए, और पुलिस की समझाईश पर मान गए। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारी किसानों के बीच काफी देर तक गहमागहमी का माहौल बना रहा।

वादे के मुताबिक दिया जाए धान का समर्थन मूल्य

किसानों की प्रमुख मांगों में धान का 3100 रुपये प्रति क्विंटल भुगतान, धान का समर्थन मूल्य बढ़ाकर 4500 रुपये प्रति क्विंटल किए जाने तथा पूर्व घोषित बोनस की बकाया राशि का तत्काल भुगतान शामिल है। किसानों का कहना था कि सरकार द्वारा किसानों से किए गए वादों को अब तक पूरी तरह पूरा नहीं किया गया है। धान की खेती में लगातार बढ़ती लागत, खाद, बीज, कीटनाशक और मजदूरी के खर्च के बीच किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं।

दीनदयालपुरम से निकली रैली, स्टेशन रोड़ पर किया प्रदर्शन

अपनी इन्ही मांगो को लेकर किसानों ने सोमवार दोपहर करीब 2 बजे किसान गर्जना संगठन के प्रदेश कार्यालय दीनदयालपुरम से किसान जन अधिकार आक्रोश रैली निकाली। ट्रेन रोकने निकाली गई इस रैली में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे किसान, हाथों में धान की बालियां और अपनी मांगों से संबंधित नारों के साथ शामिल हुए। रैली अंबेडकर चौक, हनुमान चौक होते हुए रेलवे स्टेशन रोड़ पहुंची,यहां बेरिकेडिंग कर पुलिस ने उन्हें पहले ही रोक दिया।बताया गया कि किसानों ने रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर रेल रोको आंदोलन करने की तैयारी की थी, लेकिन पहले से तैनात पुलिस बल ने बेरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया। इसके बाद किसानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। आक्रोशित किसानों ने बेरिकेड्स पार करने का प्रयास भी किया। किसानों का कहना था कि जब तक उनकी आवाज सरकार तक नहीं पहुंचेगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

3100 रुपये के वादे के साथ 4500 रुपये समर्थन मूल्य की मांग

किसान गर्जना संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी के नेतृत्व में आयोजित इस आंदोलन मे संगठन ने केंद्र सरकार से किसानों के साथ किए गए वादे के अनुसार धान का 3100 रुपये प्रति क्विंटल भुगतान सुनिश्चित करने की मांग उठाई। वहीं संगठन ने धान का समर्थन मूल्य 4500 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने और पूर्व में घोषित बोनस की बकाया राशि का तत्काल भुगतान करने की मांग भी प्रमुखता से रखी। किसानों ने कहा कि धान उत्पादन में बालाघाट प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल है, लेकिन यहां के किसानों को अपनी मेहनत और लागत के अनुरूप लाभ नहीं मिल पा रहा है। सरकार को किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनकी मांगों पर निर्णय लेना चाहिए।

मांगें नहीं मानी तो होगा बड़ा आंदोलन

आंदोलन के दौरान किसानों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि उनकी मांगों को लगातार नजरअंदाज किया गया तो आने वाले दिनों में इससे भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा। किसानों का कहना था कि यह आंदोलन केवल समर्थन मूल्य तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों के अधिकार और उनकी आर्थिक स्थिति से जुड़ा हुआ है। संगठन ने सरकार से मांगें पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है।

मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर बालाघाट में उतरने नही देंगे- अरविंद

किसान गर्जना संगठन अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने बताया कि भाजपा ने चुनाव के दौरान किसानों से मोदी गारंटी के नाम पर वादा किया था कि सरकार बनते ही किसानों की धान 31 सौ रुपए में खरीदेंगे लेकिन 3 साल बीतने के बाद भी सरकार अपना वादा पूरा नहीं कर सकी है।यही कारण है कि सरकार को उसका वादा दिलाने के लिए किसान गर्जना ने रेल रोको आंदोलन का आव्हान किया था। उन्होंने सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि यदि सरकार उनकी मांगो पर ध्यान नहीं देती है तो आगामी समय में जब भी मुख्यमंत्री बालाघाट हेलिकाप्टर से आएंगे, तो उन्हें उतरने नहीं दिया जाएगा।

मारपीट में घायल ऑटो चालक की नागपुर में उपचार के दौरान मौतपरिजन ने युवक पर लगाया मारपीट का आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हैदा थाना क्षेत्र के ग्राम बूढ़ी निवासी ऑटो चालक की मारपीट में घायल होने के बाद उपचार के दौरान नागपुर में मौत हो गई। मृतक



ललित पिता धनेश वराड़े 38 वर्ष है। मृतक के परिजन ने ग्राम लिमदेवाड़ा निवासी रूपेंद्र सत्यकर पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद हट्टा पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच भी लिया है। सोमवार 23 नवंबर को मृतक के शव का जिला अस्पताल बालाघाट में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया।

10 नवंबर की रात हुई थी मारपीट

प्राप्त जानकारी के अनुसार ललित वराड़े ऑटो चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके परिवार में माता-पिता के अलावा पत्नी और दो बच्चे हैं। बताया गया है कि 10 नवंबर की रात करीब 11 बजे किसी बात को लेकर उसका विवाद हुआ था। जिसमें उसके साथ मारपीट की गई और वह घायल हो गया था। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों ने 16 एवं 17 नवंबर की दरमियानी रात उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया था।

डॉक्टर और पुलिस चौकी में नहीं थी मारपीट की जानकारी

बताया गया है कि जिला अस्पताल में उपचार के दौरान परिजनों ने डॉक्टरों और पुलिस चौकी को मारपीट की जानकारी नहीं दी थी। जिसके कारण उस समय पुलिस द्वारा मारपीट के संबंध में कोई पूछताछ नहीं की गई। जिला अस्पताल में आराम नहीं मिलने पर परिजन उसे आरोग्य अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे। जहां उपचार कराने के बाद उसे घर ले आए।

गोंदिया से नागपुर किया गया रेफर

घर पर एक-दो दिन तक आयुर्वेदिक उपचार कराने के बाद 19 नवंबर को अचानक ललित की तबीयत फिर बिगड़ गई। इसके बाद परिजन उसे उपचार के लिए गोंदिया स्थित जानकी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां से हालत को देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज नागपुर रेफर कर दिया गया। नागपुर में उपचार के दौरान 22 नवंबर को ललित ने दम तोड़ दिया।

परिजन ने रूपेंद्र सत्यकर पर लगाया मारपीट का आरोप

मृतक के रिश्तेदार मनोज वराड़े निवासी खोड़सिवनी ने बताया कि ललित उनके चाचा का लड़का था। मनोज के अनुसार ग्राम लिमदेवाड़ा निवासी रूपेंद्र सत्यकर ने ललित के साथ मारपीट की थी जिससे वह घायल हो गया था। मारपीट के बाद उसे पहले जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया। वहां से बेहतर उपचार के लिए जानकी अस्पताल गोंदिया और फिर मेडिकल कॉलेज नागपुर ले जाया गया जहां 22 नवंबर को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच

23 नवंबर को ललित का शव गांव लाया गया। इसके बाद ग्राम लीलामेटा थाना परसवाड़ा निवासी शंकर नागेश्वर ने हट्टा थाने पहुंचकर घटना की सूचना दी। सूचना मिलने पर हट्टा पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बालाघाट भिजवाया। जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।हट्टा पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर लिया है। फिलहाल पुलिस मृतक की मौत के कारणों और मारपीट के आरोपों की जांच कर रही है।

चार बच्चों की मां रहस्यमय तरीके से लापता अपहरण कर बंधक बनाने की आशंका

पद्मेश न्यूज। बैहर। बालाघाट जिले के बैहर थाना क्षेत्र के ग्राम झारखेड़ा से चार बच्चों की मां 39 वर्षीय ममता बाई तायम के अचानक लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों द्वारा आसपास के गांवों और रिश्तेदारों के यहां तलाश किए जाने के बावजूद महिला का कोई सुराग नहीं मिला। पति ने किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर अपहरण कर किसी गुप्त स्थान पर बंधक बनाकर रखने की आशंका जताई है। शिकायत पर बैहर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत मामला दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम झारखेड़ा निवासी सुकेश ताराम खेती-किसानी करते हैं। उनके परिवार में पत्नी ममता बाई और चार बच्चे हैं। बताया गया है कि 20 नवंबर को सुबह करीब 10 बजे सुकेश धान कटाई के काम से खेत चले गए थे। उस समय घर पर उनकी पत्नी ममता और बेटी सानू मौजूद थीं। दोपहर करीब 12 बजे बेटी सानू ने अपने पिता को फोन कर बताया कि मां घर पर नहीं हैं।यह जानकारी मिलते ही सुकेश घर पहुंचे लेकिन पत्नी का कहीं



पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने मोटरसाइकिल से बैहर, सीतादोंगरी, खुरमुंडी और सहेजना सहित आसपास के क्षेत्रों में तलाश की। रिश्तेदारों से भी फोन पर संपर्क कर पत्नी के संबंध में जानकारी जुटाई लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।सुकेश ने संदेह जताया है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी पत्नी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाकर किसी अज्ञात स्थान पर बंधक बनाकर रखा है। 22 नवंबर को सुकेश अपने दामाद उमराव उइके और राजेंद्र उइके के साथ बैहर थाने पहुंचे और घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई।बैहर पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपराध दर्ज कर लापता महिला ममता बाई की तलाश शुरू कर दी है। परिजनों के साथ पुलिस भी महिला की पतासाजी में जुटी है। वहीं पुलिस और परिजनों ने जिलेवासियों से महिला की तलाश में सहयोग करने तथा उसके संबंध में कोई भी जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचित करने की अपील की है।





स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट